जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 20 संख्याः 49 प्रभात जालोर, मंगलवार 27 मई, 2025 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

इस सप्ताह मोदी बिहार में पार्टी के चुनाव अभियान की शुरुआत करेंगे

इस अवसर पर पार्टी विक्रमगंज में एक रैली और रोड-शो करेगी तथा मोदी बिहार के लिए 50,000 करोड़ रूपये के पैकेज की भी घोषणा करेंगे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 मई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस सप्ताह बिहार में भारतीय जनता पार्टी का चुनाव प्रचार करने के लिये पूरी तरह तैयार हैं। वे प्रचार अभियान की शुरुआत बिक्रमगंज जिले में एक जबरदस्त रोड शो तथा जनसभा से करेंगे। इस आयोजन में प्रधानमंत्री 50,000 करोड़ रु. के बहुत बड़े विकास –पैकेज की घोषणा करेंगे, तथा इस प्रकार काफी महत्वपूर्ण माने जा रहे इन विधानसभा चुनावों से पहले, वे राज्य में इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं कल्याणकारी कदमों की भाजपा की प्रतिबद्धता का संकेत देंगे।

- पर, यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि भाजपा व उसकी सहयोगी पार्टी जनता दल (यू) के बीच विधानसभा सीटों के बंटवारे को लेकर भारी मतभेद उजागर हो रहे हैं।
- जद (यू) 243 विधानसभा सीटों में से 121 सीटों पर उम्मीदवार खड़ा करना चाहती है, जबकि भाजपा, नीतीश की पार्टी को 100 सीटों से ज्यादा नहीं देना चाहती।
- भाजपा चिंतित है, अगर सीटों के बंटवारे पर चल रही बात टूट गई तो काफी संकट खड़ा हो सकता है पार्टी के सामने। इन रणनीति विशेषज्ञों का आंकलन है कि अगर भाजपा को अकेले ही चुनाव लड़ना पड़ा तो साठ सीटें पाना भी मुश्किल होगा।
- सीटों पर बातचीत करने के लिए जद (यू) भी काफी गंभीर है और इसीलिए गत वीकेंड (शनिवार-रविवार) को नीतीश दिल्ली गये थे।
- दोनों पार्टियां चाहती हैं कि सीटों के बंटवारे पर चल रहा मतभेद जल्दी से जल्दी हल हो जाए और दोनों पार्टियां एकता की छवि पेश करते हुए, चुनाव मैदान में उतरें।

लेकिन इस प्रचार अभियान की शुरुआत एक ऐसे समय पर हो रही है, जब भाजपा और उसके प्रमुख मित्र दल जनता दल (यूनाइटेड) के बीच आगामी चुनावों के लिये सीट –शेयरिंग फॉर्मूला को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। वरिष्ठ जेडीयू नेताओं ने इस बात की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पत्नी की हत्या के अभियुक्त को आजीवन कारावास

जयपुर, 26 मई। सत्र न्यायालय, महानगर द्वितीय ने आपसी झगड़े में पत्नी के गले में सुआ घोंपकर उसकी हत्या करने वाले अभियुक्त पति कानाराम को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही, अदालत ने अभियुक्त पर पचास हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी रीटा तेजपाल ने अपने आदेश

- घटना के दिन मृतका ममता की बहन, जो उसकी जेठानी भी है, चिल्लाने की आवाज़ सुनकर उसके कमरे में गयी तो ममता खून से लथपथ पड़ी थी तथा अभियुक्त पति के हाथ खून से सने हुए थे।

में कहा कि पति-पत्नी के बीच मामूली कहासुनी स्वाभाविक है, लेकिन इस दौरान अभियुक्त ने पत्नी की हत्या कर दी। घटना में एक महिला को न केवल अपनी जान गंवानी पड़ी, बल्कि उसकी तीन साल की बेटी को हमेशा के लिए मां के प्यार से वंचित होना पड़ा। ऐसे में अभियुक्त के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

अभियोजन पक्ष की ओर से लोक अभियोजक संत कुमार ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर मृतका

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बाँग्लादेश की अंतरिम सरकार के खिलाफ विरोध उभरने लगा है

सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस पर लगातार दबाव बन रहा है कि आम चुनाव दिसम्बर में करवायें, जबकि यूनुस अगले वर्ष जून में करवाने के पक्ष में हैं

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 मई। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मुहम्मद यूनुस के खिलाफ राजनीतिक नेताओं और सेना के बढ़ते विरोध के बीच, निर्वासित पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने यूनुस पर "देश को अमेरिका के हाथ बेचने" का आरोप लगाया है।

आवामी लीग के फेसबुक पेज पर पोस्ट किए गए एक ऑडियो संदेश में हसीना ने कहा कि सेंट मार्टिन द्वीप पर अमेरिका के नियंत्रण की प्रबल संभावना है। हसीना ने कहा, "मेरे पिता ने इस द्वीप की रक्षा के लिए अपने प्राण दिए और मैंने भी कभी सत्ता में बने रहने के लिए देश को बेचने की नहीं सोची।"

जहां एक ओर बांग्लादेश में हसीना सरकार के खिलाफ मुकदमे शुरु हो चुके हैं, वहीं निर्वासित प्रधानमंत्री ने यूनुस को "उग्रवादी नेता" बताया और अंतरिम सरकार द्वारा आवामी लीग पर लगाए गए प्रतिबंध को "अवैध और असंवैधानिक" करार दिया।

- दूसरी ओर, पूर्व प्र.मंत्री शेख हसीना ने यूनुस पर आरोप लगाया कि वे बाँग्लादेश का सेंट मार्टिन आइलैंड, अमेरिका को बेचने की तैयारी में हैं। जबकि, शेख मुज़ीबुर रहमान इस टापू को बचाने के लिए अपनी जान देने को भी तैयार थे तथा यह पहली बार हो रहा है कि सत्ता में रहने के लिये नेता अपने देश को बेचने की कोशिश कर रहे हैं।
- इन दबावों से परेशान, अंतरिम सरकार के कर्ताधर्ता यूनुस ने अपना इस्तीफा देने की पेशकश भी की थी।
- सेनाध्यक्ष ज़मान व पूर्व प्र.मंत्री खालिदा जिया दोनों बाँग्लादेश की इस वर्तमान राजनीतिक स्थिति से काफी नाखुश हैं तथा दिसम्बर में आम चुनाव करवाने के पक्ष में हैं।
- यूनुस, अपनी खाल बचाने के लिए बार-बार भारत का डर दिखा रहे हैं तथा बाँग्लादेश में "युद्ध जैसी स्थिति" होने की बात कर रहे हैं।

पिछले कुछ सप्ताहों में, बांग्लादेश में असंतोष और राजनीतिक अनिश्चितता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मैं भारतीय हूँ, केवल हिन्दी में ही बोलूंगी'

यह कहने वाली महिला बैंक अधिकारी को दण्ड दिलवाने के लिए कर्नाटक के सभी पार्टियों के राजनीतिज्ञ व नेता संगठित हुए

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 मई। कर्नाटक में भाषाई विवाद की एक और घटना सामने आई इस बार का मामला स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की मैनेजर से जुड़ा है जिसे लेकर कर्नाटक के सभी राजनैतिक दल और कार्यकर्ताओं में भारी आक्रोश है। सभी ने यहां तक कि कांग्रेस नेताओं ने भी उक्त महिला मैनेजर के खिलाफ एक्शन लेने की मांग की।

उक्त महिला मैनेजर हिंदी में बात करने पर जोर दे रही थी और कह रही थी वह भारतीय है और सिर्फ हिंदी बोलेगी, भले ही इससे स्थानीय कस्टमर, जिनकी सेवा के लिए उसे नियुक्ति मिली है, का अपमान ही क्यो न होता हो।

इस बैंक मैनेजर एक वीडियो, जिसमें वह ग्राहकों पर चिल्लाती दिख रही है और कह रही है कि वह सिर्फ हिंदी में ही बात करेगी, सोशल मीडिया पर

- इस दबाव के कारण एसबीआई मैनेजमैंट सरैण्डर हुआ तथा महिला अधिकारी को अन्यत्र ट्रांसफर करने के लिए राजी हो गया।
- कर्नाटक के अनेकल तालुक की सूर्यनगर ब्रांच में हुई घटना, मु.मंत्री तक पहुँची तथा उन्होंने कहा, "कन्नड़ भाषा का अनादर करने वाली ऐसी घटनाएं बहुत बार होने लगी हैं, यह निन्दनीय है तथा हम एसबीआई के मैनेजमैंट के आभारी हैं। उन्होंने उक्त बैंक अधिकारी का फटाफट ट्रांसफर किया तथा कन्नड़ भाषा के अनादर की ऐसी घटनाएं आगे नहीं होनी चाहिये।"

वायरल हो गया। इस व्यवहार ने स्थानीय लोगों और नेताओं को नाराज़ कर दिया, क्योंकि यह उन घटनाओं जैसा था जिनमें राज्य के बाहर से आने वाले खासतौर पर हिंदी भाषी शिक्षित और पेशेवर वर्ग के लोग स्थानीय भाषा और संस्कृति का अनादर करते हैं।

आक्रोशित स्थानीय जनता ने इस अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। हाल के वर्षों में पहली बार भाजपा के एक प्रभावशाली नेता और पार्टी के भरते सितारे तेजस्वी सूर्या ने भी कन्नड़ और कर्नाटक के समर्थन में स्टैंड लिया, जबकि उनकी पार्टी का कोई नेता शायद ही कभी लेता है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उदयपुर में करोना के दो रोगी मिले

उदयपुर, 26 मई (का.स.)। उदयपुर में भी कोरोना की वापसी हो गई है। बीते दिन यहां कोरोना के दो मरीज सामने आए हैं। इनमें से एक ग्रामीण क्षेत्र से, जबकि एक मरीज शहरी क्षेत्र से संबंधित है।

जानकारी के अनुसार, एक मरीज को लेकर एम .बी.अस्पताल के अधीक्षक डॉ. आरएल.सुमन ने पुष्टि की है, जबकि दूसरे मरीज की पुष्टि

- एक मरीज ग्रामीण क्षेत्र भावली से है, जबकि दूसरा उदयपुर शहर का है।

मेडिकल कॉलेज की लैब से जयपुर भेजी गई रिपोर्ट के आधार पर हुई है। दोनों ही मरीज फिलहाल अपने.अपने घरों पर क्वारंटाइन हैं और उपचार ले रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार, जो दो मरीज कोरोना पॉजीटिव आए हैं, उनमें एक मावली क्षेत्र का है। इस बाबत डॉ. सुमन के अनुसार, मावली में आठ दिन पहले कोविड पॉजीटिव मरीज सामने आया था। वह फिलहाल घर पर क्वारंटाइन होकर उपचार ले रहा है, जबकि दूसरा मरीज उदयपुर शहर का बताया जा रहा है, जिसने जुकाम और बुखार होने पर मेडिकल कॉलेज की लैब में स्वयं की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट ने जज के घर से मिले कैश प्रकरण की रिपोर्ट सार्वजनिक करने से इन्कार किया

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि रिपोर्ट "कॉन्फिडैंशियल" है तथा रिपोर्ट सार्वजनिक करने से संसद के अधिकारों की मानहानि होने की संभावना है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 मई। सुप्रीम कोर्ट ने न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आवास पर नकदी मिलने के आरोपों के मामले में की गई आंतरिक जांच समिति की रिपोर्ट की प्रति राइट टु इन्फॉर्मेशन (आर.टी.आई.) अधिनियम के तहत

- जैसा कि विदित ही है, न्यायाधीश यशवंत वर्मा के बंगले से बरामद कैश के प्रकरण में मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने एक कमेटी गठित करके जाँच करवाई थी।

देने से इन्कार कर दिया है। ज्ञातव्य है कि इस संबंध में इलाहबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा को दोषी ठहराया गया था।

आरटीआई याचिका में यह भी अनुरोध किया गया था कि भारत के तत्कालीन उच्च न्यायाधीश संजीव खन्ना द्वारा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भेजे गए पत्रों की प्रतियां प्रदान की जाएं। तथापि, सुप्रीम कोर्ट ने इन दस्तावेजों के गोपनीय स्वरूप और संसद के विशेषाधिकारों के उल्लंघन की संभावना का हवाला देते हुए यह जानकारी देने से इन्कार कर दिया।

इस महीने की शुरुआत में, पूर्व

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोटपूतली में बेतरतीब तोड़फोड़ के मामले में स्थानीय जनता को अब इंसाफ मिला

सब हैडिंग-24-हाई कोर्ट ने कहा, राज्य सरकार कमेटी बनाए, याचिकाकर्ताओं से आपत्तियाँ ले और सुनवाई का मौका देकर कानून के अनुसार निर्णय करे

-यादवेंद्र शर्मा-

जयपुर, 26 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने नगर पालिका कोटपूतली द्वारा की गई बेतरतीब तोड़फोड़ को कानूनी रूप से सही नहीं माना। कोर्ट ने कहा कि कोटपूतली में सड़क चौड़ी करने के लिये निर्माण तोड़ने के मामले में राज्य सरकार कमेटी गठन करे, जो कानूनी प्रक्रिया अपनाते हुए ही कार्यवाही करे। इस मामले में नगर पालिका ने नेशनल हाईवे से विवेकानंद स्कूल तक सड़क चौड़ी करने के लिये 150 लोगों के घरों और दुकानों की तोड़फोड़ की थी।

जस्टिस अनूप कुमार ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश इस संबंध में दायर 12 दर्जन याचिकाओं पर सुनवाई

- कोर्ट के आदेश के अनुसार, जिन लोगों के पास कानूनी पट्टे हैं, अगर उनकी ज़मीन की जरुरत पड़ती है तो उन्हें मौजूदा दरों के साथ उचित मुआवज़ा दिया जाएगा और वर्तमान में चल रही सरकारी योजना में पात्रता के अनुसार भूमि आवंटित की जा सकती है।
- नगर पालिका ने कहा कि हमने तो कानूनी प्रक्रिया के तहत कार्यवाही की है। याचिकाकर्ताओं को नोटिस जारी किए थे, आपत्तियाँ प्रस्तुत करने का मौका दिया था, पर, लोगों ने नोटिस लेने से मना कर दिया।
- हाई कोर्ट ने नगर पालिका के तर्कों पर संदेह जताया। हाई कोर्ट ने पाया कि जुलाई 2022 में सभी याचिकाकर्ताओं को जो नोटिस दिए गए थे, उन पर तकरीबन दो ही गवाहों के हस्ताक्षर थे, इससे पूरी प्रक्रिया की निष्पक्षता और विश्वसनीयता पर संदेह उत्पन्न होता है।

करते हुए दिए।

याचिककर्ताओं की ओर से अदालत को बताया कि याचिकाकर्ताओं के पास भूमि का पंजीकृत विक्रय पत्र है। वहीं कुछ याचिकाकर्ताओं के पास खेतडी रियासत की ओर से जारी पट्टा है। याचिकाकर्ता अपनी संपत्तियों पर नियमानुसार काबिज भी हैं। मास्टर प्लान में यहां रोड की चौडाई साठ फीस से कम है। इसके बावजूद भी यहां अस्सी से सौ फीट चौड़ी सड़क निर्माण के लिए याचिकाकर्ताओं के कब्जे हटाए जा रहे हैं।

इस मामले में नगर पालिका की ओर से कहा गया कि हमने तो कानूनी प्रक्रिया के तहत कार्यवाही की है और याचिकाकर्ताओं को नोटिस जारी किये थे और आपत्तियां प्रस्तुत करने का मौका दिया था, पर इन्होंने नोटिस लेने से ही मना कर दिया। इस पर हाईकोर्ट ने नगर पालिका के द्वारा प्रस्तुत तर्कों पर संदेह जताया कि उन्होंने याचिकाकर्ताओं को नोटिस दिये थे।

हाईकोर्ट ने पाया कि नोटिस पर गवाहों के हस्ताक्षर कथित रूप से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

मनुष्य का कत्तर्व्य है कि वह उदार बनने से पहले त्यागी बने। –डिकेंस

ऐसी शिक्षा किस काम की?

शिक्षा का मुख्य उद्देश्य यह है कि वह जीविकोपार्जन के साधन जुटाने में सहायक हो, एक अच्छा नागरिक बनाए, एक तर्कशील, विवेकशील व्यक्ति का निर्माण करे और जो वैज्ञानिक सोच रखता हो। इस आलेख में यह विश्लेषण करने का प्रयास करेंगे कि हमारी शिक्षा व्यवस्था इन कसौटियों पर कितनी खरी उतरी है?

भारत की पहली शिक्षा नीति 1966 में, दूसरी 1986 में (जिसे 1992 में संशोधित किया गया) और हाल ही में 2020 में नई शिक्षा नीति घोषित की गई। सभी नीतियों के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि सबका उद्देश्य तो बहुत अच्छा था कि देश के सभी नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले और वह ऐसे नागरिक तैयार करे जिनमें वैज्ञानिक सोच हो एवं दक्ष नागरिक बनाएं एवं जो अपने जीवन यापन के पर्याप्त साधन जुटा सकें। साथ ही वे विभिन्न प्रश्नों के उत्तर खोजने के लिए सदैव उत्सक रहें।

सबसे पहले हम राजस्थान के संदर्भ में प्रारंभिक शिक्षा की ही बात करें। बालक बालिकाओं को अपनी स्थानीय बोली में पढ़ाने के बजाय उन्हें हिंदी की पुस्तकों से पढ़ाया जाता है। उल्लेखनीय है कि राजस्थान के अलग अलग क्षेत्रों में अलग अलग बोलियां बोली जाती हैं, जो एक दूसरे से बहुत भिन्न हैं। अनेक शब्द और व्याकरण भी अलग हैं। इस कारण छोटे बच्चों, विशेषकर ग्रामीण,को हिंदी में लिखी हुई पुस्तकें बिल्कुल समझ में नहीं आती हैं। साथ ही पुस्तकों में काम लिए गए विभिन्न सन्दर्भों से भी उनका कोई जुड़ाव नहीं होता। इस कारण अनेक बच्चे प्रारंभिक कक्षाओं में ही शिक्षा चक्र से दूर हो जाते हैं। जो बच्चे औपचारिक विद्यालय में अनेक सामाजिक और आर्थिक कारणों से नहीं जा पाते, वे तो वैसे ही शिक्षा प्रणाली से बाहर हैं। उनके लिए अनौपचारिक शिक्षण की जो व्यवस्था थी, उसे भी सरकार ने 'शिक्षा का अधिकार कानून' के नाम पर बंद कर दी है। अंग्रेजी माध्यम के विद्यालय खोलने के सरकारी निर्णय ने तो कोढ़ में खाज का काम किया है। विभिन्न जटिलताओं के चलते स्वैच्छिक संस्थाओं के लिए प्राथमिक विद्यालय की मान्यता प्राप्त करना वैसे ही संभव नहीं है।

स्कूली शिक्षा पद्धति में सबसे बड़ी खामी तो परीक्षा प्रणाली है जो केवल रटने पर आधारित है। समझ कर पढ़ने का कोई महत्व नहीं है। पुस्तकों के अध्याय भी उनके संदर्भ से एकदम कटे हुए हैं। कई बार तो विदेशी संदर्भों का उपयोग किया गया है। पूरी मूल्यांकन प्रणाली कुंजियों से उत्तर रटने पर निर्भर हो गई है।

यही कारण है कि बोर्ड का 'पास' प्रतिशत इस बार 97-98-99% तक रहा है। अनेक विद्यार्थियों के 95%से अधिक अंक आए हैं। परीक्षा में अच्छे अंक लाने के लिए केवल रटना होता है। जो विद्यार्थी परीक्षा के तीन घंटे में रटा हुआ उत्तर सही उगल दे, वह लगभग पूरे अंक ले आता है। किसी विषय के बारे में समझ को जांचने का तो कोई प्रयास ही नहीं होता है। 90% प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों से उन्हीं के पाठ्यक्रम से संबंधित सरल प्रश्न भी यदि अलग तरह से पूछ लें, तो अधिकांश उन्हें हल नहीं कर पाते हैं। विभिन्न प्रवेश और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोचिंग संस्थान इसीलिए खूब फलफूल रहे हैं और अभिभावक उनके आर्थिक शोषण का शिकार हो रहे हैं।

नौकरी प्राप्त करने के लिए भी वर्तमान परीक्षा पद्धति कुछ काम की नहीं है।

उदाहरण के लिए, यदि कोई राजकीय विद्यालय में शिक्षक बनना चाहे तो पहले उसे स्नातक के बाद बी. एड में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा देनी होती है। इसके लिए कोचिंग संस्थान हैं जो हज़ारों रुपए लेते हैं। इसमें उत्तीर्ण होने पर उसे दो वर्ष बी. एड की पढ़ाई करनी होती है। इसकी फीस हजारों में है। इसके बाद उसे रीट (Rajasthan Eligibility Examination for teachers) की प्रतियोगी परीक्षा में बैठना होता है, जिसके लिए फिर कोचिंग करनी पड़ती है। इसमें सफल होने पर उसे फिर, रिक्तियां निकलने पर एक और चयन परीक्षा में बैठने होता है। इसके परिणाम के आधार पर मेरिट के अनुसार चयन होने पर शिक्षा विभाग द्वारा नियुक्ति दी जाती है। जब विद्यार्थियों का मूल्यांकन परीक्षा में आए हुए अंकों के आधार पर ही होगा तो शिक्षकों का भी पूरा ध्यान केवल इसी पर रहता है कि कैसे प्रश्नों के उत्तर रटा दिए जाएं ताकि वह परीक्षा में अधिक अंक हासिल कर सके।

यह दोष पूर्ण शिक्षा व्यवस्था का ही परिणाम है कि बहुत अच्छे अंकों से स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थी किसी प्रतियोगी परीक्षा में बैठते हैं तो वह बहुत अच्छा नहीं कर पाते।

जहां तक शिक्षकों के पद पर नियुक्ति का प्रश्न है, युवा पीढ़ी के इतने वर्ष बर्बाद करने के बजाय, क्या यह अच्छा नहीं होता कि उन्हें स्नातक के परिणाम के आधार पर नौकरी पर रख लिया जाता? तत्पश्चात उन्हें नौकरी पर रहते हुए नियमित प्रशिक्षित किया जाता। इस प्रकार उन्हें अच्छा शिक्षक बनाया जा सकता है। इस प्रकार का अल्पकालिक प्रशिक्षण साल में दो तीन बार किया जा सकता है। इसके लिए आवश्यकता केवल इसी बात की है कि वर्तमान में जो पढ़ाई और मूल्यांकन की व्यवस्था स्नातक और 12वीं तक की है, उसे वैसा ही बना दिया जाए जिस प्रकार से चयन परीक्षा ली जाती है। इससे लाखों युवाओं के अत्यंत महत्वपूर्ण कई वर्ष बर्बाद होने से बच पाएंगे। ऐसा करके हम, उन लोगों के द्वारा बी.एड और एस.टी.सी पर व्यर्थ हुए समय और धन को बचा पाएंगे जो अंतत: शिक्षक नहीं बनकर किसी और व्यवसाय में लग जाते हैं। इस प्रकार के प्रयोग सफलता पूर्वक अन्य देशों में किए गए हैं।

हमारे यहां पर महाविद्यालय और विश्वविद्यालय द्वारा दी जाने वाली उच्च शिक्षा की स्थिति भी कोई बेहतर नहीं है। सरकार, सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के उद्देश्य से, प्रतिवर्ष कई नए महाविद्यालय और विश्वविद्यालय खोलने की घोषणा कर देती है, किंतु पर्याप्त और उपयुक्त शिक्षकों के अभाव में यहां पढ़ाई मात्र की भी नहीं हो पाती। वैसे भी शिक्षकों के अभाव में किस प्रकार की पढ़ाई हो सकती है, यह कल्पना ही की जा सकती है। राजस्थान में तीन दशक पूर्व जहां केवल तीन विश्विद्यालय थे, अब उनकी संख्या बढ़कर लगभग 100 हो गई है। कई निजी विश्विद्यालय तो युवाओं के आर्थिक और मानसिक शोषण का माध्यम बन कर रहे गए हैं। यहां तो पैसे लेकर डिग्री बेचने तक का कार्य होता है।

कुल मिलाकर हम यही कह सकते हैं कि वर्तमान शिक्षा पद्धति ना तो देश के किसी काम की है न विद्यार्थियों के। देश में एम एस स्वामीनाथन के नेतृत्व में हरित क्रांति और कुरियन के नेतृत्व में श्वेत क्रांति हुई, जिसके सकारात्मक परिणाम निकले। अब देश प्रतीक्षा कर रहा है, शिक्षा क्रांति की। इस क्रांति के बाद ही भारत के विकास में, शिक्षा अपनी अपेक्षित भूमिका निभा सकेगी।

तकनीकी और मेडिकल के पाठ्यक्रमों की स्थिति और भी अधिक खराब है। जो इन पाठ्यक्रम में पढ़ाया जाता है वह बाद में उनके जीवन में व्यवसाय को चलाने के लिए कतई उपयोगी नहीं होता। मुझे प्रबंध निदेशक, रीको के रूप में कार्य करते हुए कई बड़े उद्यमियों द्वारा यह शिकायत की जाती थी कि इंजीनियरिंग स्नातकों में से 20 से 25% भी उनके यहां पर किसी काम को करने में सक्षम नहीं हैं। क्या इस प्रकार की शिक्षा व्यवस्था उन अभिभावकों के साथ विश्वास घात नहीं है जो बड़ी उम्मीद के साथ अपने बच्चों को कर्जा लेकर निजी विश्वविद्यालयों में पढ़ने के लिए भेजते हैं? उच्च शिक्षा का तो यह हाल हो गया है कि कुछ वर्षों पूर्व, उत्तर प्रदेश में चपरासी के कुछ पदों पर नियुक्ति के लिए लाखों लोगों ने आवेदन किया, जिनमें से कई तो पीएचडी और इंजीनियरिंग स्नातक तक भी थे।

इस विवेचन से यह स्पष्ट हो जाता है कि हमारी प्रारंभिक शिक्षा से लेकर विश्वविद्यालय स्तर तक की शिक्षा, युवाओं को उनकी क्षमता और योग्यता के अनुसार पर्याप्त रोजगार के साधन उपलब्ध कराने में असफल रही है।

जब से शिक्षा के निजीकरण पर सरकार ने बल देना प्रारंभ किया है, तब से ऐसा लगता है कि सरकार, अच्छी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सबको प्रदान करने के अपने लक्ष्य से भटक गई है। इसमें बड़ी समस्या, शिक्षा के अंधाधुंध निजीकरण के कारण उत्पन्न हुई है जहां शिक्षा का पूरा क्षेत्र ही व्यवसाय बनकर रह गया है। लाखों रुपए वार्षिक शुल्क लेने के बाद भी महंगे निजी महाविद्यालयों से निकलने वाले स्नातक कुछ भी काम करने के लिए उपयोगी नहीं बन पाते।

कहा जाता है कि निजी मेडिकल महाविद्यालय/विश्वविद्यालय से निकले विद्यार्थी अपना अस्पताल भले ही खोल लें, किंतु अस्पताल में इलाज करने की क्षमता उनमें विकसित नहीं हो पाती। शायद करोड़ों रुपए खर्च करके वे मेडिकल की पढ़ाई भी अस्पतालों के मालिक बनने के लिए ही करते हैं ताकि व्यय किया गया पैसा शीघ्र वसूल कर सकें।

यह तो हुआ शिक्षा का एक पहलू, जिसके बाद उपयुक्त रोजगार भी नहीं मिल पा रहा है। अब यदि हम उनके अच्छे इंसान के रूप में और अच्छे नागरिक के रूप में विकसित होने की बात करें, तो इस दिशा में हमारी वर्तमान शिक्षा व्यवस्था और भी असफल रही है। किसी भी अच्छी शिक्षा व्यवस्था से निकलने वाले व्यक्ति से यह अपेक्षा होती है कि वह सामाजिक सौहार्द को बढ़ाने वाला, संवैधानिक मूल्यों में विश्वास रखने वाला, जेंडर संवेदनशील और वैज्ञानिक सोच वाला होगा। क्या हम आज की युवा पीढ़ी में इन गुणों का समावेश देखते हैं? इसका उत्तर स्पष्ट रूप से 'नहीं' है। हम देखते हैं कि आजकल के युवा अनेक समाज और राष्ट्र विरोधी आपराधिक प्रवृत्तियों में लिप्त हो कर रह गए हैं। इन्हें विभिन्न प्रकार के कट्टर धार्मिक संगठन अपने-अपने स्वार्थी उद्देश्यों की पूर्ति के लिए, उन्माद फैलाने के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। यह इसीलिए संभव हो पता है कि युवाओं में वैज्ञानिक सोच विकसित करने का कोई व्यवस्थित प्रयास महाविद्यालयों में नहीं किया जाता। लगता तो ऐसा है कि, समय निकलने के साथ-साथ, अंधविश्वास, पूर्व की तुलना में कहीं अधिक बढ़ता जा रहा है। यदि शिक्षा प्राप्त करने के बाद भी अधिकांश युवा तर्क हीन, विवेकशून्य और अंधविश्वासी हों, तो ऐसी शिक्षा वास्तव में न देश के लिए उपयोगी है, न उस व्यक्ति के लिए जो ऐसी शिक्षा प्राप्त कर रहा है। इसमें दोष छात्रों का नहीं माना जा सकता। जिन व्यक्तियों के हाथ में शिक्षा का संचालन है, चाहे वे शिक्षाविद हों, शिक्षा प्रशासक हों अथवा जनप्रतिनिधि, सबका यह दायित्व है कि वे हमारी वर्तमान शिक्षा व्यवस्था पर गंभीरतापूर्वक विचार करें और उसे आज के समय की आवश्यकता के अनुसार लगातार बदलाव के लिए सक्षम बनाएं। यह उल्लेखनीय है कि जिस गति से आजकल विभिन्न तकनीकों में और विभिन्न क्षेत्रों में बदलाव हो रहा है, उतना शायद पहले कभी नहीं था। वही शिक्षा उपयोगी हो सकती है जो समय के साथ-साथ स्वयं को बदलने के लिए विद्यार्थियों को समर्थ बनाए।

अधिक उपयोगी और उपयुक्त शिक्षा व्यवस्था तो वही होगी जहां शिक्षार्थी अनुभवजन्य ज्ञान प्राप्त करें। केवल जानकारी को रटने के आधार पर परीक्षा में अधिक अंक प्राप्त करना, किसी भी दृष्टि से उपयोगी सिद्ध नहीं होगा। सभी विद्यार्थियों का परीक्षाओं में पास होना किसी भी संस्था की गुणवत्ता का आकलन करने का पैमाना नहीं हो सकता। बोर्ड की परीक्षाओं में आधे से अधिक अंक तो प्रैक्टिकल और आंतरिक मूल्यांकन के हो जाते हैं, जिनमें लगभग सभी को शत प्रतिशत अंक मिलते हैं। इसके बाद मुख्य परीक्षा में यदि 10-20% भी अंक मिल जाएं तो वह छात्र उत्तीर्ण घोषित हो जाता है।

यदि 2047 तक विकसित भारत की कल्पना को साकार करना है तो अभी से हमें वर्तमान शिक्षा प्रणाली, विशेषकर मूल्यांकन की व्यवस्था में आमूल चूल परिवर्तन करना होगा। जहां तक केवल जानकारी हासिल करने का प्रश्न है, वह तो इंटरनेट के युग में कोई भी व्यक्ति किसी भी समय गूगल के माध्यम से कुछ सेकंड में प्राप्त कर सकता है। यह हमारी शिक्षा प्रणाली का दोष ही माना जा सकता है कि जिन भारतीयों को नोबेल पुरस्कार मिला है, उनमें से अधिकांश ऐसे थे जिन्होंने विदेशों में रहकर उच्च अध्ययन किया।

नई शिक्षा नीति में विषयों के चयन में लचीलापन लाने की बात कही गई है। साथ ही विद्यार्थी पूरे कोर्स में किसी समय प्रवेश लेकर छोड़ सकेगा। प्रश्न यही है कि क्या इसके लिए आवश्यक संख्या में उपयुक्त शिक्षक रखने हेतु पर्याप्त बजट बढ़ाया जाएगा?

कुल मिलाकर हम यही कह सकते हैं कि वर्तमान शिक्षा पद्धति ना तो देश के किसी काम की है न विद्यार्थियों के। देश में एम एस स्वामीनाथन के नेतृत्व में हरित क्रांति और कुरियन के नेतृत्व में श्वेत क्रांति हुई, जिसके सकारात्मक परिणाम निकले। अब देश प्रतीक्षा कर रहा है, शिक्षा क्रांति की। इस क्रांति के बाद ही भारत के विकास में, शिक्षा अपनी अपेक्षित भूमिका निभा सकेगी।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

ऑपरेशन सिंदूर : युद्ध विराम : व्यापारिक शीत युद्ध

रामनिवास बैरवा

इस्लाम को मानने वाली पुरूष जाति अपने लिए तो आधुनिकता और आधुनिक जीवन शैली चाहते हैं, लेकिन महिलाओं के लिए शरियत को कठोरता से लागू करना जरूरी मानती है। इसीलिए जिन भी इस्लामिक देशों ने आधुनिक पूंजीवादी या समाजवादी जीवनशैली में महिलाओं को भी बराबर का भागीदार बनाया उन देशों के उदार शासकों को अमरीका जैसे पूंजीवादी साम्राज्यवादी देशों ने समानान्तर इस्लाम को कट्टरता से मानने वालों को उभारा और इस्लामी दुनिया को शरियत के दायरे में बांधे रखना चाहा, जैसे ईराक, ईरान, मिश्र, तुर्की आदि। तेल सम्पन्न मध्य पूर्व के देशों को इस्लामिक कट्टरता से बांधे रखा है। अन्य विकसित और विकासशील देशों को जहां इस्लाम को मानने वालों की जनसंख्या ज्यादा है, उन्हें आधुनिक औद्योगिक विकास के रास्ते से भटकाने के उद्देश्य से उन देशों में अस्थिरता बनाये रखना पूंजीवादी साम्राज्यवादी देशों, विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमरीका का मुख्य लक्ष्य रहा है। नव-स्वतंत्र अविकसित औरा विकासशील देशों में अस्थिरता बनाये रखना और उन्हें आंतरिक संघर्षों या पड़ौसी देशों के साथ युद्धरत रखना भी एक उद्देश्य रहा है। इस प्रकार कट्टर इस्लामिक लोगों के द्वारा विभिन्न विकसित और विकासशील देशों में अपनी गतिविधियां करने से और कुछ हासिल हो या न हो, उग्र धार्मिक दक्षिणपंथी लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचने में सफल रहे हैं और उन देशों में उग्र-दक्षिणपंथी धार्मिक राष्ट्रवाद को सामने आने का मौका दिया गया।

इसी का परिणाम है कि पिछले दो दशकों में कई देशों में, इटली, जर्मनी, फ्रांस, स्पेन, भारत, कनाडा, इजराइल यहां तक कि स्वयं संयुक्त राज्य अमरीका में भी उग्र-दक्षिणपंथियों को उभरने का अवसर मिला- यह बात और है कि वे अपनी जीत की पूरी संभावना होने के बावजूद आम चुनावों में वे सरकार बनाने की स्थिति में नहीं आ सके सिवाय संयुक्त राज्य अमरीका के, लेकिन, भारत में उग्र धार्मिक दक्षिणपंथी राष्ट्रवाद हावी हो सके और सरकार भी बना सके।

इस प्रकार कट्टर हिन्दू राष्ट्रवाद, विदेशी इस्लामिक उग्रवाद की प्रतिक्रिया स्वरूप भारत में सामान्य मुसलमानों को भी उग्र इस्लामी मानकर उनके प्रति दुर्भावनाएं पैदा करने में सफल रहे है। इन्हीं इस्लाम विरोधी भावनाओं का भारत के अन्य भागों में तो असर देखा ही गया लेकिन जम्मू-कश्मीर राज्य में, जहां मुसलमानों की संख्या बहुमत में है, वहां स्थानीय मुसलमान हिन्दू विरोधी नहीं हैं, क्योंकि कश्मीर की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार पर्यटन है, जिसके लिए भारत के विभिन्न हिस्सों से पर्यटक वहां आते हैं। इससे इनकी आर्थिक स्थिति पर बहुत अच्छा प्रभाव होता है और वे हरेक पर्यटन-सीजन में उम्मीद करते हैं कि अधिक से अधिक पर्यटक कश्मीर आयें, उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी हो और उनको शेष भारत के लोगों के साथ घुल-मिलकर रहने का अवसर मिले। ऐसी दशा में कश्मीर में हिन्दू मुसलमानों का भेद कोई मायने नहीं रखता। प्रसंगवश गत वर्ष, 2024 के पर्यटन सीजन में करीब अढाई करोड़ पर्यटक कश्मीर में आये थे। इस वर्ष उनकी संख्या चार करोड़ तक पहुंचने की सम्भावना थी। इसी सम्भावना को खतम करने के उद्देश्य से कट्टर इस्लामिक लोगों ने वहां सेनाओं को निशाना बनाने के बदले हिन्दू पर्यटकों को निशाना बनाया गया जिससे पर्यटकों की संख्या कम हों तथा कश्मीर के मुसलमानों दिमागों पर विपरीत असर पड़े।

पहलगाम में करीब दो हजार पर्यटक भारत के विभिन्न हिस्सों से आये हुए थे। बताते हैं कि उस दिन (22 अप्रैल 2025) वहां पर बैसरन में न तो पुलिस की व्यवस्था थी और न ही सुरक्षा बलों की तैनाती थी। लगभग चार उग्र इस्लामिक व्यक्ति अत्याधुनिक बंदूकों से लैस होकर वहां पहुंचे और करीब 20 पुरूष हिन्दू पर्यटकों को मार दिया। यह भी कहा जा रहा है कि उन उग्रवादियों ने धर्म पूछकर पर्यटकों गोलियां मारी। संभव है कि उन व्यक्तियों के साथ में मौजूद स्त्रियों की मांगों में सिंदूर देखकर भी पुरुषों को मारा हो। उस दिन उस हत्याकांड के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में ढिलाई या पुलिस और सुरक्षा बलों की अनुपस्थिति को 'दी हिंदू' के दिनांक 22.04.2025 के ई-संस्करण में रात 9.29 बजे अपडेट किये गये समाचार तथा अन्य समाचारों में अगले दिन दिये गये समाचारों के अनुसार, केरल हाईकोर्ट के तीन न्यायाधीश अपने परिवारों के साथ जम्मू-कश्मीर में अवकाश पर्यटन पर गये हुए थे तथा 21 अप्रेल को पहलगाम पहुंचे थे। लेकिन वे 22 अप्रेल को सुबह 9.30 बजे के लगभग पहलगाम से श्रीनगर के लिए निकल चुके थे। घटना के बाद समाचार मिलने पर न्यायिक जगत में चिंता फैल गयी। लेकिन वे न्यायाधीशगण और उनके परिवार सुरक्षित थे, न्यायिक क्षेत्रों में लोगों को सुकून देने वाली बात थी। आतंकवादियों के द्वारा किये गये उस हत्याकांड से पर्यटक हतप्रभ हो गये। कुछ स्थानीय मुसलमानों ने मृतकों और घायलों को लाने ले जाने में सहायता की। कई पर्यटकों को अपने घरों में शरण भी दी।

उस हादसे के बाद पर्यटकों की संख्या में कमी होना लाजमी था। लेकिन सरकारें खासतौर से केंद्र सरकार के लिए उस हत्याकांड की उचित प्रतिक्रिया देना आवश्यक था। प्रधारनमंत्री अरब की यात्रा बीच में ही छोड़कर आये लेकिन नौकरशाहों के साथ बैठक की और अगले दिन बिहार में आम चुनाव पूर्व की एक जनसभा में भाषण देने चले गये। इधर दो बार सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने की। अन्ततः 7 मई, 2025 को सीमा पार पाकिस्तान में अवस्थित आतंकवादियों के केंद्रों पर ड्रोन से हमला किया। इस अभियान को 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम दिया गया। हमले की क्या स्ट्रेटजी थी, क्या राजनीति थी, क्या लक्ष्य थे, वे अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाये। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर का एक गुपचुपा बयान जरूर सामने आया कि भारत आतंकी अड्डों पर ही हमला करेगा क्योंकि भारत की तरफ से 'ओपरेशन सिंदूर' कोई युद्ध की घोषणा नहीं थी। लेकिन, चौथे दिन शाम 5:30 में अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम की घोषणा की। उसके काफी देर बाद भारत और पाकिस्तान के अधिकारियों ने युद्ध विराम की घोषणा की। लगता है ट्रंप ने अपने शब्द भारत और पाकिस्तान की सरकारों के प्रधानों के मुंह में डाले हों।

क्या, क्यूं, कैसे, सभी सेनाएं और भारत की जनता युद्ध-विराम की घोषणा से स्तंभित रह गये, लेकिन सरकार की न तो आलोचना कर सके और न ही सरकार से कुछ पूछ सके। उन चार दिनों के हवाई, मशीनी युद्ध से भारत ने और पाकिस्तान ने क्या खोया, क्या पाया, इसका आंकलन और मूल्यांकन इतिहास में बाद में होगा। फिलहाल अमरीका का प्रत्यक्ष दखल उसके व्यापारिक हितों को ही परिलाक्षित करता है-निश्चित ही हमारे सबसे बड़े पड़ौसी चीन की भूमिका से भी इंकार नहीं किया जा सकता है क्योंकि युद्ध विराम के तत्काल बाद अमरीका ने चीन के साथ व्यापार युद्ध को धीमा करने का उद्देश्य से टैरिफ में कमी करने की पहल की है। इससे जुड़ा एक अन्य मसला भी हो सकता है और वह है बलुचिस्तान का। जैसा कि बलुचिस्तान लिबरेशन आर्मी की अपेक्षा थी कि भारत पाकिस्तान का युद्ध तेज हो कर लंबा चलेगा तो बलुचिस्तान को आजाद किया जा सकेगा। लेकिन, अमरीका नहीं चाहता कि बलुचिस्तान में शान्ति हो, क्योंकि बलुचिस्तान में खनिज संपदा बहुतायात से है वह अमरीका को किसी भी हालत में नहीं मिल पायेगी, चीन अपनी कोरीडोर की योजना के तहत उसे हांसिल करना चाहेगा पर वह उसे मिल नहीं पायेगी, अगर बलुचिस्तान अशांत बना रहता है। यह एक प्रकार से 'व्यापारिक शीत-युद्ध' है। इस मामले को बलुचिस्तान ने उजागर भी कर दिया है यह संदेश देकर कि भारत बलुचिस्तान को एक 'निर्वासित सरकार' की मान्यता दे, जैसे कि तिब्बत को 'निर्वासित सरकार' की मान्यता दे रखी है। लेकिन भारत सरकार अभी ऐसा कदम नहीं उठा सकती। बलुचिस्तान अपनी मुक्ति कस मार्ग खुद तय करे या भारत को गणतान्त्रिक संघ बन जाने पर उस संघ का सदस्य बने। क्योंकि आज के युग में किसी भी देश की सीमाओं को अतिक्रमण करके उसे अपनी सीमाओं में मिलाना संभव नहीं है, इसके विपरीत देशों का विघटन होकर नये स्वतंत्र देश अवश्य बन सकते हैं।

कई लोगों का मानना है कि भारत की मिसाइलों ने पाकिस्तान के किराना हिल्स स्थित परमाणु बमों के गोदाम के पास विस्फोट किये। परमाणु विकीरण और परमाणु बमों के नष्ट होने के खतरों को देखते हुए अमरीका ने युद्ध विराम की घोषणा की। लेकिन चाहे भारत और पाकिस्तान परमाणु शक्ति सम्पन्न हों, वे परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने से पहले हजार बार सोचेंगे क्योंकि दोनों ही देशों में आबादी का घनत्व बहुत ज्यादा है और यह माना जा सकता है कि दोनों ही देशों में न तो नादिरशाह जैसा क्रूर कोई है जो दिल्ली जैसे शहर के लोगों की लाशों पर अट्टहास कर रहा हो, और न ही अमरीकी राष्ट्रपजि हेनरी एस ट्रूमैन जैसा मानवता का दुश्मन कोई है जो अपने ही लोगों को वर्षों तक कष्ट भोगने के लिए परमाणु बम गिरा दे। बेशक, भारत और पाकिस्तान दोनों ही देशों की सरकारों में उग्र धार्मिक राष्ट्रवादी बैठे हों, जो कि क्रूर भी हैं, निष्ठुर भी हैं और मानवता के प्रति असंवेदनशील भी हैं, फिर भी परमाणु हथियारों का इस्तेमाल नहीं कर पायेंगे। जैसे पूंजीवादी साम्राज्यवादी अमरीका और उसके कट्टर विरोधी कम्युनिस्ट सोवियत संघ परमाणु हथियारों से सम्पन्न होते हुए भी उनका इस्तेमाल करने से 50 सालों तक क्या अभी तक भी बचते रहे है। और कभी गरम कभी नरम जैसा शीत युद्ध चलाते रहे। भारत और पाकिस्तान की जनता की रगों में वही पांच नदियों और गंगा-यमुना जैसी दो नदियों के पानी से बना खून बह रहा है वे अपने आपके दुश्मन नहीं हो सकते, चाहे उनकी सरकारें कितनी भी लड़ाइयां लड़ते रहें।

-रामनिवास बैरवा,
पूर्व क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

एक करोड़ की लागत से बने साइकिल ट्रैक की चार साल में हालत खस्ता

पॉलिटेक्निक कॉलेज के चारों ओर बने ट्रैक की हालत ऐसी हो गई है कि साइक्लिस्ट अब यहां साइकिल चलाने से भी कतराने लगे हैं

- **करीब चार साल पहले बीकानेर के तत्कालीन जिला कलेक्टर नमित मेहता की पहल पर नगर निकास न्यास ने लगभग एक करोड़ रुपए खर्च कर इस साइकिल ट्रैक का निर्माण कराया था**
- **ट्रैक सार्दुलगंज सर्किल से शुरू होकर पॉलिटेक्निक रोड, नई शिवबाड़ी रोड, वर्धमान हॉस्पिटल के सामने होते हुए व्यास कॉलोनी के एंट्री पॉइंट तक जाता है**

बीकानेर, (निसं)। साइकिल प्रेमियों के लिए चार साल पहले जिस उम्मीद के साथ पॉलिटेक्निक कॉलेज के चारों ओर नगर निकास न्यास ने साइकिल ट्रैक बनवाया था, वह अब पूरी तरह जमींदोज होता नजर आ रहा है।

जानकारी के अनुसार लगभग एक करोड़ रुपए की लागत से बने इस ट्रैक की हालत ऐसी हो गई है कि साइक्लिस्ट अब यहां साइकिल चलाने से भी कतराने लगे हैं। खंभे, अतिक्रमण और टूटे अवरोधक इसे दुर्घटना का न्यौता बना चुके हैं। करीब 4 साल पहले बीकानेर के तत्कालीन जिला कलेक्टर नमित मेहता की पहल पर नगर निकास न्यास ने लगभग एक करोड़ रुपए खर्च कर इस साइकिल ट्रैक का निर्माण कराया था। ट्रैक सार्दुल गंज सर्किल से शुरू होकर पॉलिटेक्निक रोड, नई शिवबाड़ी रोड, वर्धमान हॉस्पिटल के सामने होते हुए व्यास कॉलोनी के एंट्री पॉइंट तक जाता है और महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज के हॉस्टल के पास से होते हुए वापस सार्दुल गंज सर्किल पर आकर समाप्त होता है। शिवबाड़ी रोड पर साइकिल ट्रैक के पास बने अवरोधक कई जगह से टूट चुके हैं। रात के अंधेरे में यह अवरोधक दिखाई नहीं देते और यही कारण है कि कई बाइक व कार सवार यहां 2 फीट नीचे गिर चुके हैं। खासकर पॉलिटेक्निक कॉलेज से शिवबाड़ी की ओर का हिस्सा, जहां सड़क स्तर नीचे है, बेहद खतरनाक हो चुका है।

साइक्लिस्ट भावना शर्मा ने कहा कि हर सुबह हम 15-20 लोग साइक्लिग करते हैं, लेकिन ट्रैक की हालत देखकर डर लगता है। कई बार तो हमें बीच सड़क पर उतरना पड़ता है, जिससे ट्रैफिक की चपेट में आने का खतरा बना रहता है। इतनी बड़ी सुविधा अगर इस हाल में छोड़ दी जाए, तो फिर खिलाड़ियों का मनोबल कैसे बढ़ेगा। इस ट्रैक की चौड़ाई लगभग तीन मीटर है, लेकिन यह पूरी तरह उपयोग लायक नहीं है। ट्रैक के बीचों-बीच अभी तक विद्युत पोल खड़े हैं, जिनके हटाने के निर्देश पहले ही दिए जा चुके थे। डेयरी बूथ और अन्य अतिक्रमणों ने रास्ता और संकरा कर दिया है। कई जगहों पर आवारा पशु विचरण करते हैं, जिससे साइक्लिस्टों को जान जोखिम में डालकर निकलना पड़ता है।

बीकानेर साइक्लिंग क्लब से जुड़े रोहित व्यास ने बताया, हमने कई बार प्रशासन से आग्रह किया कि ट्रैक की हालत सुधारी जाए। हाइवे पर साइक्लिंग करना बेहद खतरनाक है, लेकिन अब यही एकमात्र विकल्प बचा है। इतना पैसा खर्च कर जो सुविधा दी गई, उसकी देखरेख न होने से खिलाड़ी हतोत्साहित हो रहे हैं। सबसे पहले, ट्रैक के बीचों-बीच खंभे हटाने की कार्रवाई की जाए। डेयरी बूथ और अन्य अतिक्रमणों को हटाया जाए। टूटे हुए अवरोधकों को रिपेयर कर पुन: स्थापन किया जाए। रात के समय ट्रैक पर रिफलेक्टिव लाइट्स व बोर्ड लगाए जाए। ट्रैक की नियमित मॉनिटरिंग हो और हर 6 महीने में निरीक्षण अनिवार्य किया जाए। स्थानीय स्पोर्ट्स क्लब के साथ समन्वय बनाकर साइक्लिस्टों की जरूरतें समझी जाये। बीकानेर को अगर स्पोर्ट्स सिटी के रूप में पहचान दिलानी है तो ऐसी अधूरी और उपेक्षित योजनाओं पर पुनर्विचार जरूरी है। सिर्फ निर्माण कर देना पर्याप्त नहीं, उसकी देखरेख और रखरखाव भी उतना ही जरूरी है। प्रशासन को जल्द से जल्द इस मुद्दे पर सक्रियता दिखानी चाहिए, ताकि एक करोड़ की यह परियोजना फिर से बीकानेर के साइक्लिस्टों के लिए प्रेरणा बन सके।

राशिफल मंगलवार 27 मई, 2025

पंडित अनिल शर्मा

ज्येष्ठ मास, कृष्ण पक्ष, अमावस्या, मंगलवार, विक्रम संवत 2082, रोहिणी नक्षत्र रात्रि 2:51 तक, सुकर्मा योग रात्रि 10:54 तक, नाग करण प्रात: 8:32 तक, चन्द्रमा आज वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-वृष, मंगल-कर्क, बुध-वृष, गुरू-मिथुन, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

कुमार योग प्रात: 8:32 से रात्रि 2:51 तक है। आज देव कार्य अमावस्या, भौमवती और भावुका अमावस्या, रोहिणी व्रत, सन्त ज्ञानेश्वरी जयन्ती है। आज करवीर व्रत, श्री गंगादशाश्व मेघ स्नान है। आज प्रतिपदा तिथि का क्षय हुआ है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:01 से 10:42 तक, लाभ अमृत 10:42 से 2:05 तक, शुभ 3:46 से 5:28 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 5:38, सूर्यास्त 7:09

मेष

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।

वृष

मानसिक तनाव दूर होने लगेगा। मन:स्थिति में सुधार होगा। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन

आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय है। आज व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। वाणी पर संयम रखना ठीक रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

सिंह

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

कन्या

आज धार्मिक सामाजिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

तुला

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। व्यावसायिक परेशानियां अभी बनी रहेगी।

वृश्चिक

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा है। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी। परिवार में रचनात्मक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ

घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक विवादों से राहत मिलेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ से राहत मिलेगी।

मीन

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

सार-समाचार

11 महीने बाद पकड़े गए दो बाइक चोर

पाली, (नि.सं.)। पाली पुलिस ने दो शातिर बाइक चोरों को गिरफ्तार किया है। जो बाइक चोरी के बाद बार-बार ठिकाने बदल रहे थे। वारदात के 11 महीने बाद आखिरकार पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की। इनके कब्जे से एक चोरी की बाइक भी बरामद की। इसके साथ ही एक आरोपी ने पाली से मोपेड चोरी करना भी स्वीकार किया। दोनों के खिलाफ पूर्व में भी एक-एक मामले दर्ज हैं। सीओ पाली सिटी ऊषा यादव ने बताया कि पाली शहर के टीपी नगर थाने में 30 जून 2024 को जलदाय विभाग कॉलोनी निवासी मादाराम पुत्र गमनाराम ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। जिसमें बताया कि उसकी बाइक को कोई घर के बाहर से चोरी कर ले गया। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी रही लेकिन वे वारदात के बाद से फरार हो गए। उनके हेमावास में आने की सूचना मुखबिर से मिलने पर टीपी नगर थाने वे ओमप्रकाश चौधरी मय जाप्ता मौके पर पहुंचे। हेमावास के निकट हाईवे पर आकेली गांव निवासी बिजाराम पुत्र भलाराम और हेमावास गांव निवासी पप्पूराम पुत्र हीराराम को पकड़ा। कब्जे से चोरी की बाइक भी जब्त की। पूछताछ में आरोपी बिंजाराम ने पाली शहर के घरवाला जाव गार्डन के बाहर पड़ी बालेलाव गांव निवासी भंवरलाल मेघवाल की मोपेड भी 27 नवंबर 2024 को चोरी करना स्वीकार किया। जिसे उसने जोधपुर में छुपाकर रखना स्वीकार किया। पुलिस ने बताया कि आरोपी बिंजाराम के खिलाफ पूर्व में सोजतरोड थाने में पोस्को में मामला दर्ज हुआ था। वहीं पप्पूराम के खिलाफ मारपीट का मामला पूर्व में दर्ज है। दोनों आपस में अच्छे दोस्त है और साथ ही रहते है।

बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की

जालोर, (कासं)। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर की ओर से घोषित विज्ञान वर्ग के परिणाम में मयूर पब्लिक उच्च माध्यमिक विद्यालय, जालोर के 22 विद्यार्थियों में 90 प्रतिशत से अधिक अक प्राप्त कर जालोर जिले का गौरव बढ़ाया। मयूर पब्लिक स्कूल के 41 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किये। संस्थान के निदेशक राज कुमार माली ने बताया कि 6 विद्यार्थियों ने भौतिक विज्ञान में 100 में से 100 अंक, दो विद्यार्थियों ने रसायन विज्ञान व जीव विज्ञान में 100 मे से 100 अंक प्राप्त किये। निदेशक द्वारा विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। बोर्ड द्वारा घोषित परीक्षा परिणाम में स्थानीय विद्यालय की अनुष्का सिंह ने 95 प्रतिशत अरविन्द माली ने 94.40 प्रतिशत जेनिश गोस्वामी ने 94.40 प्रतिशत ओमप्रकाश ने 94 प्रतिशत रणछोड़ाराम ने 93.40 प्रतिशत मानसी श्रीमाली ने 93.20 प्रतिशत माली अंकुर ने 92.60 प्रतिशत संदीप कुमार ने 92.60 प्रतिशत निधि कुमारी ने 91.80 प्रतिशत धिरेन्द्र सिंह राजपुरोहित ने 91.60 प्रतिशत राहुल परिहार ने 91.60 प्रतिशत मानसी चौधरी ने 91.40 प्रतिशत विशाल सोनी ने 91.40 प्रतिशत भरत कुमार ने 91.20 प्रतिशत डिसपाल ने 91.20 प्रतिशत युग परमार ने 91.20 प्रतिशत ओहमद ने 91 प्रतिशत मनोज कुमार ने 90.80 प्रतिशत अभय नायर ने 90.60 प्रतिशत दिप्ती सोनी ने 90.60 प्रतिशत महावीर कुमार ने 90.60 प्रतिशत तथा मयंक पुरी ने 90.60 प्रतिशत प्राप्त कर विद्यालय व जालोर का नाम रोशन किया है। साथ ही में ओम प्रकाश ने 99.67 प्रतिशत रणछोडाराम ने 98. 67 प्रतिशत व अरविन्द माली ने 97.67 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जालोर जिले में क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया।

साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित

बाड़मेर, (नि.स.)। जिला कलैक्टर टीना डाबी ने सोमवार को कलेक्ट्रेट कॉन्फ्रेंस हॉल में साप्ताहिक समीक्षा बैठक ली। इस बैठक में जिला कलक्टर ने संपर्क पोर्टल, ई-फ़ाईल, पानी, बिजली सहित फ़्लैगशिप योजनाओं की क्रियान्विति की विस्तार से समीक्षा की। जिला कलैक्टर ने डिस्कॉम के अधिकारियों को निर्देशित किया कि अभी गर्मी की स्थिति को देखते हुए जिले में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि रात में किसी भी हालत में बिजली कटौती नहीं होनी चाहिए। इसके साथ ही अंधड़ की वजह से क्षतिग्रस्त हुए पोलों को शीघ्र ठीक करवाने के निर्देश दिए। इसी तरह जिला कलैक्टर डाबी ने निर्बाध पेयजल आपूर्ति के संबंध में भी निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि अगर नहरबंदी की वजह से कोई परेशानी आ रही है तो टैंकरों से आपूर्ति सुनिश्चित करें। इसके बाद जिला कलक्टर ने संपर्क पोर्टल पर लंबित परिवादों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिये। इसके बाद उन्होंने विभिन्न विभागों की फ्लैगशिप योजनाओं की समयबद्ध क्रियान्विति के संबंध में निर्देशित किया। उन्होंने मानसून से पूर्व बाड़मेर शहर के नालों की सफ़ाई के भी निर्देश दिये। बैठक में योग दिवस और हरियालों राजस्थान के तहत आयोजित की जाने वाली गतिविधियों की समीक्षा की गई। बैठक में उपवन संरक्षक सविता दहिया, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि कुमार, अतिरिक्त जिला कलक्टर राजेंद्रसिंह चांदावत सहित सभी ज़िला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

एकमुश्त समझौता का लाभ 30 जून तक

जालोर, (कासं)। राज्य के सहकारिता विभाग एवं शीर्ष सहकारी बैंक के निर्देशानुसार जिले की जालोर केन्द्रीय सहकारी बैंक में कृषि/अकृषि व्यक्तिगत अवधिपार एवं एनपीए (गैर निष्पादित आस्तियाँ) में वर्गीकृत ऋणी सदस्यों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से कृषि/अकृषि एक मुश्त समझौता योजना-2024 लागू की गई है जिसकी प्रवर्तन अवधि बढ़ाकर 30 जून तक की गई है। केन्द्रीय सहकारी बैंक के प्रबंध निदेशक नारायण सिंह ने योजना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि कृषि/अकृषि एक मुश्त समझौता योजना-2024 का लाभ प्राप्त करने के इच्छुक पात्रताधारक ऋणी कृषक सदस्य क्षेत्र की जालोर केन्द्रीय सहकारी बैंक की नजदीकी शाखा के शाखा प्रबंधक/क्षेत्रीय अधिकारी से सम्पर्क करें तथा कृषक सदस्य के विरूद्ध वसूली योग्य चुकता राशि जमा करवाकर कृषि/अकृषि एक मुश्त समझौता योजना-2024 में राहत राशि का लाभ प्राप्त करें। योजना की प्रवर्तन अवधि बढ़ाकर 30 जून, 2025 तक की गई है तथा शेष शर्तें यथावत रहेगी। इस तिथि तक डिफॉल्टर ऋणी किसानों द्वारा एक मुश्त समझौता योजनान्तर्गत लाभ नहीं लेने अथवा अपनी बकाया एनपीए/ओडी राशि जमा नहीं करवाने की स्थिति में बैंक द्वारा उनके विरूद्ध अधिनियमान्तर्गत कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

बाड़मेर जिले में फलों के 30 नमूने लिए

बाड़मेर, (नि.सं.)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर विष्णु राम बिश्नोई ने बताया कि श्रीमान आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण जयपुर एच गुईटे और जिला कलेक्टर टीना डाबी के दिशा निर्देश अनुसार बाड़मेर जिले में फल और फ्रूट के 30 नमूने लिए गए लिए गएं नमूनों को जांच के लिए पब्लिक हेल्थ लैबोरेट्री जोधपुर भेजा गया। बाड़मेर जिले में फल और फ्रूट के नमूना कार्रवाई अभी जारी रहेगी। बाड़मेर में फल फ्रूट की दुकानों की जांच की जा रही है और उन्हें निर्देशित किया जा रहा है कि किसी भी प्रकार के अपशिष्ट सड़े गले फल फ्रूट विक्रय नहीं करें। यदि अपशिष्ट फल फ्रूट विक्रय करते पाए गए तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्हें अपील की गई कि अपने परिसर और परिसर के आसपास पूर्ण रूप से सफाई व्यवस्था रखें। यदि कोई विक्रेता अपशिष्ट या सड़े गले फल फ्रूट का विक्रय करते पाया जावे तो आमजन उनकी शिकायत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से अवश्य करे। खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजेश कुमार जांगिड़, पवन कुमार गुप्ता, आनंद कुमार, राजेंद्र शर्मा, डाटा ऑपरेटर प्रवीण संखलेचा, होमगार्ड कार्मिक राजेंद्र सिंह इंदा, सहायक कर्मचारी अनवर खान दल में सम्मिलित रहे।

शिक्षा मंत्री दिलावर ने निरीक्षण किया

पाली, (नि.सं.)। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर आज सोमवार को जिले के दौरे पर रहे जहां उन्होंने ग्राम पंचायत उतवण का व अभिरुचि शिविरों का औचक निरीक्षण किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंत्री दिलावर ने बोमादडा उतवण ग्राम का औचक निरीक्षण किया और साफ-सफाई का जायजा लेकर आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने लोगों की समस्याओं को सुना और मौजूद अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। इस अवसर पर सीईओ जिला परिषद मुकेश चौधरी.सरपंच व सुनील भंडारी आदि मौजूद रहे।

बुनकर की आज दाखां में रात्रि चौपाल

बालोतरा, (नि.सं.)। सिणधरी पंचायत समिति की ग्राम पंचायत दाखां में मंगलवार, 27 मई को जिला प्रभारी सचिव ओ.पी. बुनकर रात्रि चौपाल करेंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार अतिरिक्त जिला कलक्टर डॉ. गुंजन सोनी ने बताया कि मंगलवार, 27 मई को शाम 7 बजे जिला प्रभारी सचिव ओ.पी. बुनकर की अध्यक्षता में सिणधरी पंचायत समिति की ग्राम पंचायत दाखां में रात्रि चौपाल का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने सभी जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को रात्रि चौपाल में निर्धारित समय पर उपस्थित होने के निर्देश दिए।

संपर्क पोर्टल की परिवेदनाओं का त्वरित निस्तारण करें : डॉ. गावंडे

जालोर, (कासं)। जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर में साप्ताहिक समीक्षा बैठक संपन्न हुई।

बैठक के दौरान जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने संपर्क पोर्टल पर प्राप्त हुए प्रकरणों की विभागवार समीक्षा करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को संपर्क पोर्टल पर प्राप्त आमजन की परिवेदनाओं का त्वरित रूप से निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारी प्राप्त परिवेदनाओं का निस्तारण न्यूनतम समय में गुणवत्तापूर्ण समाधान करते हुए परिवादियों को राहत प्रदान करें।

उन्होंने जिले में राज्य सरकार के निर्देशानुसार माह के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय गुरुवार को आयोजित होने वाली त्रिस्तरीय जनसुनवाई एवं समाधान व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कहा कि विभागीय अधिकारी जनसुनवाई के दौरान जिले के नागरिकों की परिवेदनाओं का गुणवत्तापूर्ण समाधान करें। उन्होंने अधिकारियों को समस्याओं के संतुष्टिपूर्वक समाधान करने के उपरांत परिवादियों से बातचीत कर उनसे फीडबैक लेने की बात कही। जिला कलैक्टर प्रदीप के गावंडे ने जिले में केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न फ्लैगशिप योजनाओं की भौतिक प्रगति की समीक्षा करते हुए विभागीय अधिकारियों को प्रभावी मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना, कर्मभूमि से मातृभूमि, एन.एफ.एस.ए. की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को इन योजनाओं के माध्यम से अधिक से अधिक पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर उप वन संरक्षक जयदेव सिंह चारण, डिस्कॉम के अधीक्षण अभियंता धर्मेंद्र प्रजापति, जिला रसद अधिकारी आलोक झरवाल, मुख्य जिला शिक्षाधिकारी गंगा कलावंत सहित अधिकारी-कार्मिक उपस्थित रहे।

जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण से संबंधित कार्य की समीक्षा

जालोर, (कासं)। जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 एवं तत्संबन्धी राज्य नियम 2000 के अन्तर्गत जन्म और मृत्यु की घटनाओं के क्रियान्वायन एवं रजिस्ट्रीकरण कार्य के मूल्यांकन करने तथा रजिस्ट्रीकरण के क्रियान्वयन के समन्वयन, पुनरावलोकन तथा रजिस्ट्रीकरण कार्य के सुधार के लिए गठित जिला अन्तर्विभागीय समन्वय समिति की बैठक जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई।

बैठक में जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने निर्देश दिए कि जन्म-मृत्यु एवं विवाह पंजीयन के जो आवेदन पहचान पोर्टल पर प्राप्त होते हैं, उन्हें तय समय सीमा में निस्तारित किया जाना सुनिश्चित किया जावें।

साथ ही सरकारी एवं निजी अस्पतालों को निर्देशित किया गया कि वे संस्थान में होने वाली जन्म एवं मृत्यु की घटनाओं का 21 दिनों की निर्धारित अवधि में पंजीकरण/रिपोर्टिंग अनिवार्य रूप से करें।

जिला रजिस्ट्रार (जन्म-मृत्यु) एवं उप निदेशक डॉ. धनसिंह राजपुरोहित ने कहा कि ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में जन्म-मत्यु एवं विवाह पंजीयन वर्तमान में राज्य सरकार द्वारा विकसित ''पहचान पोर्टल'' के माध्यम से क्षेत्र के सम्बन्धित रजिस्ट्रारों द्वारा किया जा रहा है। पंजीयन के लिए आमजन, ई-मित्र अथवा स्वयं पहचान पोर्टल के माध्यम से सीधे ऑनलाईन आवेदन कर सकते है।

इसके साथ ही पुराने हस्तलिखित प्रमाण-पत्रों को ई-साइन युक्त कम्प्यूटराइज्ड प्रमाण-पत्र जारी करने की सुविधा भी विकसित की गई है, जिससे आमजन अपने हस्तलिखित प्रमाण-पत्रों को पहचान पोर्टल पर ऑनलाईन कर सम्बन्धित रजिस्ट्रार द्वारा सत्यापित करने के पश्चात डिजिटल साईन युक्त कम्प्यूटराइज्ड प्रमाण-पत्र प्राप्त कर सकते है।

बैठक में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नन्दकिशोर राजोरा, उप चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ चन्द्रशेखर गजराज, जिला रसद अधिकारी आलोक जारवाल, प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. कमलेश मीणा, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती गंगा कलावंत, जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारम्भिक) मुनेश मीणा, नगर परिषद जालोर के अशोक शर्मा सहित संबंधित विभागीय अधिकारी-कार्मिक उपस्थित रहे।

उद्यमियों की कार्यशाला 28 को

शिवगंज, (नि.सं.)। जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र की ओर से 28 मई को शाम 4 बजे उद्योग संघ संस्थान भवन केसरपुरा, शिवगंज में एक दिवसीय कार्यशाला होगी।

जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र सिरोही के महाप्रबंधक सहीराम ने बताया कि राजस्थान निवेष सम्मेलन के द्वारा राजस्थान सरकार ने राज्य में निवेषकों को आकर्शित करते हुए एमओयू हस्ताक्षरित किए है। अब निवेषकों को बेहतर वित्तीय सहायता एवं ईज ऑफ डूइंग बिजनेस का माहौल उपलब्ध करवाने के लिए कई आकर्शक नीतियां लागू की गई है। कार्यषाला में राज्य सरकार द्वारा निवेषकों के हितों को ध्यानमें रखते हुए जारी की गई नवीन नीतियों 'एक जिला एक उत्पाद नीति-2024, एमएसएमई नीति-2024, कलस्टर नीति-2024, राजस्थान निवेष प्रोत्साहन योजना-2024, डेटासेंटर नीति-2024 आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी।

बालोतरा पुलिस थाने का निरीक्षण

बालोतरा, (नि.सं.)। जिला कलैक्टर सुशील कुमार यादव ने सोमवार को स्थानीय बालोतरा पुलिस थाने का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाने के विभिन्न अनुभागों का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिला कलैक्टर सुशील कुमार यादव ने सर्वप्रथम थाना कार्यालय का अवलोकन किया, जहां उन्होंने लंबित मामलों, शिकायत पंजिका और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेजों की जांच की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी मामलों का त्वरित निस्तारण किया जाए और आमजन की शिकायतों को गंभीरता से सुना जाए।

इस अवसर पर पुलिस उपाधीक्षक सुशील मान, थानाधिकारी सहित अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित थे। जिला कलैक्टर ने थानाधिकारी को निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से थाने की व्यवस्थाओं की समीक्षा करें और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गोगरा व नया खेड़ा में कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास

पाली, (नि.सं.)। पशुपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने अपने विधानसभा क्षेत्र सुमेरपुर की ग्राम पंचायत गोगरा में विधायक कोष सहित अनेक योजनाओं में आवंटित राशि से हुए अनेक विकास कार्यों का लोकार्पण किया।

उन्होंने पंचायत समिति सुमेरपुर की ग्राम पंचायत गोगरा के गांव नया खेड़ा में विधायक कोष से आवंटित राशि सेनिर्मित पेच का नवीनीकरण कार्य का लोकार्पण किया। इसी तरह राजकीय उच्च प्राथ.मिक विद्यालय में पंचायत समिति मद से निर्मित सीसी ब्लॉक सड़क, जिला परिषद मद से निर्मित श्मश.ान भूमि की चारदिवारी का लोकार्पण किया।

इसी तरह नया खेड़ा में ही 50 हजार लीटर की भराव क्षमता की पानी की टंकी के निर्माण के लिये भूमि का पूजन कर निर्माण कार्य प्रारंभ करवाया। कार्यक्रम में राम सिंह, नगरपालिका तख्तगढ़ के उपाध्यक्ष मनोज नामा, नवाखेड़ा के प्रशासक भंवरलाल, मोती सिंह राठौड़, राजू सिंह, नेमाराम देवासी, गणेशाराम देवासी मौजूद रहे।

इसी तरह मंत्री जोराराम कुमावत ने ग्राम पंचायत मुख्यालय गोगरा में दो लाख लीटर की भराव क्षमता वाली पानी की टंकी निर्माण के लिये भूमि पूजन किया। समग्र शिक्षा योजना के अंतर्गत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गोगरा में कक्षा कक्ष एवं पुस्तकालय के निर्माण संबंधी कार्य का शिलान्यास किया। जबकि इसी स्कूल में विधायक कोष से निर्मित सीसी ब्लॉक सड़क एवं ऊंचाई बढाई गई चारदिवारी का लोकार्पण किया गया।

मंत्री कुमावत ने कहा कि भजनलाल सरकार विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। अंतिम छोर तक आमजन को सरकार की संपूर्ण योजनाओं का फायदा कैसे मिले इसके लिए सरकार कार्य कर रही है।

इस अवसर पर गिरधारी सिंह, जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि शिवराज सिंह, पंचायत समिति सदस्य कुंदन सिंह, प्रशासक भंवरलाल, पूर्व सरपंच संतोख, पार्षद लक्ष्मण घांची, पूर्व पार्षद महेश रावल, तख्तगढ़ के दिनेश कुमावत, सांडेराव के नग्गाराम मीणा, जोराराम देवासी, बीसीएमओ गोविंद सिंह चुंडावत, अमर सिंह, माणकचंद, पीएचईडी के एईएन प्रोजेक्ट राजेंद्र कुमार, एईएन खेमराज बैरवा आदि मौजूद रहे।

सिरोही में रोजगार सहायता शिविर 28 मई को

सिरोही, (नि.सं.)। जिला प्रशासन एवं रोजगार विभाग, सिरोही के संयुक्त तत्वाधान में बेरोजगार युवाओ को रोजगार, स्वरोजगार एवं कौशल प्रशिक्षण के बेहतर अवसरों का लाभ प्रदान करने के लिए 28 मई को प्रातः 9 बजे राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय (नवीन भवन) में एक दिवसीय रोजगार सहायता शिविर का आयोजन किया जाएगा।

जिला रोजगार अधिकारी राजूसिंह ने बताया कि इस शिविर में निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों जैसे एनएनबी पेपर प्रोडेक्ट प्रा.लि. सरूपगंज पिण्डवाडा, मॉडर्न इन्सूलेटर आबूरोड, प्रिस्टाईन पोलिमर्स प्रा.लि. आबूरोड, भंसाली इंजी. पोलिमर्स लि. आबूरोड, ग्लोबल हॉस्पीटल आबूपर्वत, मंगला लक्ष्मी इण्डस्ट्रीज प्रा.वि. आबूरोड, प्रोप एनर्जी आबूरोड, अल्ट्राटेक सिमेन्ट लि. पिंडवाडा, जेके लक्ष्मी सिमेन्ट लि.बनास, एलआईसी ऑफ इंडिया लि.सिरोही, भारत फाईनेंस प्रा.लि. सिरोही, एल एंड टी स्कील ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आबूरोड, यशा सोल्यूशन अहमदाबाद, टीमलीज प्रा. लि. गुजरात, चैकमेट सिक्युरिटी प्रा. लि. अहमदाबाद, टाटा एआईए इन्शयोरेन्स, जिनटॉक एम.एस.सी. अहमदाबाद, लाभ एम्ब्रो प्रा.लि.आबूरोड, एमोजन प्रा.लि. अहमदाबाद, एसीई हरियाणा, याजीकी इण्डिया प्रा.लि अहमदाबाद, अपनी 5000 वैकेंसी के लिए जैसे सुपरवाईजर, प्लान लेबर, आईटीआई डिप्लोमा सभी ट्रेड में, स्कील्ड वर्कर्स, रूम ऑपरेटर, सुरक्षाकर्मी, फिल्ड एक्जुकेटिव, क्रेडिट मैनेजर, कस्टर केयर ऑफिसर एवं एसोसिएट्स आठवी से स्नातक पास सभी वर्गो के पदो पर सीधी भर्ती, ट्रेनिंग व अप्रेन्टिशशिप के उपलब्ध अवसरों का लाभ प्रदान करेंगी। स्वरोजगार मे सहायता के लिए राज्य सरकार की विभिन्न विभागों की योजनाओं की विस्तृत जानकारी संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा मौके पर ही दी जाएगी। उन्होंने बताया कि इच्छुक बेरोजगार युवक-युवती इस शिविर का लाभ उठाने के लिए अपनी शैक्षणिक एवं व्यावसायिक योग्यता एवं अनुभव के प्रमाण पत्रों एवं बायोडेटा की छायाप्रतियों का सैट शिविर में साथ लेकर आए। ईच्छुक आशार्थी एवं नियोजक इस रोजगार सहायता शिविर के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस को सम्पर्क कर सकते है।

राजेंद्र माहेश्वरी का सम्मान किया

सायला, (कासं)। भाजपा मंडल सायला की नवगठित कार्यकारिणी में राजेन्द्र माहेश्वरी के मंडल महामंत्री बनने पर मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने उनके प्रतिष्ठान्न पहुंचकर सम्मान किया।

मुख्य सचेतक गर्ग ने नवनियुक्त महामंत्री राजेन्द्र माहेश्वरी का साफा एवं माला पहनाकर सम्मान किया तथा मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दी। गौरतलब है कि माहेश्वरी एक निष्ठावान और जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले युवा नेता हैं, जो लंबे समय से पार्टी के साथ सक्रिय रूप से जुडे हुए हैं। उन्हें यह जिम्मेदारी उनके संगठन के प्रति निष्ठा, समर्पण एवं सेवाभाव को देखते हुए दी गई है। माहेश्वरी ने मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड, जिलाध्यक्ष जसराज राजपुरोहित, मंडल अध्यक्ष नैनमल लखारा समेत शुभचिन्तकों का आभार जताया। जिला महामंत्री पुखराज राजपुरोहित, विक्रमसिंह दहिया सायला, पारसाराम राणा समेत कार्यकर्ता मौजूद थें।

शौर्य प्रशिक्षण जारी

पाली, (नि.सं.)। दुर्गावाहिनी की स्थापना संतों और विश्व हिन्दू परिषद के वरिष्ठ मार्गदर्शकों द्वारा हिन्दू बहन-बेटियों में आत्मबल, आत्मनिर्भरता, और राष्ट्रधर्म के प्रति समर्पण की भावना जागृत करने के उद्देश्य से की गई थी। यह विचार विश्व हिन्दू परिषद जोधपुर प्रान्त मंत्री परमेश्वर जोशी ने पाली शहर के वंदे मातरम छात्रावास में चल रहे दुर्गावाहिनी शौर्य प्रशिक्षण वर्ग के समापन सत्र में व्यक्त किए।

समारोह में महामंडलेश्वर प्रेमानंद व भरतमुनि महाराज ने बहनों को उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु आशीर्वाद प्रदान किया। प्रान्त सह मंत्री एवं वर्गाधिकारा राव सतीश सिंह ने सात दिवसीय वर्ग की गतिविधियों की जानकारी दी।

दुर्गावाहिनी प्रान्त संयोजिका कुसुम थावानी ने वर्ग प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

महाराणा प्रताप जन्म जयंती की तैयारियां जोरों पर

पाली, (नि.सं.)। हिंदुआ सुरज वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप की 485 वी जन्म जयंती गुरुवार 29 मई को महाराणा प्रताप जन्मस्थली विकास समिति एवं नगर निगम के संयुक्त तत्वावधान में उनके ननिहाल एवं जन्मस्थली जूनी कचहरी, धानमंडी में प्रातः 9 बजे हर्षोल्लाष के साथ समारोह पूर्वक मनाई जाएगी।

समिति अध्यक्ष एडवोकेट शैतानसिंह सोनिगरा व संयोजक उगमराज सांड ने बताया कि भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद मदन राठौड़, केबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत मुख्य अतिथि होंगे। पूर्व मंत्री व विधायक पुष्पेन्द्रसिंह राणावत, पूर्व सांसद पुष्प जैन, पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख, पूर्व सभापति महेंद्र बोहरा, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नाहरसिंह जोधा, भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील भण्डारी, जिला कलेक्टर लक्ष्मीनारायण मंत्री, व पुलिस अधीक्षक चुनाराम जाट कार्यक्रम में सम्माननीय अतिथि होंगे। समारोह में अनेक गणमान्य नागरिक व शहर की विभिन्न संस्था समाजो के पदाधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम स्थल पर आर्य वीर दल, शिवसेना सिंदे, महाराणा प्रताप कमांडो फोर्स, शिवसेना, भारत रक्षा मंच महिला मोर्चा सहित पहुंचने वाली विभिन्न संगठनों की रैलियों के प्रतिनिधियो का स्वागत आयोजित समारोह में किया जाएगा।

समिति सचिव चंपालाल सिसोदिया व रितेश छाजेड़ ने बताया कि पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख के प्रयासों से यू आई टी द्वारा स्मारक स्थल का उबड़ खाबड़ फर्श ठीक करवाने का कार्य व रंग रोगन का कार्य सोमवार को तेजी से प्रारम्भ हो चुका है, जिसकी देखरेख यू आई टी सचिव पूजा सक्सेना के दिशा निर्देशन में समिति सदस्य पार्षद विकास बुबकिया, मुकेश भंसाली, दौलाराम पटेल देख रहे है। गुरुवार को जन्मजयंती समारोह कार्यक्रम की समस्त व्यवस्था नगर निगम व समिति की देखरेख में होगी। समिति द्वारा शहर के सभी समाजों व संस्थाओं से सम्पर्क किया जा रहा है।

हनुमान शनिधाम में शनि जयंती महोत्सव आज

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में प्रताप नगर पुलिस थाने के सामने स्थित हनुमान शनिधाम में 27 मई, मगलवार को शनि जयन्ती महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा।

मन्दिर के पुजारी गोपाल महाराज ने बताया कि समस्त देश में शनि जयन्ती 27 मई को मनाई जाएगी। इसी कड़ी में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हनुमान शनिधाम मन्दिर में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार 27 मई को प्रात सवा नौ बजे ध्वजारोहण किया जाएगा। इसके पश्चात सुबह 10:30 बजे सर्व बाधा निवारण हवन शुरू किया जाएगा। दोपहर 12:15 से 251 किलो मालपुआओं का प्रसादी वितरण किया जायेगा।

दोपहर 2 बजे से राजेश गुप्ता एंड पार्टी द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। मन्दिर पर दर्शनार्थ आने वाले भक्तों को तेबीस हजार शनि मंत्रों से सिद्ध मुद्रिका निशुल्क दी जाएगी।

पाली संवाददाता के अनुसार : पानी दरवाजा स्थित प्राचीन काल से स्थापित शनिदेव बगेची में 26 मई को शनि जयंती एवं अमावस्या तिथि के उपलक्ष्य पर भव्य कार्यक्रम आयोजित होंगे

शनि मित्र मंडल के सुनील रामावत ने बताया कि शनिदेव बगेची में प्रातः काल से सन्ध्याकाल तक पूजा अर्चना के साथ ध्वजारोहण , धार्मिक अनुष्ठान , महाभोग प्रसादी , विशेष श्रृंगार आंगी , महिलाओं द्वारा भजन कीर्तन एवं संगीतमय सुंदर काण्ड पाठ सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। कार्यक्रम की तैयारियों में शनिश्चर बगेची के महंत रमेश शर्मा सहित शनिदेव मित्र मंडल के लालाराम माली, सत्यनारायण शास्त्री , जितेंद्र सालेचा, जे पी मिश्रा, कल्पेश मथूरिया, सवाईसिंह ,किशनसिंह राजपुरोहित, रोहित त्रिवेदी, देवेन्द्र अरोड़ा , अशोक मंडोरा, विजय सोनी , कमल मुथा , हलवाई लाभचंद जेन, राजू भाई आदि तैयारियों में जुटे हुए है।

सूने मकान में हुई नकबजनी के दो आरोपीं गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर शहर के निकट बनाड़ स्थित रमजान का हत्था लक्ष्मण नगर में एक सूने मकान में गत सप्ताह हुई चोरी का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है।

पुलिस ने प्रकरण का खुलासा करते हुए दो शातिर नकबजनों को गिरफ्तार किया है। जिनकी निशानदेही पर जेवरात भी बरामद किए गए है। घटना के समय परिवार के लोग मौताणे पर गांव नागौर गए थे। वापिस लौटने पर चोरी का पता लगा। चोरों ने सूने मकान का भरपूर फायदा उठाया और जो हाथ लगा वह सब ले गए। तकरीबन 30 तोला सोना और चांदी के आभूषण चोरी हुए थे।

मामले में मूलत : नागौर जिले के कोतवाली थानान्तर्गत गिवरिया-ओड बस्ती हाल लक्ष्मणनगर रमजान का हत्था निवासी दिनेश सोनी पुत्र गोविन्दराम सोनी ने रिपोर्ट दी थी। इसमें बताया कि पिछले दो तीन दिनों से उसका घर सूना था। उसके नाना का निधन होने पर वह परिवार सहित नागौर मूल गांव गया हुआ था। 18 मई को आया तो पता लगा कि घर के ताले टूटे पड़े है। चोरों ने अलमारी बक्सों के ताले तोड़कर उसमें रखे सोने- चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। घर से रामनवमी सेट 90 ग्राम, रखड़ी सेट 40 ग्राम, गले का हार 25 ग्राम, झेला पता मम्मी का 125 ग्राम, 4 सोने की अंगुठियां तकरीबन 40 ग्राम सोना तकरीबन 25-30 तोला है। वहीं चांदी में 7 पायल जोड़ी 70 ग्राम चांदी की और परचूनी सामान तक चोरी कर ले गए।

बड़ी नकबजनी की इस वारदात को खोलने के लिए पुलिस की टीम का गठन किया गया। पुलिस की टीम ने कड़ी जांच पड़ताल के बाद ऊंटों की घाटी सूरसागर निवासी भाखरराम उर्फ सोहन उर्फ ढलिया पुत्र सुरताराम भील एवं मूलतः चूरू के थेलासर हाल अंबेडकर कॉलोनी सूरसागर निवासी गिरधारीलाल उर्फ राजू पुत्र गिगराज गोस्वामी को पकड़ा है। इन्होंने अपना अपराध कबूल कर लिया है। इनके पास से सोने चांदी के आभूषण जब्त किए गए है।

वाण व ओडा सहित 6 ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों का लोकार्पण

जालोर/सिरोही, (का.सं.)। राज्य के ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज राज्य मंत्री ओटाराम देवासी ने सोमवार को को शिवगंज पंचायत समिति के वाण, ओडा, नारादरा, कैलाशनगर, झाडोलीवीर तथा मणादर में जनसुनवाई की साथ ही केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत करवाए गए विकास कार्यों का लोकार्पण किया।

राज्य मंत्री देवासी ने अपने संबोधन में संबंधित ग्राम पंचायतों में पिछले 16 माह में हुए विकास कार्यों की जानकारी देते हुए आगे भी विभिन्न विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की कमी नही आने देने की बात कही साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकानों के लाभार्थियों की संख्या व किए गए सर्वे की भी जानकारी दी। उन्होंने जनसुनवाई के दौरान आमजन द्वारा प्रस्तुत परिवेदनाओं के संबंध में संबंधित विभागीय अधिकारियों से जानकारी लेते हुए त्वरित निस्तारण कर राहत पहुचाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परिवेदनाओं के निस्तारण के संबंध में की गई कार्यवाही का भी आने वाले दिनों में रिव्यू भी किया जाएगा। सभी अधिकारी त्वरित व नियमानुसार कार्यवाही कर आमजन को लाभान्वित करें। सांसद लुम्बाराम चौधरी ने ग्राम पंचायत वार जनसुनवाई की सराहना की । जिला प्रमुख अर्जुनराम पुरोहित ने आमजन से उनकी समस्याओं को जनप्रतिनिधियों तक पहुंचाने की बात कही। उन्होंने राज्य मंत्री देवासी द्वारा ग्राम पंचायत वार जनसुनवाई करने के नवाचार की भी सराहना की।

पाली में जिला निवेश कार्यशाला आयोजित

पाली, (नि.सं.)। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के तहत संपादित एमओयू को धरातल पर लाने तथा निवेशकों को राज्य सरकार की विभिन्न नीतियों एवं योजनाओं की जानकारी देने के उद्देश्य से आज जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र पाली ने मंडिया रोड औद्योगिक क्षेत्र एसोसिएशन हॉल में जिला स्तरीय निवेश कार्यशाला का आयोजन किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला कलक्टर एल एन मंत्री ने राज्य सरकार द्वारा प्रारंभ की गई योजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि जिला उद्योग की विभिन्न योजनाएं पाली के औद्योगिक क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए एक सशक्त सहारा बन सकती है और इससे पाली के औद्योगिकीकरण को एक नयी दिशा एवं गति मिल सकती है।

पाली जिले के उद्यिमयों को अधिकाधिक निवेश करने के लिए आ ान किया जिससे रोजगार के अधिकाधिक अवसर उपलब्ध हो सके एवं जिले के उत्पादों को विशिष्ट पहचान प्राप्त हो सके।

जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र महाप्रबंधक एस.आर अली ने बताया कि राजस्थान सरकार द्वारा जारी एमएसएमई नीति 2024, ओडीओपी नीति 2024, निर्यात प्रोत्साहन नीति 2024, एकीकृत क्लस्टर विकास योजना, डेटा सेन्टर पालिसी एवं अन्य विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी पीपीटी के माध्यम से दी गई एवं योजनान्तर्गत उद्यमों को प्राप्त होने वाले लाभ एवं प्रक्रिया, प्रावधानों से अवगत कराया एवं विशेष रूप से पाली के टेक्सटाईल उद्यिमयों को ओडीओपी योजनान्तर्गत ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन की प्रकिया से भी अवगत कराया।

Jalore Nagrik Sahakari Bank Ltd.
Head Office : Near Haridav Joshi Circle , Jalore (Rajasthan)
Email ID :- headoffice@jalorebank.com / Bank Website:- www.jalorebank.com / Mobile No.94138-54111

क्रमांक/जानासबैंकलि/1958 दिनांक :26.05.2025

निविदा सूचना

बैंक के स्टॉफ हेतु ड्रेस कोड के अन्तर्गत निम्नलिखित अनुसार शर्ट - फुल बाजु (2 नंग प्रति कार्मिक) एवं पेन्ट (2 नंग प्रति कार्मिक) की सिलाई सहित निविदा आमंत्रित की जाती है । अतः इच्छूक पंजीकृत एवं अनुभवी, प्रतिष्ठित फर्म / कम्पनी(GST Firm) अपनी निविदा सील बन्द लिफाफे में) दिनांक 06.06.2025 सांय 4 बजे तक बैंक प्रधान कार्यालय में रखे गये टेण्डर बॉक्स में डालना सुनिश्चित करें । निविदा प्रपत्र बैंक प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है, जो निविदा शुल्क जमा करवाने पर प्राप्त कर सकते है । विस्तृत विवरण, शर्तें, मात्रा इत्यादि की सम्पूर्ण जानकारी बैंक की वेब साईट www. jalore bank.com पर उपलब्ध है ।

परमानन्द भट्ट
मुख्यकार्यकारी अधिकारी

हाइवे पर तेज रफ्तार कार पेड़ से टकराई, चार दोस्तों की मौत

दो को गंभीर हालत में हॉस्पिटल में भर्ती करवाया, कार के परखच्चे उड़े

श्रीगंगानगर, (निसं)। सादुलशहर-हनुमानगढ़ स्टेट हाइवे पर तेज रफ्तार कार पेड़ से टकरा गई। हादसे में कार सवार चार दोस्तों की मौत हो गई, जबकि दो को गंभीर हालत में हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है। हादसा सादुलशहर-हनुमानगढ़ स्टेट हाइवे पर सादुलशहर (श्रीगंगानगर) से 20 किलोमीटर दूर खेरूवाला गांव के पास रात 10 बजे हुआ।

■ छह दोस्त अपने-अपने घर से बहाना करके निकले थे, हादसे से पहले गाड़ी में ही सभी ने शराब पार्टी की और रील्स बनाई, इसके बाद गाते-बजाते कार ड्राइव करने लगे, कुछ ही देर बाद हादसे का शिकार हो गए

सादुलशहर थाने के एएसआई मनीराम ने बताया कि हादसा भीषण था। कार तेज रफ्तार से सफेदे के पेड़ से टकराई। हादसे में तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। बाकी तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। इन्हें जिला हॉस्पिटल पहुंचाया गया। वहां इलाज के दौरान एक और युवक ने दम तोड़ दिया।

बताया जाता है कि पार्टी मनाने के लिए 6 दोस्त अपने-अपने घर से बहाना करके निकले। पहले इन लोगों ने कार में शराब पार्टी की। वीडियो बनाए। रील शेयर की। इसके बाद गाते-बजाते कार ड्राइव करने लगे। इसके कुछ ही देर बाद हादसे का शिकार हो गए।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, कार में सवार सभी युवक हनुमानगढ़ की ओर जा रहे थे। टक्कर इतनी तेज थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। घटना के बाद मौके पर जुटे लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने लोगों की मदद से मुश्किल से कार सवार युवकों को निकाला। मौके पर ही वजीर सिंह (30) पुत्र सोहन सिंह, सुखविंद्र सिंह (21) पुत्र जीवन सिंह, बलविंद्र सिंह (18) पुत्र बाबूराम की मौत हो गई थी। कुलविंद्र सिंह (23) पुत्र सतनाम सिंह ने इलाज के दौरान हॉस्पिटल में दम तोड़ दिया। हादसे में जान गंवाने वाले वजीर सिंह, सुखविंद्र सिंह, बलविंद्र सिंह, कुलविंद्र सिंह प्राइवेट काम करते थे। सुरेंद्र कुमार (20) पुत्र बाबूराम और गगनदीप सिंह (20) गंभीर रूप से घायल हैं। इनका इलाज जिला हॉस्पिटल में चल रहा है। ये दोनों कॉलेज स्टूडेंट हैं। सभी युवक सादुलशहर थाना क्षेत्र के चक सोहनेवाला और तख्तहजारा के हैं। चार युवकों की मौत से चक सोहनेवाला, तख्तहजारा और गदरखेड़ा गांवों में मातम पसरा है। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए मॉर्च्युरी में रखवाया है।

हादसे से कुछ देर पहले कार ड्राइव कर रहे युवक वजीर सिंह ने अपने इंस्टाग्राम पर स्टोरी भी लगाई थी। इसमें वह गाड़ी चला रहा है और हाथ में शराब की बोतल भी है। कार में सवार युवक शराब की बोतलें लहराते और हंसी-ठिठोली करते नजर आ रहे हैं। पुलिस यह मानकर चल रही है कि नशे में गाड़ी चलाने के कारण हादसा हुआ है। सुखविंद्र सिंह (मृतक) ने अपने चाचा गुलराज सिंह से कहा था कि दोस्त वजीर सिंह की कार की सर्विस करवाने के लिए हनुमानगढ़ जा रहे हैं।

हादसे में नानी व दोहिता की मौत, नाना घायल

बाइक पर जा रहे परिवार के तीन लोगों को ट्रक ने चपेट में लिया

जोधपुर, (कासं)। पारिवारिक कार्य से मोगड़ाकलां से बोरानाडा की तरफ से बाइक पर जा रहे परिवार के तीन लोगों को ट्रक चालक ने अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में बाइक सवार नानी दोहिता की मौत हो गई जबकि नाना बुरी तरह घायल हो गए, जिनका मथुरादास माथुर अस्पताल में उपचार जारी है। इस बारे में बोरानाडा थाने में मृतका के भाई की तरफ से मामला दर्ज कराया गया है। मामले में पुलिस द्वारा अग्रिम अनुसंधान किया जा रहा है।

बोरानाडा थाने के एएसआई लक्ष्मण सिंह ने बताया कि मोगड़ा कलां के रहने वाले अमरदास वैष्णव, उनकी पत्नी 43 वर्षीय मनीषा और दोहिता दो साल का निखिल बाइक पर सवार होकर मोगड़ाकलां से बोरानाडा की तरफ जा रहे थे। जब यह लोग बाइक लेकर सालावास रोड पीपली चौराहा के पास में पहुंचे तब एक ट्रक के चालक ने उन्हें चपेट में ले लिया। हादसे में अमरदास की पत्नी मनीषा और दोहिते निखिल की मौके पर ही मौत हो गई। खुद अमरदास वैष्वण बुरी तरह घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

घटना के बाद ट्रक का चालक मौके से फरार हो गया। एएसआई लक्ष्मणसिंह ने बताया कि ट्रक चालक के नंबर के आधार पर उसकी तलाश जारी है। घटना में मृतका के भाई सोनाइलावा रोहिट पाली निवासी मदनदास की तरफ से ट्रक चालक के खिलाफ रिपोर्ट दी गई है। शवों को कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द किया गया। मामले में अग्रिम अनुसंधान किया जा रहा है।

बदमाशों ने घरों के बाहर खड़ी गाड़ियों के शीशे तोड़े :भरतपुर, में देर रात्रि को मथुरा गेट थाना क्षेत्र में बदमाशों ने घरों के बाहर खड़ी कई गाड़ियों के शीशे तोड़ दिए। सीसीटीवी फुटेज में दो मोटरसाइकिल पर सवार चार-पांच अज्ञात व्यक्ति मुंह पर कपड़ा लपेटकर पत्थर मारते हुए दिखाई दे रहे हैं।

राजस्थान सरकार

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, खंड द्वितीय, जयपुर

सी-ब्लॉक, बेसमेंट, स्वास्थ्य भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर-302005 (राज.)

क्रमांक : 248 **ई-निविदा सूचना संख्या : 05/2025-26** दिनांक : 9.5.25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत जयपुर खंड कार्यालय मे 12 सिविल एवं 03 विद्युत कार्य हेतु कुल राशि रू. 680.15 लाख के उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग / राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत अनुभवी संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष किसी भी श्रेणी में पंजीकृत अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण DIPR की वेबसाईट www.dipronline.org, www.sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है।

यू.बी.एन.नं.

1. MHS2526WSOB00920 2. MHS2526WSOB00924 3. MHS2526WSOB00927
4. MHS2526WSOB00928 5. MHS2526WSOB00929 6. MHS2526WSOB00931
7. MHS2526WSOB00932 8. MHS2526WSOB00934 9. MHS2526WSOB00935
10. MHS2526WSOB00936 11. MHS2526WSOB00937 12. MHS2526WSOB00939
13. MHS2526WSOB00941 14. MHS2526WSOB00942 15. MHS2526WSOB00943

DIPR/C/6353/2025 अधिशाषी अभियंता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य खंड द्वितीय, जयपुर

कार्यालय नगरपालिका रामगंजमण्डी जिला-कोटा (राज0)

क्रमांक : न.पा.रा./2025/361 दिनांक 23.05.2025

ई-निविदा सूचना 02/2025-26

नगरपालिका रामगंजमंडी द्वारा कार्यो हेतु पालिका में पंजीकृत एवं विभागों में AA,A,B, Class एवं उपयुक्त श्रेणी संवेदको से लिफाफा पद्धति/ई-निविदा पद्धति से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की निविदा बेचे जाने की दिनांक 26.05.2025 से 08.06.2025 एवं अपलोड करने की दिनांक 26.05.2025 से 8.06.2025 सांय 6 बजे तक। ई.एम.डी./ निविदा शुल्क/प्रोसेसिंग फीस प्राप्त करने की तिथि : 9.06.2025 समय प्रातः 11.00 बजे तक। तकनीकी बिड खोलने कि दिनांक 9.05.2025 को दोप. 4.00 बजे बाद रहेगी। वित्तीय बिड तकनीकी परीक्षण उपरांत खोली जावेगी। निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण http//sppp.raj.nic.in, http//eproc.rajasthan.gov.in देखी जा सकती है।

S.N.	NIB	UBN
1	DLB-2526A1674	DLB2526WSOB05720
2	DLB-2526A1674	DLB2526WSOB05723
3	DLB-2526A1674	DLB2526WSOB05725
4	DLB-2526A1674	DLB2526WSOB05727
5	DLB-2526A1674	DLB2526WSOB05728
6	DLB-2526A1674	DLB2526WSOB05729
7	DLB-2526A1674	DLB2526WSOB05734
8	DLB-2526A1674	DLB2526WSOB05750
9	DLB-2526A1674	DLB2526WSOB05751
10	DLB-2526A1674	DLB2526WSOB05737
11	DLB-2526A1674	DLB2526WSOB05739
12	DLB-2526A1674	DLB2526WSOB05740
13	DLB-2526A1674	DLB2526WSOB05743

राज.संवाद/सी/25/2997 अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका रामगंजमण्डी

Govind Guru Tribal University, Banswara (Raj.)

No. :- 137 Date :- 26/05/2025

Notice Inviting Bid

Bids for rate Contract for various goods/services/work are invites from interested bidder. Other particulars of the bid may be visited on **https://sppp.rajasthan.gov.in eproc.rajasthan.gov.in** the approximate value/particulars are given below.

Sr.	Name of work	Amt.	UBN No.
1	Answer Book	20000000	GTU2526GLOB00008
2	Manpower	15900000	GTU2526GLOB00015

Raj.Samwad/C/25/3083 Registrar

Office of the Superintendent Engineer and Project Manager WCDC, Karauli

No. :- 405 Date :- 23/05/2025

NOTICE INVITING BID
NIB No. : 08/2025-26

Bids for PT, MPT, Ardhn Check Dam, Talai, LSCD, Talab Etc work Project PMKSY2.0 Block – Karauli of estimated value INR 61.525 Lacs [01 Package] are invited from interested bidders up to 06.00 PM, 22-05-2025, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal **(https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/)** of the state, departmental website.

NIB CODE:- WSC2526A0165, UBN NO- WSC2526WSRC00283

Raj.Samwad/C/25/3047 Superintending Engineer and Project Manager

नीट में 10-10 नंबर पाने वालों को भी वेटरनरी कोर्स में दे दिया एडमिशन

बीकानेर, (निसं)। यहां पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय ने बिना नीट क्वालीफाई किए ही 10-10 नंबर पाने वाले छात्रों को प्रवेश दे दिया। वेटरनरी में एडमिशन के लिए नीट में 162 नंबर लाना जरूरी था। प्रवेश पाने वाले छात्र वेटरनरी डॉक्टर की पढ़ाई भले ही कर रहे हैं, लेकिन वीसीआई (भारतीय पशु चिकित्सा परिषद्) के अनुसार, ऐसे एडमिशन अमान्य हैं। ऐसे में पांच साल बाद पासआउट होने के बाद भी इन छात्रों का वीसीआई में रजिस्ट्रेशन नहीं होगा। प्रदेश में तीन सरकारी कालेजों के अलावा 8 निजी वेटरनरी कालेज हैं। ये सभी कालेज राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय बीकानेर (राजुवास) के अधीन हैं। प्रत्येक कालेज में सौ सीटें हैं। राजुवास ने आदेश में स्पष्ट कहा था कि बीवीएससी-एएच में दाखिले के लिए नीट 2024 परीक्षा में क्वालीफाई होना जरूरी है।

■ वेटरनरी में एडमिशन के लिए नीट में 162 नंबर लाना जरूरी था, बीवीएससी-एएच की प्रवेश प्रक्रिया में धांधली सामने आई

वीसीआई ने बीवीएससी-एएच में प्रवेश के लिए नियम तय कर रखे हैं। इनकी पालना के लिए अगस्त 2024 में दो बार पत्र भी भेजा गया था। आदेश में था कि शैक्षणिक सत्र 2024-25 में सिर्फ नीट क्वालीफाई करने वाले छात्रों को ही प्रवेश दिया जाए। हालांकि राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय बीकानेर ने काउंसलिंग में नियमों को दरकिनार कर दिया। बीवीएससी-एएच पाठ्यक्रमों में नीट-2024 क्वालीफाई नहीं करने वाले छात्रों को प्रवेश दिया गया। ऐसे छात्रों की संख्या करीब 350 है। कई छात्र ऐसे हैं जिनके नंबर सौ से कम हैं। इससे नीट क्वालीफाई करने वाले पात्र छात्र प्रवेश से वंचित रह गए।

समित शर्मा, सचिव पशुपालन विभाग का कहना है कि वीसीआई के नियमों के अनुसार नीट क्वालीफाई करने पर ही एडमिशन होता है। नियमों की पालना नहीं करने वालों के खिलाफ कार्रवाई होगी। सही और पारदर्शी प्रवेश व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

कार्यालय अधिशाषी अभियंता सा.नि.वि. खंड राजाखेडा

क्रमांक : 182-196 दिनांक : 14.05.2025

अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या : 02/2025-26

NIB code PWD2526A0565 and UBN is : PWD2526WSOB01708

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खंड राजाखेडा जिला धौलपुर में सड़क एवं पुलिया मरम्मत कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों, राज्य सरकार के अन्य विभागों में पंजीकृत 'एए', 'ए', 'बी', 'सी' एवं 'डी' श्रेणी संवेदकों एवं केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के 'एए', 'ए', 'बी', 'सी' एवं 'डी' श्रेणी संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेंडरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण वेबसाइट www.eproc.dipronline.org व http://www.pwd.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

क्र.सं.	मुख्यालय का नाम	:	कार्यालय अधिशाषी अभियंता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खंड राजाखेडा
1.	निविदा का कार्य	:	पुलिया मरम्मत कार्य
2.	निविदा की कुल लागत	:	रु. 17.25 लाख
3.	निविदा शुल्क, प्रोसेसिंग शुल्क एवं धरोहर राशि जमा कराने की प्रक्रिया	:	वित्त विभाग द्वारा जारी परिपत्र प.(5)/ वित्त/ साविलेनि/ 2018 दिनांक 27.04.2020 के अनुसार ई-ग्रास चालान पर ऑनलाइन एक ही चालान द्वारा निम्न बजट मद में जमा करानी है। 1) निविदा शुल्क 0075-00-800-52-01 2) प्रोसेसिंग शुल्क 8650-00-102-(16)-(02) (निर्माण विभाग) (RISL Fees) 3) धरोहर राशि 8443-00-108-00-00
4.	निविदा आवेदन/डाउनलोड करने की तारीख (वेबसाइट पर)	:	दिनांक 15.05.2025 प्रात: 09.30 बजे दिनांक 26.05.2025 सायं 6.00 बजे तक
5.	निविदा फार्म जमा कराने की तारीख (वेबसाइट पर)	:	दिनांक 15.05.2025 प्रात: 09.30 बजे दिनांक 26.05.2025 सायं 6.00 बजे तक
6.	निविदा खोलने की तारीख (वेबसाईट पर)	:	दिनांक 27.05.2025 दोपहर 12.30 बजे

(सौरभ शर्मा) अधिशाषी अभियंता सा.नि.वि. खंड राजाखेडा

DIPR/C/6480/2025

नगर निगम ग्रेटर जयपुर

(पण्डित दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, टोंक रोड, जयपुर-15)

क्रमांक :- जसअ/2025/73 दिनांक: 23.05.2025

ई-निविदा सूचना सं. अधि0 अभि0 (मु0) 14/2025-26

केन्द्र एवं राज्य सरकार के सभी विभागों में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के ठेकेदारों एवं नगर निगम के पंजीकृत निविदादाताओं से बिड अधि0 अभि0 (मु0) से सम्बन्धित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्यो की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण नगर निगम ग्रेटर जयपुर की वेबसाईट www.jaipurmc.org.com, eproc.rajasthan.gov.in एवं State Public Procurement Portal Government of Rajasthan की वेबसाईट http;//sppp.rajasthan.gov.in के UBN No:- JMC2526WSOB00609 पर देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/3033 अधिशाषी अभियन्ता (मु0), नगर निगम जयपुर (ग्रेटर)

नाबालिग के अपहरण का आरोपी गिरफ्तार

चिड़ावा, (निसं)। थाना क्षेत्र से एक नाबालिग लड़की के अपहरण का मामला सामने आया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी अमित कुमार उर्फ लक्खन को गिरफ्तार कर लिया है।

पीड़िता के पिता की शिकायत के अनुसार, घटना रात करीब ग्यारह बजे की है। परिवार के सभी सदस्य खाना खाकर चौक में लेटे थे। उनकी पुत्री टीवी बंद करके बाहर गई। काफी देर तक वापस नहीं आने पर परिवार ने उसकी तलाश की। आसपास पूछताछ करने पर भी कोई जानकारी नहीं मिली। देवेंद्र सिंह राजावत आरपीएस (कार्यवाहक पुलिस अधीक्षक) के मार्गदर्शन में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने सीसीटीवी फुटेज की जांच की। कांस्टेबल अमित सिहाग को सूचना मिली कि आरोपी और पीड़िता झुंझुनू के आसपास हैं। पुलिस ने आसपास से दोनों को बरामद किया। पीड़िता का मेडिकल कराया गया और उसके बयान दर्ज किए गए। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। इस कार्रवाई में थानाधिकारी आशाराम गुर्जर के नेतृत्व में उप-निरीक्षक तारा चंद, कांस्टेबल भीमकौर, अमित सिहाग, अमित डाटिका, बाबूलाल और महिला कांस्टेबल रोशनी की टीम शामिल थी।

भीलवाड़ा में छेड़छाड़ से माहौल गरमाया

भीलवाड़ा, (निसं)। आसींद क्षेत्र के जबरकिया ग्राम में हिंदू लड़की के साथ मुस्लिम युवकों द्वारा छेड़छाड़ को लेकर गरमाए माहौल के बीच आक्रोशित भीड़ ने बाइकों को आग लगा दी। ग्रामीण भेरू लाल ने आसींद थाने में सूचना दी। पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा और मुस्लिम संप्रदाय के युवाओं को पुलिस के हवाले कर दिया।

कार्यालय नगरपालिका मण्डल राजलदेसर जिला चूरू (राज.)

E-mail id:- raj.churu.bika@gmail.com Phone number 01567-294504

क्रमांक:- न.पा.रा./2025-26/815 दिनांक:- 20.05.2025

Notice Inviting Bid

Bid For 16 Works is invited for Intrested bidders upto 23-05-2025, 03:00 Pm Other Particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://sppp.raj.nic.in)

NIB CODE :- DLB2526A1293

UBN CODE :- DLB2526WSRC04696, DLB2526WSRC04699, DLB2526WSRC04704, DLB2526WSRC04708, DLB2526WSRC04710, DLB2526WSRC04712, DLB2526WSRC04714, DLB2526WSRC04715, DLB2526WSRC04717, DLB2526WSRC04721, DLB2526WSRC04729, DLB2526WSRC04731, DLB2526WSRC04735, DLB2526WSRC04736, DLB2526WSRC04737, DLB2526WSRC04738

राज.संवाद/सी/25/3060 अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय नगरपालिका मण्डल राजलदेसर जिला चूरू (राज.)

E-mail id:- raj.churu.bika@gmail.com Phone number 01567-294504

क्रमांक:- न.पा.रा./2025-26/782 दिनांक:- 15.05.2025

Notice Inviting Bid

Bid for 01 Work is invited from interested bidders upto 05-06-2025, 03.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in)

NIB Code - DLB2526A1523

UBN Code – (DLB2526WSRC05328)

राज.संवाद/सी/25/3059 अधिशाषी अधिकारी

अवैध शराब के साथ एक गिरफ्तार

चिड़ावा, (निसं)। थाना पुलिस ने अवैध देशी शराब की तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। यह कार्यवाही गांव नारी से अंडरपास होते हुए अरडावता जाने वाले रास्ते पर की गई। पुलिस ने मौके से देशी शराब के 48 पव्वे तथा एक मोटरसाइकिल जब्त की है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति गांव नारी के पास अंडरपास के समीप, अरडावता मार्ग पर एक काली रंग की मोटरसाइकिल पर देशी शराब के साथ खड़ा है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम तुरंत रवाना हुई। पुलिस टीम जब बताई गई लोकेशन पर पहुंची, तो वहां एक व्यक्ति काली बजाज प्लेटिना मोटरसाइकिल पर बैठा मिला, जिसके आगे प्लास्टिक का कट्टा रखा हुआ था। पुलिस को देखकर वह भागने लगा, लेकिन टीम ने तत्परता दिखाते हुए उसे पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम कमल पुत्र बजरंगलाल जाट बताया।

92 लाख के गबन मामले में फरार बैंक मैनेजर गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। घाड़ थाना पुलिस ने तीन साल पहले भरनी स्थित स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया के बैंक मैनेजर को पद पर रहते हुए 92 लाख रुपयों से ज्यादा की राशि का गबन करने के आरोप में गिरफ्तार किया है, आरोपी 2 साल से फरार था। घाड़ थाना प्रभारी हरिराम वर्मा ने बताया कि आरोपी पुष्पेंन्द्र तोगड़ा पुत्र मिट्ठूलाल जाट निवासी माधोगंज थाना मेहंदवास हाल प्लाट नंबर 5 कैप्टन कॉलोनी जयपुर रोड टोंक को गत साल भरनी स्थित स्टेट बैक ऑफ इण्डिया में बैंक मैनेजर पद पर रहत हुए बैंक खातों में समूहों आदि।

राजस्थान सरकार

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, खण्ड सवाई माधोपुर

राजकीय आयुर्वेद औषधालय के पास, सामान्य चिकित्सालय परिसर, सवाई माधोपुर

फोनः 07462-233169, email-eemhswm@gmail.com

क्रमांक-182 दिनांक-09/05/25

अल्पकालीन ई-टेन्डिरिंग निविदा सूचना 02/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत राज्य के स.माधोपुर व बूंदी में विभिन्न स्थानों पर रू. 520.00 लाख के 10 निर्माण कार्य/विद्युत कार्य हेतु राजस्थान सरकार के समकक्ष उपयुक्त श्रेणी में विद्युत कार्य/निर्माण कार्य हेतु सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणीके संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रप्त्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेब साईट www.dipronline.Org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता हैं।

UBN No.-MHS2526WSOB00915, MHS2526WSOB00916, MHS2526WSOB00917 MHS2526WSOB00918, MHS2526WSOB00919, MHS2526WSOB00921, MHS2526WSOB00922 MHS2526WSOB00923, MHS2526WSOB00925, MHS2526WSOB00926

अधिशाषी अभियन्ता चिकित्सा एवं स्वास्थ्य खण्ड सवाई माधोपुर

DIPR/C/6319/2025

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड

(राजस्थान सरकार का उपक्रम) एसबीयू एण्ड पीसी- रॉक फॉस्फेट, झामरकोटड़ा, पी.ओ.- झामरकोटड़ा-313015,

E-mail: dineshsingh.rsmml@rajasthan.gov.in, Phone 7073471755

दिनांक :- 26/05/2025

निविदा सूचना

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
RSMM/PHOS/LAB/AAS/ 2025-26/62 Dated 23.05.2025 with due date of opening on 18.06.2025	झामरकोटड़ा माईन्स, उदयपुर में थर्मो फिशर साइंटिफिक मेक (ए ए एस) परमाणु अवशोषण स्पेक्ट्रोफोटोमीटर के लिए ऑनसाइट व्यापक वार्षिक रख रखाव अनुबंध हेतु। धरोहर राशि 340000/- लाख, निविदा प्रपत्र मूल्य 6800/-, निविदा शुल्क रू. 590/-

विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com/ www.sppp.rajasthan.gov.in, अथवा वरि. प्रबन्धक (लेब) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।

राज.संवाद/सी/25/2987 उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)

कार्यालय अधिशाषी अभियंता जन स्वा.अभि. विभाग, खण्ड बाडी

NIB No.: 17/2025-26 14.05.2025

निविदा सूचना

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से पी.डब्ल्यू.एफ. एंड ए.आर. पार्ट-II अपेण्डिक्स 16 दिनांक 01.07.1999 से लागू एवं समय-समय पर वित्त विभाग द्वारा जारी संशोधित परिपत्रों (आज तक) के अनुरूप विभाग में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों/सप्लायर्स एवं निवदा प्रपत्र में वांछित योग्यता रखतें हो, से इस कार्यालय की निविदा सं. 17/2025-26 के लिये मोहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा संख्या 17/2025-26 के निवदा प्रपत्र https://eproc.rajasthan.gov.in/ दिनांक 26.05.2025 को 06.00 पी.एम. तक डाउनलोड किए जा कर दिनांक 26.05.2025 को 06.00 पी.एम. तक ऑनलाइन जमा किए जाकर दिनांक 27.05.2025 को 12.00 पीएम पर टैक्नीकल बिड (तकनीकी बोली) खोली जावेगी।

NIT No.	Name of work	Estimated Cost (Rs in Lacs)	Earnest Money in Rs. 2%	Earnest Money in Rs. 0.05%	MD RISL (in Rs)	Tender Fee (in Rs)	Period for completion
NIT 17/25-26	4 No. Construction and Commissioning of Solar Energy Based Bore Well Water Pumping Systems, with Storage Reservoir and PSP including Five Years Defect Liability in Division Bari District Dholpur	29.23	58460	14615	500	1000.00	30 DAYS
NIB No.:	PHE2526A1097						
UBN:	PHE2526WSOB02309						

Note: 1. If Holiday is declared on submission and/or opening date of tender the scheduled actvity will take place on next working day/If Procuring entity is not present on the submission and opening date of tender the scheduled activity will take place on day on which procuriing entity (HOO) is present.

नोट:- निविदा से संबंधित नियम एवं शर्ते, आदि कार्यालय समय में देखी जा सकती है।

(Deshraj Sing Gurjar) Executive Engineer PHED Division Bari

DIPR/C/6478/2025

Rajasthan Skill and Livelihoods Development Corp.

Notice Inviting Online Bid

Rajasthan Skill and Livelihoods Development Corporation (RSLDC) invites Bid online from the eligible bidders for Staffing at Block level at various blocks in Rajasthan. The details of Bid are as follows:

Activity	Date & Time
Name of the work/project	"Selection of service provider for providing services of Manpower at Block Level for Various Skill Development Schemes to Rajasthan Skill and Livelihoods Development Corporation.
Date of issuance of tender document	22.05.2025
Last Date/Time for Submitting / uploading of offer/Bid	12.06.2025 up to 6:00 PM
Last Date /Time for submitting original hard copy of Bid Security Demand Draft	13.06.2025 up to 12:00 AM
UBN No.	SLD2526SLOB00002

Bid document and other related information may be downloaded from the websites: www.sppp.rajasthan.gov.in, www.livelihoods.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in. Interested Bidder/Agencies may apply through online https://eproc.rajasthan.gov.in.

Raj.Samwad/C/25/3051 Managing Director, RSLDC

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान

No. :- F-2(01)Acct/Contract/2025-26/51 - 53 Date : 23/05/2025

ई-निविदा संशोधन सूचना

उदयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जारी ई-निविदा सूचना संख्याः 08/2025-26 के क्र.सं. -07 (प्राधिकरण खण्ड चतुर्थ में एजेन्सी के माध्यम से तकनीकी सहयोगी एवं साईट सुपरवाईजर उपलब्ध कराने का कार्य।(2025-26)) की तिथियों में निम्नानुसार संशोधन किया गया है, ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड एवं EMD, Tender Fee & Processing Fee Online दिनांकः 28/05/2025 को सांयः 6.00 बजे तक जमा की जा सकेंगे एवं दिनांकः 30/05/2025 को प्रातः 11.00 बजे तकनिकी बिड़ खोली जावेगी। अन्य शर्ते यथावत रहेगी।

राज.संवाद/सी/25/3012 अधिशाषी अभियन्ता-चतुर्थ उदयपुर विकास प्राधिकरण

कार्यालय नगर पालिका मण्डल नापासर(बीकानेर)

E-mail:- eonagarpalikanapasar@gmail.com

क्रमांक/न.पा.ना./स्वा./2025/393 दिनांक:- 21.05.2025

य:- ई-निविदा सुचना संख्या 07/2025-26

नगर पालिका नापासर की ओर से 40 सफाई श्रमिक(25 पुरूष 15 महिला) 02 जमादार, 02 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी, 02 चौकीदार, 08 वाहन चालक आपूर्ति कार्य पंजीकृत फर्म/संस्था पंजीकृत निविदादाताओं से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेंट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट Web site www.sppp.raj.nic.in से व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

निविदा की अनुमानित लागत :-78.00 लाख

01.	मुख्यालय का नाम	नगर पालिका नापासर
02.	निविदा का कार्य	01. 40 सफाई श्रमिक(25 पुरूष 15 महिला); 02. 02 जमादार; 03. 02 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी; 04. 02 चौकीदार; 05. 08 वाहन चालक
निविदा की अनुमानित लागत	:	78.00 लाख
ऑनलाईन निविदा फार्म मिलनें की तिथि	:	26.05.2025 09.30 बजे से 04.06.202518:00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा फार्म जमा करानें की तारीख	:	26.05.2025 09.30 बजे से 04.06.202518:00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलनें की तिथि	:	05.06.2025 को 17.00 बजे
निविदा, प्रोसेसिंग, अमानत राशि की डीडी जमा करवाने की तारीख	:	05.06.2025 को 15:00 बजे तक नगर पालिका नापासर कार्यालय में

UBN Number : DLB2526SLOB05875

राज.संवाद/सी/25/3065 अध्यक्ष नगर पालिका नापासर अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका नापासर

कार्यालय उप वन संरक्षक, करौली (राज.)

(गद्का की चौकी करौली, Phone & Fax No. 07464, Email-def.kroli.forest@rajasthan.gov.in

ई-निविदा बोली सूचना संख्या-02

इस कार्यालय अधीन रेंज हिन्डौन अंतर्गत MJSA 2.0 प्रथम फेज योजनाअंतर्गत SMC WORKS CCT/MPT/TALAI/ECD/LSCD इत्यादि कराये जाने वाले कार्यों की निविदा आमंत्रित की गई है। अतः इच्छुक फर्म http://sppp.raj.nic.in एवं http://www.eproc.rajasthan.gov.in पोर्टल पर देख कर ऑनलाईन निविदाओं में बोली लगा सकते हैं।

यू बी एन नम्बर	लागत लाखों में	जारी दिनांक	जमा व खोलने की दिनांक
UBN No FOR2526WSRC00250	31.23	16.05.2025	28.05.2025

DIPR/C/6410/2025 (सुमित बंसल), उप वन संरक्षक, करौली

जयपुर विकास प्राधिकरण

इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004

क्रमांक: JDA/IT(1393836)/PURCHASE/LAPOTP/2025/D-82 Date: 26.05.2025

निविदा सूचना

NIB No. : JDA-IT-05:2025-26
UBN No. : JDA2526GLOB00181

जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा "Procurement of High-End Laptops" के लिए ऑनलाईन बिड्स दिनांक 17.06.2025 को 03:00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा बोली का ऑनलाईन आवेदन व भुगतान जविप्रा पोर्टल पर करने की अन्तिम तिथि 15.06.2025 को 05:00 बजे तक है। निविदा की अनुमानित लागत रू. 25.00 लाख है। निविदा बोली के दस्तावेजों का विस्तृत विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in and https://jda.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

निविदा में भाग लेने हेतु निविदादाता को अनिवार्य रूप से निम्न प्रक्रिया अपनानी होगी। :-

1. निविदा में भाग लेने एवं भुगतान जमा कराने हेतु निविदादाता को जविप्रा के Online Tender Participation पोर्टल https://jda.rajasthan.gov.in या http://sso.rajasthan.gov.in पर जविप्रा के सिंगल साईन ऑन के माध्यम से करना होगा।
2. राजस्थान सरकार के ई-प्रॉक्यूमेंट पोर्टल www.eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करनी होगी।

राज.संवाद/सी/25/3077 सिस्टम एनालिस्ट

कृषि अनुसंधान केन्द्र

दाहोद रोड़, बोरवट फार्म, बाँसवाड़ा (राज.) 327001

(महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर)

Mo. No. 8112207969 / 9414389929 Mail ID: zdr_arsb@yahoo.com, Visit us : www.mpuat.ac.in

क्रमांक : एफ( )/कृअके/2025-26/107-11 दिनांक 26.05.2025

निविदा सूचना (2025-26)

कृषि अनुसंधान केन्द्र, बांसवाड़ा के लिये कृषि कार्य हेतु पंजीकृत संवेदक/ठेकेदार से अपेक्षित अनुभव क्षमताओं के साथ मासिक कार्य/कार्यानुसार हेतु खुली निविदाएं बंद लिफाफों में आमन्त्रित की जाती है। पंजीकृत संवेदक/ठेकेदारों को तकनीकी एवं वित्तीय निविदा अलग-अलग सील बन्द लिफाफों में देनी होगी। निविदा प्रारूप, सम्पूर्ण नियम एवं शर्ते विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.mpuat.ac.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कर सकते है। निविदा प्रारूप प्राप्ति की अन्तिम तिथि 06.06.2025 प्रातः 11.00 बजे तक रहेगी। उक्त निविदायें उसी दिन दोपहर 11.30 बजे तक जमा की जाकर मध्यान्ह 12.00 बजे कमेटी की उपस्थिति में खोली जावेगी। निविदा प्रारूप जमा करवाते समय कार्य के सामने वर्णित निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि जमा करवानी होगी।

कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू.)	धरोहर राशि (रू.)	निविदा शुल्क (रू.)
कृषि अनुसंधान केन्द्र, बोरवट फार्म, बांसवाड़ा पर कृषि कार्य (19 हेक्टर)	9,25,500/-	20,000/-	500/-

संभागीय निदेशक अनुसंधान

कार्यालय अधिशाषी अभियंता जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण किशनगढ, अजमेर

क्रमांक-निविदा/2025-26/110-15 दिनांक-15/05/2025

निविदा सूचना संख्या 02/2025-26 किशनगढ

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से अजमेर जिले में किशनगढ में पीएमकेएसवाय-2 योजना अन्तर्गत जलग्रहण विकास कार्य (NRM) को संपादन करने हेतु सक्षम श्रेणी में पजीकृत संवेदकों से निर्धाथ्तर प्रपत्र में खुली ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया द्वारा ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in और www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र. सं.	पंचायत समिति एवं योजना का नाम	कार्यो का नाम	अनुमानित लागत (लाखों में)	धरोहर राशि (रूपये में)	निविदा प्रपत्र शुल्क (रूपये में)	प्रोसेसिंग शुल्क (रूपये में)	ऑनलाईन फार्म अपलोड व जमा/ डाउनलोड करने की दिनांक	धरोहर राशि निविदा शुल्क, प्रोसेसिंग फीस व निविदा प्रपत्र अपलोड कराने की अंतिम दिनांक	आनलाईन निविदा खोलने की दिनांक	NIB CODE	UBN SPPP CODE	EPROC TENDER ID
1	Kishangarh Block	Recharge shaft, Tanka. CCT, Bank Stab.	74.077	148155	1000	1000	16.5.2025 09.30 AM	26.05.2025 06.00 PM	27.05.2025 11.00 AM	WSC2526 A0134	WSC2526 WSOB 00244	2025_WDSC _469115_1

(जय सिंह रावत) अधिशाषी अभियंता, जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण, किशनगढ अजमेर

पीटीआई भर्ती में धांधली : 21 शारीरिक शिक्षकों की ग्रेजुएशन डिग्री ही फर्जी

एस.ओ.जी. ने मामला दर्ज कर शुरू की जांच पड़ताल

जयपुर। शारीरिक शिक्षक भर्ती परीक्षा-2022 में चयनित हुए इक्कीस पीटीआई की ग्रेजुएशन की डिग्री ही फर्जी पाई गई है। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) अब इन इक्कीस पीटीआई के खिलाफ नया मुकदमा दर्ज किया है।

एसओजी एडीजी वी के सिंह ने बताया कि शारीरिक शिक्षक भर्ती परीक्षा-2022 में फर्जी डिग्री मामले की जांच के दौरान आवेदकों और चयनित अभ्यर्थियों के राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड से दस्तावेज लेकर विश्लेषण किया गया। इस दौरान पता चला कि भुखरेड़ी (चूरू) निवासी नरेंद्र सिंह, मालूका (भरतपुर) निवासी वीरेंद्र सिंह, श्यामोली (सवाईमाधोपुर) निवासी हनुमान गुर्जर, भाकरोद (नागौर) निवासी नारायण भाकल, तिघरिया (करौली) निवासी निरंजन सिंह, डबोक (डीग) निवासी बलवीर, खेड़ला बुजुर्ग (दौसा) निवासी वीरेंद्र सिंह, मेहरादासी (झुंझुनू) निवासी बुलकेश कुमारी, कोल्याणा (जयपुर) निवासी कुसुमलता गुर्जर, मेहरदासी (झुंझुनू) निवासी सुरेंद्र कुमार, भोजपुरा (जयपुर) निवासी दुर्गेश कसाना, भाकरोद (नागौर) निवासी महेंद्र, सुरोठ (करौली) निवासी दीपक गुर्जर, खावडा (दौसा) निवासी राजन सिंह, नानवास (झुंझुनू) निवासी कृष्ण कुमार, कापूरा मालूका (भरतपुर) निवासी हेमसिंह, चौधरीपुरा (करौली) निवासी रामलखन मीना, लुबडावास (जयपुर) निवासी महेश कुमार गुर्जर, झलाटाला (भरतपुर) निवासी प्रशांत गुर्जर, गुड़ला (करौली) निवासी नीरज जाटव और सांचौर (जालौर) निवासी कमला कुमारी की ग्रेजुएशन की डिग्री ही फर्जी पाई गई है।

एसओजी एडीजी ने बताया कि पीटीआई भर्ती में चयन के बाद इन सभी अभ्यर्थियों ने हिमाचल प्रदेश की अरनी विश्वविद्यालय से ग्रेजुएशन होने की बात कही।उन्होंने अपनी ग्रेजुएशन की मार्कशीट बीपीएड कोर्स के लिए उत्तर प्रदेश के शिकोहाबाद स्थित जेएस विश्वविद्यालय में पेश करने की जानकारी दी।

एसओजी ने अरनी विश्वविद्यालय से 2016 से 2020 के बीच ग्रेजुएशन करने वालों की सूची हासिल की तो इन 21 अभ्यर्थियों में से किसी का भी नाम नहीं मिला। नियुक्ति के समय इन्होंने बीपीएड की मार्कशीट शिकोहाबाद (उत्तर प्रदेश) स्थित जेएस यूनिवर्सिटी की पेश की। इनके द्वारा आवेदन के समय और नियुक्ति के समय पेश की गई मार्कशीट में भी अंतर पाया गया है। जांच में सामने आया कि इन्होंने जेएस यूनिवर्सिटी से बैक डेट में फर्जी अंकतालिका और डिग्री लेकर नौकरी हासिल की है।

गौरतलब है कि पीटीआई भर्ती के आवेदकों और चयनित अभ्यर्थियों के एसओजी ने दस्तावेज खंगाले तो यह चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है कि इन्होंने बिना ग्रेजुएशन किए बीपीएड की फर्जी डिग्री लेकर नौकरी हासिल कर ली। अब एसओजी इन पीटीआई पर शिकंजा कसने की तैयारी कर रही है।

देवनानी ने निम्बार्क तीर्थ में श्याम शरण देवाचार्य के दर्शन किये

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोमवार को श्री निम्बार्क तीर्थ सलेमाबाद में स्थित अखिल भारतीय जगद्गुरु श्री निम्बार्काचार्य पीठ में पहुँचकर श्री श्री श्याम शरण देवाचार्य के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर देवनानी ने देवाचार्य का दुपट्टा पहनाकर अभिनंदन किया। देवनानी ने देवाचार्य को विधानसभा की स्मृति स्वरूप वार्षिक डायरी भेंट की। देवाचार्य ने भारतीय नववर्ष के अनुसार प्रकाशित की गई डायरी प्रकाशन की अभूतपूर्व पहल के लिये देवनानी को बधाई दी। देवनानी और देवाचार्य के मध्य आध्यात्म, सनातन संस्कृति और समाज सेवा से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।

'गौशालाओं की मॉनिटरिंग के लिये कमेटी बनाएंगे'

प्रदेश की गौशालाओं में सुधार को लेकर सोमवार को पशुपालन, डेयरी एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत की अध्यक्षता में शासन सचिवालय में गोपालन विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित हुई।

जयपुर। प्रदेश की गौशालाओं में सुधार को लेकर सोमवार को पशुपालन, डेयरी एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत की अध्यक्षता में शासन सचिवालय में गोपालन विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित हुई।

बैठक में गौशालाओं को समय पर अनुदान देने, गौशाला की भूमि पर हुए अतिक्रमण हटवाने, गौ तस्करी कानून को और अधिक सख्त बनाने, मृत गौमाता के शव को समाधि देने के लिए अतिरिक्त भूमि का आवंटन करने की गौ सेवा समितियों के प्रतिनिधियों की मांग पर विचार विमर्श किया गया। इसके अलावा गौशालाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए ऑर्गेनिक खाद का विपणन सहकारी समितियों के माध्यम से करवाने, गौ-अर्क की बिक्री आयुर्वेद विभाग के माध्यम से करवाने के लिए उचित व्यवस्था कराने, गौशालाओं की शाखा खोलने के लिए नियमों में शिथिलता प्रदान करने, बछड़ों का बधियाकरण कराने, प्रदेश में गाय के कृत्रिम गर्भाधान के लिए उसी नस्ल का सीमन इस्तेमाल करने के सुझावों पर भी चर्चा हुई। गोपालन मंत्री ने सभी विषयों पर गहन विचार विमर्श के बाद गौशाला प्रतिनिधियों को उचित निर्णय लेने का आश्वासन दिया।

कुमावत ने बताया कि गौशालाओं में व्यवस्थाओं की प्रभावी मोनिटरिंग के लिए जिला व राज्य स्तरीय कमेटियों में दो-दो सदस्य शामिल करने के प्रस्ताव पर राज्य स्तर पर निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि गौशालाओं को समय पर अनुदान की राशि मिले इसके लिए वार्षिक कैलेंडर बनाया जाएगा। साथ ही गौशालाओं की भूमि पर हुए अतिक्रमण को हटवाने के लिए सभी जिला कलेक्टर्स को आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे। इस मौके पर गोपालन विभाग के निदेशक प्रहलाद राय नागा, राजस्थान गौ सेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद राम शास्त्री व पूर्व अध्यक्ष गोविंद गिरी, श्रीपति धाम गौशाला, सिरोही के संचालक गोविंद वल्लभ, रघुनाथ सिंह राजपुरोहित सहित गोपालन विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

देवनानी से कुलगुरु गर्ग की मुलाकात

जयपुर। विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से सोमवार को विधानसभा में बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलगुरु आचार्य अखिल रंजन गर्ग ने शिष्टाचार मुलाकात की। गर्ग ने देवनानी को पुष्प गुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया।

गर्ग ने देवनानी को बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय की गतिविधियों की जानकारी दी। गर्ग ने देवनानी को 2 जून को विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में आने का निमंत्रण दिया। देवनानी बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह में 2 जून को बीकानेर में दीक्षांत व्याख्यान देंगे।

कांग्रेस की जय हिंद सभा पूर्ण रूप से कांग्रेस की खीज सभा : राजेंद्र राठौड़

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़ ने कांग्रेस की जय हिंद सभा को खीज सभा बताते हुए कांग्रेस नेताओं द्वारा दिए गए बयानों को सिरे से खारिज कर दिए। राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बीकानेर में ऐतिहासिक सभा के बाद सीमावर्ती क्षेत्रों में जाकर कांग्रेस नेताओं ने रैली में झूठ, फरेब और पाखंड की ऐसी त्रिवेणी बहायी जिसने भी सुना उसे उनके ज्ञान पर तरस ही आया।

उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कहते है कि संघ परिवार का तिरंगे में विश्वास नहीं है, नागपुर मुख्यालय पर तिरंगा नहीं फहराया। यह उनके अल्पज्ञान का द्योतक है क्योंकि उस कालखंड में केवल सरकारी इमारतों पर ही तिरंगा फहराने की ही अनुमति थी, जबसे

■ **'कांग्रेस की सभा में बही झूठ, फरेब और पाखंड की त्रिवेणी'**

सर्वोच्च न्यायालय ने जिंदल मामले में इसे आम आदमी का अधिकार बताया, तब से संघ मुख्यालय पर भी ध्वजारोहण होता है। उन्होंने कहा कि 1930 में कांग्रेस लाहौर अधिवेशन में पूर्ण स्वराज का जब प्रस्ताव पारित हुआ था, उस समय राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के संस्थापक डॉ हेडगेवार ने शाखाओं पर स्वतंत्रता दिवस मनाने के निर्देश दिए। कांग्रेस राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ को बार बार टारगेट करती है लेकिन यह भूल जाती है कि स्वतंत्रता आंदोलन में डॉ हेडगेवार सहित 6 हजार से ज्यादा स्वयं सेवक 9 माह तक जेल में रहे थे। कांग्रेस का संघ के खिलाफ फैलाया जा रहा झूठ अब चलने वाला नहीं है।

राठौड़ ने कहा कि देश पर जब संकट होता है तो कोई भी राष्ट्र भक्त ईमानदारी से अपने देश के साथ खड़ा होता है, लेकिन देश की सबसे पुरानी पार्टी में ऐसे लगता है अपने अंग्रेज संस्थापकों का डीएनए बाकी है जिसके कारण उनका देश के प्रति कोई कर्तव्यभाव नजर नहीं आता। वे आज भी फूट डालो राज करो की नीति पर कार्य कर रहे है। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में 8 जनवरी 2013 को पाकिस्तानी सैनिक भारतीय सैनिक का सिर काटकर ले गए थे। तब की कांग्रेस सरकार ने ना सर्जिकल स्ट्राइक की, ना कोई पाकिस्तान के खिलाफ किसी प्रकार की कोई कार्रवाई की। कांग्रेस डोजियर भेजने में विश्वास करती रही और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी डॉयरेक्ट एक्शन में विश्वास करते है। यहीं कारण है कि 1965 और 1971 के युद्ध में भी जो सिंधु जल समझौता रद्द नहीं हुआ, वो पहलगाम हमले के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने निलंबित कर दिया। हमारा स्पष्ट मत है खून और पानी साथ नहीं बहता तथा ना ही टॉक और टेरिज्म साथ साथ चल सकते है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस को ना देश के प्रधानमंत्री की बात पर भरोसा है, ना ही सेना के अधिकारियों की बात पर विश्वास है। इन्हें एक विदेशी राष्ट्राध्यक्ष के ट्विट पर एतबार है। राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री यह स्पष्ट कर चुके है कि पाकिस्तान से बात केवल पाक अधिकृत कश्मीर पर और उसके द्वारा फैलाए गए आतंकवाद पर ही होगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बेहतर प्रबंधन और नेतृत्व से भारत बनी विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था : मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भारत आधिकारिक तौर पर जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। यह संभव हो पाया है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदृष्टि और बेहतर प्रबंधन के चलते। मोदी के नेतृत्व में देश समृद्ध हुआ, संपन्न हुआ और सुरक्षित हुआ है। 2014 से पहले जहां भारत की अर्थव्यवस्था विश्व में 11वें पायदान पर थी, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के विजन के चलते देश तरक्की की राह पर चला और 11 से चौथे नंबर पर अर्थव्यवस्था आ गई। इतना ही नहीं, भारत के शीर्ष नेतृत्व के प्रबंधन के चलते शीघ्र ही तीसरे पायदान पर पहुंच जाएगा।

राठौड़ ने प्रदेश कार्यालय में मीडिया से वार्ता करते हुए बताया कि इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड के आंकड़ों के अनुसार भारत की अर्थव्यवस्था 4.187 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की हो गई। भारत ने जापान को पछाड़कर यह पायदान हासिल किया है। अब अमेरिका, चीन और जर्मनी के बाद चौथी अर्थव्यवस्था भारत की है। राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने हर वर्ग, हर समुदाय और हर क्षेत्र के विकास के लिए कार्य योजनाएं तैयार की, फिर चाहे वो कृषि क्षेत्र हो, चिकित्सा क्षेत्र हो, शिक्षा क्षेत्र हो

■ **'प्रधानमंत्री मोदी के 11 साल के कार्यकाल में भारत बना समृद्ध, संपन्न और सुरक्षित'**

या फिर युवा, महिला, किसान और गरीब के कल्याण एवं उत्थान के कार्य हो। मोदी ने पिछले 11 सालों में देश के इन्फ्रास्ट्रेक्चर को बेहतर करने के साथ सेना को मजबूत किया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज विश्व भी भारत का लोहा मान रहा है। पहले जहां हम अधिक आयात करने की स्थिति में थे, वहीं आज भारत अधिक से अधिक निर्यात करने की स्थिति में आ गया है। विश्व में भारत की साख अन्य देशों की तुलना में अधिक है। जबकि हमारे से उपर चीन की अर्थव्यवस्था है, लेकिन चीन की विश्वसनीयता, प्रतिष्ठा विश्व में नहीं है। ऐसे में हमारे शीर्ष नेतृत्व का आभार और धन्यवाद, जिसने भारत को आर्थिक रूप से सशक्त करने का काम किया।

कांग्रेस नेता अल्पज्ञानी, झूठ के भरोसे चलाना चाहते है अपनी दुकान : राठौड़

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस ने राष्ट्र भक्ति का ढ़ोंग करते हुए रैली का नाम तो जय हिंद रख दिया, लेकिन बातें देश को विभाजित करने वाली ही करते रहे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने अपनी 100 साल की यात्रा में राष्ट्र सेवा के नए आयाम स्थापित किए हैं। आज जिस प्रकार संघ के राष्ट्रीय विचार को समाज के सभी वर्गों द्वारा स्वीकारा और समर्थित किया जा रहा है, वहीं कांग्रेस के नकारात्मक तथा समाज को तोड़ने वाली नीतियों को जनता द्वारा दरकिनार किया जा रहा है। उसके कारण कांग्रेस संघ फोबिया से ग्रसित हो गई है।

राठौड़ ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत कहते है कि संघ परिवार का तिरंगे में विश्वास नहीं है, नागपुर मुख्यालय पर तिरंगा नहीं फहराया। यह उनके अल्पज्ञान का द्योतक है क्योंकि उस कालखंड में केवल सरकारी इमारतों पर ही तिरंगा फहराने की ही अनुमति थी, जबसे माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने जिंदल मामले में इसे आम आदमी का अधिकार बताया, तब से संघ मुख्यालय पर भी ध्वजारोहण होता है। कांग्रेस के नेता पूछते है सीजफायर क्यों किया, इसके बारे में देश के विदेश मंत्री, देश की सेना के अधिकारी और स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश और दुनिया को बता चुके है कि पाकिस्तान द्वारा रखे गए सीजफायर के प्रस्ताव को भारतीय सेना ने अपनी शर्तों पर स्वीकार किया है। देश पर जब संकट होता है तो कोई भी राष्ट्र भक्त ईमानदारी से अपने देश के साथ खड़ा होता है, पर तरस आता है कि देश को जब जरूरत है तब कांग्रेस अपने तुच्छ राजनीतिक लाभ के लिए अनर्गल बयानबाजी कर रही है।

सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता फैलाएगा शिक्षा विभाग

जयपुर। सड़क सुरक्षा स्कूल शिक्षा परियोजना पर सहयोग हेतु प्रस्ताव के संबंध में सचिवालय में सोमवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गयी, जिसकी अध्यक्षता शिक्षा शासन सचिव श्री कृष्ण कुणाल ने की। बैठक का उद्देश्य विद्यार्थियों और शिक्षकों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना और सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए व्यवहारगत परिवर्तन को प्रोत्साहित करना रहा। इस मौके पर शासन सचिव ने विद्यालयों के आसपास बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर चिंता जताते हुए पाठ्यक्रमों में रोड सेफ्टी पाठ्यक्रम को शामिल करने पर जोर दिया। शिक्षा विभाग इसके लिए एनजीओ से संपर्क साधेगा।

कृष्ण कुणाल ने सड़क सुरक्षा जागरूकता के लिए प्रत्येक विद्यालय की किसी एक दीवार पर सड़क सुरक्षा से जुड़े नियम और सुरक्षा चिन्हों को पेंट करने के निर्देश दिए। साथ ही एक टीचर्स ट्रेनिंग और अवेयरनेस कैंपेन चलाने पर जोर दिया। शिक्षा विभाग के मनोनीत अधिकारी से समन्वय स्थापित करके उनके मार्गदर्शन में राष्ट्रीय राजमार्गों और व्यस्त सड़कों के निकट स्थित 50 सरकारी विद्यालयों का चयन कर कक्षा 6 से 12 के विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाएगा। प्रत्येक विद्यालय से 2/3 शिक्षकों का चयन कर उनके लिए तीन दिवसीय ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में शिक्षा विभाग जल्द सड़क सुरक्षा पर काम करने वाली एक निजी संस्थान मुस्कान फाउंडेशन से औपचारिक एमओयू साइन करेगा।

इस अवसर पर राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त अनुपमा जोरवाल, निदेशक प्रारंभिक शिक्षा सीताराम जाट, परिवहन आयुक्त, जिला कलेक्टर जयपुर, डिप्टी कमिशनर ऑफ पुलिस ट्रैफिक, मुस्कान फाउंडेशन एवं जिले के गैर सरकारी विद्यालयों के प्रतिनिधि शिक्षा विभाग के अधिकारी शामिल रहे।

कहानी विधा के लिए स्वयं प्रकाश स्मृति सम्मान की प्रविष्टियां आमंत्रित

दिल्ली। साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में कार्यरत संस्थान 'स्वयं प्रकाश न्यास' ने सुप्रसिद्ध साहित्यकार स्वयं प्रकाश की स्मृति में दिए जाने वाले वार्षिक सम्मान के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित की हैं। न्यास द्वारा जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि राष्ट्रीय स्तर के इस सम्मान में कहानी विधा की किसी ऐसी कृति को दिया जाएगा, जो सम्मान के वर्ष से अधिकतम छह वर्ष पूर्व प्रकाशित हुई हो। वर्ष 2025 के सम्मान के लिए 1 जनवरी 2021 से 31 दिसंबर 2024 के मध्य प्रकाशित कहानी संग्रहों पर विचार किया जाएगा। कृतिकार की आयु सीमा 50 वर्ष रखी गई है। सम्मान के लिए तीन निर्णायकों की एक समिति बनाई गई है जो प्राप्त प्रस्तावों पर विचार कर किसी एक कृति का चुनाव करेगी। सम्मान में ग्यारह हजार रुपये, प्रशस्ति पत्र और शॉल भेंट किये जाएंगे।

'दोहरा चरित्र कांग्रेस की फ़ितरत है, पूरे देश में नीति और व्यवहार से कांग्रेस नकार दी गई'

अशोक गहलोत के बयान पर डॉ.सतीश पूनिया का पलटवार

जयपुर। कांग्रेस नेता पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बाड़मेर में दिए गए बयान पर हरियाणा भाजपा प्रभारी, भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने पलटवार कर कहा कि, कभी हिंद की सेना से प्रमाण मांगने वाले आज कांग्रेसी सभा कर रहे हैं, चुनौतियों में जब देश एकजुट होता है तब भी ये सियासत करते हैं, दोहरा चरित्र कांग्रेस की फ़ितरत है, इसीलिए पूरे देश में नीति और व्यवहार से नकार दी गई है, कांग्रेसी नेताओं के पास अनर्गल भाषण और नेहरू गांधी ख़ानदान की चरण वंदना के अलावा कुछ बचा नहीं है।

■ **'कांग्रेसी नेताओं के पास अनर्गल भाषण और नेहरू गांधी ख़ानदान की चरण वंदना के अलावा कुछ नहीं बचा'**

भाजपा प्रदेश कार्यालय में पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया और अरूण चतुर्वेदी प्रेस से रूबरू हुए।

डॉ. पूनिया ने कहा कि, भारत की सेना ने आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के तहत अपना पराक्रम दिखाया और आतंकवादियों को सबक सिखाया, उससे पूरी दुनिया में हमारी जांबाज सेना और हमारे मजबूत नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा हो रही है, सेना और नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व पर पूरे देश की जनता को गर्व है, इसके बावजूद कांग्रेस घटिया राजनीति करने से बाज नहीं आ रही है, सेना की बहादुरी एवं तिरंगा यात्राओं के सफल आयोजनों से कांग्रेस पूरी तरह बौखलाई हुई है।

उन्होंने कहा कि हमारे देश का सांस्कृतिक संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जो सदैव देश की सेवा में जुटा रहता है उसका मजाक उड़ाना भी कांग्रेस नेतृत्व की फितरत बन चुकी है, जिसकी साफ झलक कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बाड़मेर में दिए गए बयान में दिखी, जिन्होंने भारत की सेना के पराक्रम से लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर अमर्यादित एवं अलोकतांत्रिक बयान दिया है। पूरा देश एकता एवं अखंडता के साथ आतंकवाद से डटकर मुकाबला कर रहा है, आतंकवाद के खिलाफ की गई कार्रवाई की भारत की सेना और भारत के नेतृत्व की पूरी दुनिया समर्थन कर रही है, ऐसे में देश पर इमरजेंसी थोपने वाली एवं भ्रष्टाचार की जनक कांग्रेस के नेता देश के स्वाभिमान का मजाक उड़ा रहे, जिससे जनता अच्छे से वाकिफ है।

डॉ. पूनिया ने कहा कि, अशोक गहलोत बताएं कि भारत के सैनिकों ने आधुनिकतम स्वदेशी तकनीक के जरिये ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से आतंकवादियों और आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त कर दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब दिया, क्या यह आपको और दिल्ली में बैठे आपके कांग्रेस आलाकमान को पच नहीं रहा है, जब पूरी दुनिया आतंवादियों के खिलाफ भारत की कार्रवाई का समर्थन कर रही है तो कांग्रेस के नेता और कांग्रेस नेतृत्व किसके कहने पर भारत के मजबूत नेतृत्व के खिलाफ बोल रहे हैं?

पशु चिकित्सकों को पॉलीक्लिनिक में नियुक्त करने के निर्देश

जयपुर। शासन सचिव पशुपालन, गोपालन और मत्स्य डॉ समित शर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को पशुधन भवन के सभागार में पशुपालन विभाग की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। समीक्षा बैठक में पशुपालन निदेशक तथा आरएलडीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ आनंद सेजरा, अतिरिक्त निदेशक डॉ सुरेश मीना, डॉ विकास शर्मा तथा पशुपालन विभाग के वित्तीय सलाहकार मनोज शांडिल्य सहित विभाग के सभी वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में सेक्स सॉर्टेड सीमन, मंगला पशु बीमा योजना, भारत पशुधन एप, नि:शुल्क आरोग्य योजना तथा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। संबंधित अधिकारियों ने इन विषयों पर प्रस्तुति दी। शासन सचिव डॉ. शर्मा ने क्लीनिकल विषयों जैसे मेडिसिन, सर्जरी एवं गायनोलॉजिकल विषयों में विशेषज्ञता प्राप्त पशु चिकित्सा अधिकारियों को पॉलीक्लिनिक में नियुक्त करने के निर्देश दिए, जिससे पशुपालकों को विशेषज्ञ सेवाओं का अधिकतम लाभ मिल सके। उन्होंने इस कार्य को शीघ्रता से क्रियान्वित करने पर बल दिया। शासन सचिव ने जिलों के नोडल अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सम्बन्धित जिले की संस्थाओं में विभागीय कार्मिकों की उपस्थिति शत-प्रतिशत सुनिश्चित करें।

बुजुर्गों को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने का प्रयास

■ **28 मई को वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए सभी जिला मुख्यालयों पर होगा एक दिवसीय कार्यशालाओं का आयोजन**

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग अपनी तरह के अनूठे नवाचार के साथ प्रदेश के बुजुर्गों (वरिष्ठ नागरिकों) के कल्याण और सशक्तिकरण के साथ सामाजिक ताने-बाने को मजबूती देने का प्रयास कर रहा है। इसी कड़ी में विभाग द्वारा 28 मई को इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान के सभागार में राज्य स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इसी तरह की कार्यशाला प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित की जाएगी, ताकि बुजुर्ग स्वयं को हर स्तर पर मजबूत और सशक्त महसूस करें।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने प्रदेश भर के वरिष्ठ नागरिकों को जिलों में होने वाली कार्यशालाओं में जुड़ने का किया आव्हान है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और विभाग की मंशा बुजुर्गों (वरिष्ठ नागरिकों) को मानसिक, शारीरिक, कानूनन हर तरीके से स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने की है। उन्हें किसी पर तरह से दूसरों पर आश्रित नहीं रखने की है। वे स्वस्थ रहेंगे तो सामाजिक ताना-बाना भी मजबूत रहेगा।

गहलोत ने बताया कि 28 मई को प्रदेश भर में आयोजित होने वाली के कार्यशालाओं में जिले के नामचीन मनोवैज्ञानिक, श्रेष्ठ योग प्रशिक्षक, बेहतरीन आहार विशेषज्ञ, स्वयं सेवी संस्था, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के जिलाधिकारी, पुलिस, सायबर सेल के अधिकारी एवं जिला प्रशासन के अधिकारी सम्बंधित विभिन्न विषयों पर परामर्श देंगे। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय कार्यशालों में लगभग 75 से 300 प्रतिभागियों (जिसमें 75 प्रतिशत बुजुर्ग, 15 प्रतिशत युवा व 10 प्रतिशत अन्य) की भागीदारी के अतिरिक्त जनप्रतिनिधिगण एवं गणमान्य सदस्य की उपस्थिति रहेगी। इस दौरान बुजुर्गों का युवाओं से भी संवाद करवाया जाएगा।

आठवीं बोर्ड का परीक्षा परिणाम जारी, लड़कियों ने इस बार भी बाजी मारी

इस बार रिजल्ट 96.88 परसेंट रहा है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 0.94 परसेंट ज्यादा है

बीकानेर/पाली, (निसं)। राजस्थान शिक्षा विभाग ने आठवीं बोर्ड परीक्षा का रिजल्ट जारी कर दिया है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने सोमवार को पाली जिले के रानी डीआईटी केन्द्र से प्रारंभिक शिक्षा पूर्णता प्रमाण पत्र कक्षा 8 का परीक्षा परिणाम जारी किया। राज्य में 8वीं बोर्ड का परीक्षा परिणाम 96.66 प्रतिशत रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 0.94 परसेंट ज्यादा रहा है। इस बार भी लड़कियों ने बाजी मारी है। लड़कियों का रिजल्ट 97.24 परसेंट रहा है, जबकि लड़कों का रिजल्ट 96.14 परसेंट रहा। विभिन्न कारणों से 881 स्टूडेंट्स का रिजल्ट रोक लिया गया है।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने पाली जिले के रानी डीआईटी केन्द्र से प्रारंभिक शिक्षा पूर्णता प्रमाण पत्र कक्षा आठ का परीक्षा परिणाम जारी किया।

- राजस्थान में सबसे शानदार रिजल्ट सीकर जिले का रहा, सबसे कम पास वाले स्टूडेंट्स धौलपुर के रहे
- लड़कियों का रिजल्ट 97.24 परसेंट, लड़कों का रिजल्ट 96.14 परसेंट रहा, 881 स्टूडेंट्स का रिजल्ट रोका

राजस्थान में सबसे शानदार रिजल्ट सीकर जिले का रहा है। जहां 98.96 परसेंट रिजल्ट रहा है। वहीं दूसरे नंबर पर दौसा जिला रहा है, जिसका 98.62 परसेंट और तीसरे नंबर पर अजमेर रहा जिसका रिजल्ट 98.17 परसेंट है। वहीं बीकानेर 18वें नंबर पर रहा है। राजस्थान में सबसे कम पास वाले स्टूडेंट्स धौलपुर के रहे, जहां 93.37 परसेंट रिजल्ट रहा है। नीचे के तीन जिलों में बारां का रिजल्ट 93.37 परसेंट और पाली का 94.17 परसेंट रहा है। शिक्षा विभाग की ओर जारी परिणाम में चार ग्रेड दिए गए हैं। इसमें सबसे ज्यादा 52.38 प्रतिशत स्टूडेंट्स को बी ग्रेड मिला है, जबकि 24.46 परसेंट स्टूडेंट्स को सी ग्रेड मिला है। ए ग्रेड वाले स्टूडेंट्स की संख्या 17.65 परसेंट है। महज 0.17 परसेंट स्टूडेंटस को ही डी ग्रेड मिला है।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर पाली से ऑनलाइन जुड़कर रिजल्ट घोषित किया। वहीं शिक्षा सचिव कृष्ण कुणाल जयपुर से जुड़े। राज्य की सभी डाइट्स को भी पांच बजे ही ऑनलाइन रिजल्ट मिल जाएगा। शिक्षा विभागीय पंजीयक कार्यालय की ओर से आयोजित प्रारम्भिक शिक्षा पूर्णता प्रमाण पत्र परीक्षा (कक्षा 8) का रिजल्ट इस बार भी ग्रेडिंग सिस्टम पर जारी होगा। स्टूडेंट्स को मार्क्स के बजाय ग्रेडिंग दिया जा रहा है। रिजल्ट साइट पर देखा जा सकता है। इसके अलावा प्राइवेट स्कूल पोर्टल पर भी रिजल्ट उपलब्ध रहेगा।

कक्षा-8 परीक्षा 20 मार्च से दो अप्रैल तक राज्य के समस्त जिलों में हुई। इस परीक्षा में कुल 12 लाख 64 हजार 618 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। शिक्षा विभागीय पंजीयक कार्यालय की ओर से ली गई इस परीक्षा का संचालन जिलों में डाइट्स के माध्यम से किया गया। कॉपी चैकिंग का काम भी डाइट्स स्तर पर हुआ। इसके बाद ऑनलाइन सभी के मार्क्स अपलोड किए गए। ये काम कुछ दिन पहले पूर्ण हो गया। रिजल्ट तैयार होने के बाद शिक्षा मंत्री से समय लिया गया।

आठवीं बोर्ड का रिजल्ट घोषित होने के बाद पांचवीं बोर्ड का परिणाम जारी होगा। इसके लिए तारीख अभी तय नहीं हो पाई है लेकिन इसी सप्ताह में ये रिजल्ट भी आ जाएगा। दरअसल, दोनों क्लास का एक साथ रिजल्ट देने पर कम्प्यूटर सिस्टम बिगड़ जाता है। इसलिए इस बार दोनों का अलग-अलग दिन रिजल्ट जारी होगा।

फर्जी वसियत मामले मे 10 हजार का इनामी गिरफ्तार

अपने ही नाना की फर्जी वसियत बनाकर जमीन हड़पने का मामला

सूरजगढ़, (निसं)। अपने ही नाना की फर्जी वसियत बनाकर जमीन हड़पने के मामले में तीन साल से फरार 10 हजार रूपए के ईनामी आरोपी को पुलिस ने रविवार को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

चिड़ावा कस्बे के टिल्ली मंदिर के समीप रहने वाले 42 वर्षीय नवनीत गुप्ता पुत्र जवाहरलाल गुप्ता समेत उसके परिवारजनों के खिलाफ डालमिया की ढाणी निवासी भागाराम सैनी व उसके पुत्र पवन कुमार ने सूरजगढ़ थाने में कूटरचित तरीके से अपने स्वर्गवासी नाना के नाम की फर्जी वसियत बनाकर जमीन हड़पने का मामला दर्ज करवाया था। पुलिस ने

- तीन साल से फरार इनामी आरोपी को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया

इस मामले में जांच शुरू की। जिसके बाद पहले तो कई बार नवनीत गुप्ता को पूछताछ के लिए बुलाया गया और जिस वसियत के आधार पर वह जमीन पर दावा कर रहा था। उसकी मूल प्रति लाने के लिए कहा गया। लेकिन बार-बार नोटिस दिए जाने के बाद भी नवनीत नहीं आया और फरार हो गया। पुलिस ने इसके बाद नवनीत पर 10 हजार रूपए का इनाम घोषित किया था। सूरत से नवनीत को एसएचओ हेमराज मीणा के नेतृत्व वाली टीम ने दस्तयाब किया। बताया जा रहा है कि इस मामले में कोर्ट ने नवनीत को दो दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा था। दो दिनों के पुलिस रिमांड पर नवनीत ने फर्जी वसियत उपलब्ध नहीं करवाई और कहा कि वह नष्ट हो गई।

इस मामले में नवनीत गुप्ता के पिता जवाहरलाल गुप्ता, भाई श्यामबिहारी गुप्ता, मां सुशीला देवी गुप्ता, मामा महेंद्र कुमार कसेरवाल, मौसी पुष्पा जालान झुंझुनूं, रंजना देवी सूरजगढ़, इंदूदेवी सिंगड़ोदिया, नानी अनुसूइया केसरवाल भी आरोपी है। इन नामों को लेकर भी नवनीत से पूछताछ की गई।

नाबालिग लड़की से दुष्कर्म

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिला मुख्यालय स्थित एक थाने में नाबालिग लड़की से सामूहिक दुष्कर्म का केस दर्ज हुआ है। तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज हुआ है। हालांकि अभी आरोपियों की उम्र की पुष्टि नहीं हो पाई है। पीड़िता जिले के ग्रामीण इलाके की रहने वाली है।

जानकारी के अनुसार दुष्कर्म की घटना अक्टूबर 2023 की बताई जा रही है। उस समय पीड़िता श्रीगंगानगर में हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रही थी। रिपोर्ट में बताया गया कि आरोपियों के पास पीड़िता के आपत्तिजनक फोटो-वीडियो हैं। इनके आधार पीड़िता को ब्लैकमेल भी किया गया। परिजनों को पूरे मामले की जानकारी इंस्टाग्राम पर वीडियो देखकर मिली। वीडियो देखने के बाद परिजनों ने पीड़िता से बात की तो उसने पूरी घटना की जानकारी दी। बताया गया है कि पीड़िता की एक सहेली के जन्मदिन पर कैफे में दुष्कर्म की घटना हुई। मामले की जांच डीवाईएसपी स्तर के अधिकारी कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार शिकायत के आधार पर पुलिस ने कैफे पर पहुंचकर रिपोर्ट तैयार की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार अभी पीड़िता का मेडिकल मुआयना करवाया जाना है। इसके अलावा आरोपियों की उम्र की भी पुष्टि की जा रही है।

शिक्षा विभाग में विभिन्न संवर्गों की नियमित एवं रिव्यू डीपीसी आयोजित

बीकानेर, (निसं)। माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा सोमवार को अजमेर में विभिन्न पदों की विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान नियमित डीपीसी के तहत प्राचार्य पद की डीपीसी वर्ष 2024-25 में 2876 कार्मिकों, प्राध्यापक (वाणिज्य) डीपीसी (वर्ष 21-22 से 24-25) में 447 कार्मिकों प्राध्यापक-शाशि पद की डीपीसी (वर्ष 23-24 से 24-25) में 49 कार्मिकों, प्राध्यापक (गृहविज्ञान/ चित्रकला / कृषि) पद की डीपीसी (वर्ष 21-22 से 24-25) में 13 कार्मिकों एवं उपजिशिअ (शाशि) पद की डीपीसी वर्ष 2024-25 में 8 कार्मिकों, पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-1 पद हेतु 19 कार्मिकों एवं राज्य पुस्तकालयाध्यक्ष पद हेतु 1 कार्मिक का पदोन्नति हेतु चयन किया गया।

विभिन्न संवर्गों के भिन्न-भिन्न वर्षों की रिव्यू डीपीसी यथा व्याख्याता से प्रधानाचार्य 70 पद, उप-प्राचार्य से प्राचार्य 1 हजार 278 पद, व्याख्याता से उप-प्राचार्य 25 पद, प्राध्यापक-शाशि 4 पद एवं विभिन्न वर्षों की प्राध्यापक-प्रधानाध्यापक रिव्यू डीपीसी में 17 पदों पर कार्मिकों का पदोन्नति हेतु चयन किया गया है। उक्त नियमित एवं रिव्यु डीपीसी के आयोजन से विभाग द्वारा प्राचार्य-4 हजार 224, उप-प्राचार्य-25, प्रधानाध्यापक-4, उप जिशिअ शाशि-8, राज्य पुस्तकालयाध्यक्ष-1, प्राध्यापक विभिन्न विषय-526, पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-1 के 19 पदों पर कार्मिकों का पदोन्नति हेतु चयन किया गया। इसी के साथ सोमवार को ही समस्त 9 मंडलों के वरिष्ठ शा. शि. पद हेतु आयोजित नियमित डीपीसी वर्ष 2023-24 व 2024-25 हेतु 866 एवं पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-2 पद हेतु 286 कार्मिकों का पदोन्नति हेतु चयन किया गया।

समग्र रूप से राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर के सदस्य प्रो. अय्यूब खान की अध्यक्षता, निदेशक माध्यमिक शिक्षा आशिष मोदी, शासन कार्मिक विभाग से मनोनीत सदस्यों एवं संयुक्त निदेशक विभिन्न मण्डलों द्वारा सम्पन्न डीपीसी द्वारा विभाग में प्राचार्य, उप प्राचार्य, प्राध्यापक (विभिन्न विषय), उप जिशिअ (शाशि), प्राध्यापक (शाशि), वशाशि अध्यापक, राज्य पुस्तकालयाध्यक्ष एवं पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-1 सहित कुल 5959 कार्मिक पदोन्नति से लाभान्वित हुए हैं। यह पदोन्नतियां राज्य की शिक्षा व्यवस्था में रिक्त पदों को भरने एवं गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा व्यवस्था की सुनिश्चितता के लिए राज्य सरकार की प्राथमिकता की दिशा में महत्वपूर्ण एवं सकारात्मक कदम है। यह उपलब्धि राज्य सरकार की शिक्षण नेतृत्व में समावेशिता और समान प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने डीपीसी में नवपदोन्नत कार्मिकों को बधाई दी है और उनसे राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने में योगदान हेतु विशिष्ट प्रयास किये जाने की अपेक्षा प्रकट की है।

बीसलपुर बांध की बनास नदी से अवैध रूप से बजरी निकालने का सिलसिला जारी

देवली, (निसं)। पिछले कई समय से बीसलपुर बांध में से गाद निकालने की आड़ में अवैध रूप से बजरी निकालने का सिलसिला बदस्तूर जारी रहते हुए कार्य से संबंधित सरकारी अधिकारियों को यह साफ तौर पर दिखाई पड़ रहा है लेकिन इसके विरुद्ध खनिज विभाग कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है।

गाद निकालने वाली कंपनी के आदमी गाद निकालने की आड़ में बांध के तल से भारी मात्रा में अवैध तौर पर बजरी निकाल रहे हैं। बांध के पानी से अवैध तौर पर बजरी निकालने जैसे इस कार्य के विरुद्ध जिम्मेदारों द्वारा नाम मात्र की कार्रवाई भी नहीं की जा रही है। इस मामले की जानकारी समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों के जरिए समय-समय पर सरकार और खनिज विभाग के जिम्मेदारों को प्राप्त होती चली आ रही है, लेकिन फिर भी अवैध तौर पर पानी से बजरी निकालने के कार्य पर अंकुश नहीं लग रहा है। इसी के साथ यहां बनास नदी किनारे कि खाली भूमि पर हजारों टन, बजरी के स्टॉक पहाड़ों के रूप में बने हुए बड़े-बड़े वाहनों में अवैध बजरी भर रहे है।

बीसलपुर बांध के पानी में बड़े-बड़े वाटर पंप लगाकर अवैध रूप से बजरी निकालने का कार्य युद्ध स्तर पर हो रहा है।

- ग्रामीणों का आरोप है कि गाद निकालने की आड़ में अवैध रूप से बजरी निकालने की जानकारी होने पर भी संबंधित अधिकारी कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं

इस मामले पर उक्त क्षेत्र के ग्रामीणों का आरोप है कि कार्य से संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों कि मिलीभगत से खुलेआम बड़ी भारी मशीनों के इस्तेमाल से, बीसलपुर बांध के जल भराव क्षेत्र से अवैध तौर पर बजरी निकालने का सिलसिला बदस्तूर जारी है।

उल्लेखनीय है कि इन दिनों देवली उपखंड क्षेत्र के बीसलपुर बांध के जल भराव क्षेत्र से गाद निकाले जाने का कार्य, बड़ी-बड़ी मोटर बोट मशीनों के जरिए युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। इसी के बीच सोमवार को फिर से मामला यह सामने आया कि बीसलपुर बांध के गोल पहाड़ी और गागुतला जल भराव क्षेत्र से गाद निकालने की आड़ में पानी से वाटर पंप के जरिए अवैध तौर पर हजारों टन बजरी प्रतिदिन निकाली जा रही है, तो वहीं यहां से बजरी निकालकर कासीर गांव के खेतों में अवैध स्टॉक किया जा रहा है। अवैध बजरी का स्टॉक करने के लिए वाटर पंप के जरिए बड़ी-बड़ी मोटर बोट में बजरी भरकर नदी किनारे स्थल पर पहुंचा रहे है। ऐसे मे उक्त स्थान पर बड़े पैमाने में स्टॉक किए जा रहे हैं हैं। यह जानकारी उक्त क्षेत्र के ग्रामीणों से एक के बाद एक लगातार मिली है। ऐसे हालातों पर क्षेत्रवासियों का मानना है कि उक्त हालातों की जानकारी संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को बखूबी प्राप्त है। इतना ही नहीं प्रतिदिन यहां अवैध तोर से निकाली जा रही बनास बजरी को दर्जनों डंपरों में भरकर अन्य स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार बीसलपुर बांध के भराव क्षेत्र एवं केंचमेंट एरिया तक बनास नदी के तल से गाद (कीचड़) को बाहर निकालने का कार्य एनजी गदिया नामक कम्पनी कर रही हैं। ग्रामीण क्षेत्र वासियों का आरोप यह भी है कि कंपनी के कर्मचारी पानी से गाद निकालने के साथ-साथ भारी मात्रा में बजरी भी निकाल रहे हैं। जानकारी के अनुसार कासीर गांव का क्षेत्र देवली पुलिस थाना के अधिकार में आता है।

बिहारीजी मंदिर का पूर्व पुजारी और भाई गिरफ्तार

भरतपुर, (निसं)। मथुरा गेट थाना पुलिस ने बिहारीजी मंदिर के पूर्व पुजारी और उसके भाई को गिरफ्तार किया है। 23 मई को बिहारीजी मंदिर परिसर का वीडियो सामने आया था, जिसमें मंदिर कुछ लोग फूहड़ गानों पर अश्लील तरीके से डांस कर रहे थे। पुजारी का छोटे भाई भी वीडियो में डांस करते दिखाई दे रहा था। वहीं पास में पुजारी भी खड़ा हुआ था।

एसपी मृदुल कच्छावा ने बताया कि 23 मई को एक वीडियो सामने आया था। जिसमें कुछ लोग मंदिर परिसर में फूहड़ गानों पर अश्लील तरीके से डांस कर रहे थे। वीडियो सामने आने के बाद देवस्थान विभाग ने इस मामले में एफआईआर दर्ज करवाई थी। वीडियो की जांच करने पर मंदिर के पुजारी मनोज भारद्वाज और उसके भाई कृष्ण माधव की पहचान कर ली थी। जिसके बाद आज दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि बिहारीजी मंदिर के पूर्व पुजारी मनोज भारद्वाज के भाई ने मंदिर के नाम से एक समिति बनाई हुई है। उसकी भी जांच की जाएगी। साथ ही यह पता किया जाएगा कि, वह कब रजिस्टर्ड की गई थी, किसने दान किया और वह दान कहां गया। फिलहाल पूर्व पुजारी और उसके भाई का मेडिकल करवाया गया है।

- 23 मई को मंदिर परिसर का वीडियो सामने आया था, जिसमें कुछ लोग फूहड़ गानों पर अश्लील तरीके से डांस कर रहे थे, पुजारी का छोटा भाई भी डांस करते दिखाई दे रहा था, पास में पुजारी भी खड़ा हुआ था

ग्रामीणों ने तांत्रिक को रस्सियों और चेन से बांधा

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले से एक वीडियो सामने आया है, जिसमें ग्रामीणों ने एक तांत्रिक को रस्सियों और चेन से बांध दिया। मामला मांडल थाना क्षेत्र के मालाखेड़ा गांव का है। जानकारी के मुताबिक, तांत्रिक दिलखुश सुथार जो लाडपुरा मांडलगढ़ क्षेत्र का रहने वाला है, खुद को बगड़ावत बोलने वाला बताता है। उसने बद्रीलाल माली के घर सुख-शांति लाने के बहाने पूजा-पाठ कराया और इसी दौरान सोने की ज्वेलरी गायब कर दी। ग्रामीणों को जब तांत्रिक पर शक हुआ, तो उन्होंने योजना बनाकर उसे पकड़ा। पूछताछ में तांत्रिक ने ज्वेलरी चोरी करने और अपने साथी को बेचने के लिए देने की बात कबूली। हैरानी की बात ये रही कि इस पूरे मामले की जानकारी पीड़ित परिवार ने पहले ही मीडियाकर्मी को दे दी थी, लेकिन पुलिस ने मामला दर्ज करने के बजाय इसे आपसी समझौते से निपटा दिया। अब सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो रहा है।

वृद्ध महिला से दस लाख के जेवर ठगने वाला भोपा गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती बनाड़ स्थित जाजीवाल गहलोता गांव में एक महिला को भोपे ने इलाज के नाम पर ठगी करते हुए जेवर नगदी हड़प लिए थे। महिला को अपने दिव्यांग पुत्रवधु और पोता होने की आस में भोपे का सहारा लिया था। छह माह में भोपे ने दस लाख से ज्यादा के जेवरात और रूपए ऐंठ लिए थे। मामला हाल ही में दर्ज हुआ था। पुलिस ने अब कार्रवाई की और आरोपी भोपे को गिरफ्तार किए जाने के साथ सोने के आभूषणों को बरामद कर लिया। रूपयों की बरामदगी नहीं हो पाई।

थानाधिकारी गंगाराम ने बताया कि जाजीवाल गहलोता की रहने वाली

- पोता होने और दिव्यांग पुत्रवधु के इलाज के नाम पर गहने और रूपए ठगे थे

मंजूदेवी पत्नी ओमप्रकाश दर्जी के साथ यह ठगी हुई थी। उसके अनुसार उसकी पुत्रवधु दिव्यांग है और उसके कोई संतान नहीं है। संतान की चाह और पुत्रवधु के लिए इलाज के लिए वह एक भोपे करवड़ के पप्पूराम राव के संपर्क में आई अपनी पीड़ा को बताया। तब भोपे ने इलाज के नाम पर उसके घर आना जाना शुरू कर दिया फिर नगदी और जेवरात ऐंठने लग गया। काफी समय बाद भी पुत्रवधु के कोई फर्क नहीं पड़ा और उसके संतान पोता की चाह भी पूरी नहीं हो पाई थी। छह माह के दरमियान भोपे पप्पूराम राव ने उससे 10-15 तोला सोने की जेवरात और नगदी हड़प कर ली। वापिस मांगने पर आनाकानी करने लगा। आभूषण नहीं लौटाने पर पीड़िता मंजूदेवी ने केस दर्ज करवाया।

थानाधिकारी गंगाराम ने बताया कि प्रकरण में जांच के बाद आरोपी करवड़ के नगरिया निवासी पप्पूराम राव पुत्र हरचंद राव को गिरफ्तार कर लिया गया। उससे काफी मात्रा में आभूषण जब्त किए गए है।

बीएसएफ ने ऑपरेशन सिंदूर में पाक के नापाक इरादों को शिकस्त दी : आईजी गर्ग

जोधपुर, (कासं)। पहलगाम आतंकी घटना के बाद ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने पाकिस्तान के मंसूबों को नाकाम किया। सीमा पार से वेस्टर्न बॉर्डर की तरफ के बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर, श्रीगंगानगर इत्यादि सीमावर्ती जिलों में 413 ड्रोन दागी गई थी। उन सभी को भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने हवा में ही मार गिराया था। यह जानकारी राजस्थान फ्रंटियर, सीमा सुरक्षा बल के महानिरीक्षक एमएल गर्ग ने प्रेसवार्ता में दी।

उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में सीमा सुरक्षा बल की परिचालन क्षमता, खुफिया समन्वय और बल के जवानों के अदम्य साहस आदि के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बीएसएफ ने आपरेशन सिन्दूर मे थल सेना और वायु सेना के साथ समन्वय कर अपना जलवा दिखाया और पाक के नापाक इरादों को शिकस्त दी। उन्होंने 23 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में हुए नृशंस आतंकवाद को पड़ोसी देश द्वारा की गई एक कायराना हरकत बताया तथा कहा कि इसी के जवाब में भारत सरकार द्वारा 7-8 मई, 2025 की मध्यरात्रि को ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया गया, जिसमें सीमा सुरक्षा बल ने भी अपना बखूबी योगदान निभाया। पहलगाम नरसंहार के पश्चात महानिदेशक सीमा सुरक्षा ने पश्चिमी सीमा पर संभावित खतरे का सटीक आंकलन कर बीएसएफ को पूरी तरह से तैयार रहने के लिए निर्देशित किया। महानिदेशक सीसुब ने महानिरीक्षक (ऑपरेशन) के साथ बीकानेर सेक्टर का दौरा किया व सीमा पर जवानों के बीच जाकर हालात की जानकारी ली। सभी सेक्टरों एवं वाहिनीयों को अंतर्राष्ट्रीय सीमा एवं सीमावर्ती क्षेत्रों में उच्चतम स्तर की तैयारी, प्रतिक्रिया के लिए बल की ऑपरेशनल ड्युटियों के लिए सतर्कता तथा मुस्तैदी का जायजा लिया। साथ ही सीमा सुरक्षा बल के खुफिया तंत्र को और मजबूत कर भारतीय सेना एवं एयर फोर्स के साथ समन्वय स्थापित कर ऑपरेशनल सूचनाओं के आदान-प्रदान करने के लिए निर्देशित किया गया।

- राज. फ्रंटियर, सीमा सुरक्षा बल के महानिरीक्षक एमएल गर्ग ने प्रेसवार्ता कर ऑपरेशन सिंदूर में सी.सु. बल की परिचालन क्षमता, खुफिया समन्वय और बल के जवानों के साहस आदि के बारे में जानकारी दी

आईजी गर्ग ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की ओर से राजस्थान के सीमावर्ती जिलों जैसलमेर, बीकानेर और श्रीगंगानगर में लगातार ड्रोन गतिविधियां की गई। हमारी एयरस्पेस की सुरक्षा को चुनौती देने के प्रयासों को राजस्थान फ्रंटियर, सीमा सुरक्षा बल ने भारतीय सेना व एयर फोर्स के साथ मिलकर तत्परता से विफल किया।

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने भारतीय सेना, वायु सेना व राजस्थान पुलिस के साथ अद्वितीय समन्वय और तालमेल बनाए रखा। राजस्थान फ्रंटियर के संपूर्ण संचालन क्षेत्र श्रीगंगानगर से लेकर जैसलमेर तक बीएसएफ ने देश की सेनाओं के साथ आवश्यक और रणनीतिक सूचनाओं का त्वरित एवं निर्बाध आदान-प्रदान सुनिश्चित किया। इसी दौरान सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के वरिष्ठ अधिकारियों को सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात किया गया ताकि सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जा सके। इसके अलावा सीमा के लोगों में सुरक्षा की भावना पैदा करना व उन्हें हर परिस्थिति के लिए तैयार रखा गया।

आईजी गर्ग ने बताया कि इस ऑपरेशन के दौरान हमारी महिला प्रहरियों ने 7 दिन सीमा पर 24 घटे तैनात रहकर बेहतरीन कार्य किया और सीमा पर पूरी मुस्तैदी से डटी रही। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) द्वारा सीमावर्ती क्षेत्रों में चलाए जा रहे रणनीतिक अभियानों को लेकर पाकिस्तानी मीडिया और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर झूठा और भ्रामक प्रचार फैलाया जा रहा था। इन झूठे प्रचारों का मुकाबला करने के लिए बीएसएफ ने सोशल मीडिया के माध्यम से सत्य और तथ्य आधारित जानकारी साझा करना शुरू किया। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर सफलता के बाद भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने हाल ही में जैसलमेर में अग्रिम सीमा चौकियों का दौरा किया।

अधिकारिक दौरे के दौरान जैसलमेर बॉर्डर पर उत्कृष्ट कार्य के लिए बीएसएफ के सहायक कमांडेंट पी.के. मिश्रा व अन्य जवानों को को कमेंडेशन डिस्क से सम्मानित किया गया। यह सम्मान बीएसएफ की उत्कृष्टता और समर्पण का प्रतीक है।

महानिरीक्षक गर्ग ने बताया कि बीएसएफ देश की प्रथम रक्षा पंक्ति है तथा हम हर चुनौती को दुश्मन की आंखों में झाकते हुए स्वीकार करते हैं और सीमाओं पर चौकस रहते हैं। यह हमारा पवित्र कर्तव्य है कि हम अपनी जान की परवाह किए बिना देश की सुरक्षा में अपना सर्वस्व न्योछावर कर दें। भारत की सरहद को कोई छू नहीं सकता क्योंकि इसकी निगहबान है हम सब की आंखें। सीमा पार से वेस्टर्न बॉर्डर की तरफ के बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर, श्रीगंगानगर इत्यादि सीमावर्ती जिलों में कुल 413 ड्रोन दागी गई थी। उन सभी को भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने हवा में ही मार गिराया था। उन्होंने बताया कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने भी 22 वें अलंकरण समारोह के दौरान सीमा सुरक्षा बल की अभूतपूर्व साहसिकता, समर्पण और पेशेवर प्रतिबद्धता की सराहना की।

बदमाशों ने घरों के बाहर खड़ी गाड़ियों के शीशे तोड़े

मुंह पर कपड़ा लपेटकर आये बदमाशों ने भरतपुर में वारदात की

भरतपुर, (निसं)। देर रात्रि को मथुरा गेट थाना क्षेत्र में बदमाशों ने घरों के बाहर खड़ी कई गाड़ियों के शीशे तोड़ दिए। सीसीटीवी फुटेज में दो मोटरसाइकिल पर सवार चार-पांच अज्ञात व्यक्ति मुंह पर कपड़ा लपेटकर पत्थर मारते हुए दिखाई दे रहे हैं। शहर में रात के समय होने वाली गुंडागर्दी और अन्य घटनाओं से आम जन में भय है।

जवाहर नगर में डी ब्लॉक निवासी विनोद कुमार शर्मा पुत्र मुरारीलाल शर्मा एवं सुमित शर्मा ने मथुरा गेट थाना में इस सम्बध में रिपोर्ट भी दर्ज कराई है, लेकिन पुलिस ने अभी कोई कार्यवाही नहीं की है। इसी सम्बंध में जवाहर नगर निवासी सुमनेश कुमार गुप्ता ने बताया कि उनकी दो गाड़ी घर के बाहर खड़ी रहती है। उनमें रात में एक गाड़ी में पत्थर मारकर शीशा तोड़ दिया गया तथा दूसरी गाड़ी में पत्थर मारा तो वह शीशे में नहीं लग कर गाड़ी की बॉडी में लगा, जिस से गाड़ी में नुकसान हो गया। सुमनेश कुमार गुप्ता ने कहा कि इस प्रकार की घटनाएं पूर्व में कभी नहीं हुई। इलाके में पुलिस गश्त का कोई प्रबंध नहीं है तथा रोड लाइटें भी ज्यादातर बंद रहती है जिससे असामाजिक तत्व घटनाएं करते रहते हैं।

विश्व प्रिय शास्त्री पार्क में भी असामाजिक तत्वों का जमावड़ा बना रहता है तथा आए दिन मोटरसाइकिल स्कूटर चोरी की घटनाएं होती रहती है जिनका पुलिस कोई अता पता नहीं लगा पाती तथा महिलाओं के साथ में कई बार छेड़छाड़ की घटनाएं हो चुकी है। गुप्ता ने मांग की है कि जवाहर नगर इलाके में तथा शहर के अन्य सभी इलाकों में भी रात्रि कालीन गश्त की पुख्ता व्यवस्था की जाए जिससे इस प्रकार की घटनाओं पर लगाम लगाई जा सके। तथा गत रात्रि में हुई शीशे तोड़ने की घटना को चौराहों पर लगे सीसीटीवी में देखकर अपराधियों की पहचान कर उन्हें सख्त सजा करवाई जाने की मांग की है।

शुभमन गिल के अलावा टीम इंडिया के पास कैप्टन के लिए कोई और ऑप्शन नहीं था। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड की कठिन परिस्थितियों में भारत की कप्तानी करना शुभमन गिल जैसे युवा खिलाड़ी के लिए एक चुनौती होगी। – चेतेश्वर पुजारा

भारतीय बल्लेबाज, शुभमन गिल के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

प्रियांक पंचाल

गुजरात क्रिकेट टीम के दाएं हाथ के बल्लेबाज प्रियांक पंचाल ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया है। गुजरात क्रिकेट संघ (जीसीए) ने सोमवार प्रियांक पंचाल के क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने की जानकारी दी। प्रियांक पंचाल सलामी बल्लेबाज के रूप में 17 वर्ष से अधिक समय तक गुजरात की घरेलु टीम का हिस्सा रहे। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनका शानदार प्रदर्शन रहा और उन्होंने भारत ए टीम के लिए कप्तानी की। उन्होंने गुजरात ओर से 99 रणजी ट्रॉफी मैचों सहित 127 प्रथम श्रेणी मैच खेले। जिसमें उन्होंने 29 शतक और 34 अद्धर्शतक के साथ 45.18 की औसत से 8856 रन बनाए।

क्या आप जानते हैं ?... क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी पुरुषों के फुटबॉल में शीर्ष दो सक्रिय अंतरराष्ट्रीय गोल स्कोरर हैं।

पंजाब ने मुंबई को 7 विकेट से हराया, टॉप-2 में जगह पक्की

जयपुर, 26 मई। पंजाब किंग्स ने 2025 के 69वें मैच में मुंबई इंडियंस को 7 विकेट से हरा दिया है। इसी के साथ टीम ने मौजूदा सीजन में पॉइंट्स टेबल के टॉप-2 में जगह पक्की कर ली है। फिलहाल, टीम 19 अंक के साथ टेबल के टॉप पर है। पंजाब अब 29 मई को क्वालिफायर-1 खेलेगी। दूसरी ओर, इस हार के बाद मुंबई को 30 मई को एलिमिनेटर खेलना पड़ेगा।

जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में पंजाब ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। मुंबई ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 184 रन बनाए। पंजाब ने 185 रन का टारगेट 18.3 ओवर में तीन विकेट पर हासिल कर लिया है। कप्तान श्रेयस अय्यर ने ट्रेंट बोल्ट की गेंद पर छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। वे 16 बॉल पर 26 रन बनाकर नाबाद लौटे। जोश इंग्लिस (73 रन) और प्रियांश आर्या (62 रन) ने फिफ्टी जमाई। दोनों ने शतकीय साझेदारी की। मिचेल सैंटनर ने दो विकेट झटके। एक विकेट जसप्रीत बुमराह को मिला।

मुंबई की ओर से सूर्यकुमार यादव ने 39 बॉल पर 57 रनों की पारी खेली। उन्होंने 6 चौके और 2 छक्के लगाए। शेष बल्लेबाज 30 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सके। पंजाब के अर्शदीप सिंह, मार्को यानसन और विजयकुमार वैशाख को 2-2 विकेट मिले।

18वें ओवर में पंजाब ने तीसरा विकेट गंवाया। यहां जोश इंग्लिस 73 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें मिचेल सैंटनर ने किया। अपील को फील्ड अंपायर के नकारने के बाद मुंबई के कप्तान हार्दिक पंड्या ने लिया। रिप्ले देखने के बाद थर्ड अंपायर ने इंग्लिस को आउट करार दिया।

16वें ओवर में पंजाब ने 150 रन का आंकड़ा पार कर लिया है। जोश इंग्लिस ने विल जैक्स के ओवर की दूसरी बॉल पर दो रन लेकर टीम को 150 रन तक पहुंचाया।

15वें ओवर में पंजाब किंग्स ने दूसरा विकेट गंवा दिया। ओवर की पहली बॉल मिचेल सैंटनर ने ऑफ स्टंप के बाहर फेंकी। प्रियांश आर्या बड़ा शॉट खेलने गए, लेकिन लॉन्ग ऑफ पर कैच हो गए। उन्होंने 62 रन बनाए। पंजाब से नंबर-3 पर बैटिंग करने उतरे जोश इंग्लिस ने 29 गेंद पर फिफ्टी लगा दी। उन्होंने 12वें ओवर में हार्दिक पंड्या के खिलाफ सिंगल लिया और अपनी हाफ सेंचुरी पूरी कर ली। इसी ओवर की आखिरी गेंद पर प्रियांश आर्या ने छक्का लगाया और 27 गेंद पर अपनी फिफ्टी पूरी कर ली।

74वीं राजस्थान सीनियर तैराकी प्रतियोगिता में जयपुर का दबदबा रहा

जयपुर, 26 मई। 74वीं राजस्थान सीनियर तैराकी प्रतियोगिता के दूसरे दिन तैराकों को लालचंद कटारिया, पूर्व मंत्री भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार, ओम पूनियां प्रेसिडेंट जयपुर सागर एवं हेमंत शर्मा पुलिस महानिरीक्षक, श्री ने क्वेश्चन को मेडल प्रदान किए। अनिल व्यास, अध्यक्ष राजस्थान तैराकी संघ ने प्रेमियों का स्वागत किया। आज के पुरुषों के अलग अलग कैटेगरी में फर्स्ट, सेकंड ओर थर्ड स्थान के परिणाम इस प्रकार रहे:- 1500 एम. फ्री स्टाइल में अनस, नवीन भादू, प्रखर शर्मा। 200 एम. बैक स्ट्रोक में साहिल गुप्ता, गौरांग मोदी, सौरव पोसवाल। 50 एम. बटर फ्लाई में कनिष्क नगर, कृष्णादित्य सिंह, यश तिवारी। 4 100 एम. फ्री स्टाइल रिले में यश तिवारी, साहिल गुप्ता, कृष्णादित्य, शौर्यवीर, मोहम्मद अनस, लोकेंद्र, पूर्वाक्ष, दक्ष, वधन, आर्यवर्धन, प्रिंसेस, हिमांशु। वूमेंस के अलग अलग कैटेगरी में परिणाम इस प्रकार रहे:- 1500 एम. फ्री स्टाइल में एनिका अग्रवाल, मिष्टी शर्मा, मनसाची कौर। 200 एम. बैक स्ट्रोक में दक्षिणा जोशी, निधि दहिया, नारीक्ति व्यास। 50 एम बटर फ्लाई में दक्षिणा जोशी, समृद्धि टॉक, विधि सनाढ्य। 200 एम. फ्री स्टाइल में योग्या सिंह, हरिका अलग, मिष्टी शर्मा। 100 एम. ब्रेस्ट स्ट्रोक में रतिका खाता, विधि सनाढ्य, आध्या ब्रिजेश।

भवानी निकेतन पब्लिक स्कूल ने डायमंड क्रिकेट क्लब को हराया

जयपुर, 26 मई । जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग के नॉक आउट मुकाबले में आज के एल सैनी स्टेडियम पर चौथे क्वार्टर फाइनल मैच में श्री भवानी निकेतन पब्लिक स्कूल ने डायमंड क्रिकेट क्लब को 101 रनों से हराया। भवानी निकेतन पब्लिक स्कूल ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मयंक सारस्वत के 83 रन, गौरव सैनी के 72 रन, मयंक कुमावत के 32 रन व राहुल शर्मा के 63 रनों से 48.5 ओवर में 301 रन बनाए। डायमंड क्रिकेट क्लब के लिए अविनाश यादव ने 64 पर 4, वेदांक शर्मा ने 65 पर 3, संजय महावार ने 54 पर 2 विकेट लिए। जवाबी पारी में डायमंड क्रिकेट क्लब ने कुमार वासुदेव के 72 रन, आदित्य शर्मा के 43 रन, रुद्र सोनी के 14 रन, संजय महावार के नाबाद 21 रन व अविनाश यादव के 15 रनों से 41 ओवर में 200 रन बनाकर आउट हो गई। श्री भवानी निकेतन पब्लिक स्कूल के लिए गौरव सैनी ने 25 पर 3, युवराज मुन्दोटिया ने 27 पर 2 व सौरभ शर्मा ने 31 पर 2 विकेट लिए। पहला सेमी फाइनल मैच पी टी क्रिकेट क्लब (इंडिया पोस्ट)व अरावली क्रिकेट क्लब के मध्य खेला जाएगा।

इंडिया-इंग्लैंड सीरीज के डिजिटल राइट्स जियो हॉटस्टार ने खरीदे, टीवी राइट्स सोनी के पास

नई दिल्ली, 26 मई। भारत और इंग्लैंड के बीच अगले महीने होने वाली टेस्ट सीरीज के डिजिटल ब्रॉडकास्टिंग राइट्स जियोहॉटस्टार ने खरीद लिए हैं। टेलीविजन राइट्स अब भी सोनी टीवी के पास ही हैं। क्रिकबज की रिपोर्ट अनुसार, जियो और स्टार ने 1 महीने के अंदर सोनी के साथ यह डील साइन की।

भारत और इंग्लैंड के बीच 5 टेस्ट की सीरीज 20 जून से शुरू होगी। मैचों का प्रसारण टीवी पर सोनी और ऑनलाइन जियोहॉटस्टार पर किया जाएगा। जियोहॉटस्टार पर ही इन दिनों की ब्रॉडकास्टिंग भी हो रही है। व्हाइट बॉल सीरीज भी जियोहॉटस्टार पर देख सकेंगे सोनी और जियो स्टार के बीच हुआ टेम्परारी एग्रीमेंट अगले साल भी जारी रहेगा। भारत को 2026 में इंग्लैंड दौरे पर 3 वनडे और 5 टी-20 की सीरीज भी खेलनी है। इसके मैच भी के माध्यम से जियोहॉटस्टार पर दिखाए जाएंगे।

सोनी ने 8 साल के लिए के राइट्स खरीदे सोनी टीवी ने पिछले साल ही इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड के ब्रॉडकास्टिंग राइट्स खरीदे थे। राइट्स 2031 तक के लिए खरीदे गए। इसके तहत इंग्लैंड में होने वाले सभी क्रिकेट मैच को भारतीय दर्शक सोनी पर ही देख सकेंगे। जियो, स्टार और सोनी के बीच नई डील में का भी बड़ा योगदान रहा।

1 अगस्त तक चलेगी सीरीज भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का पहला मैच 20 जून से लीड्स में खेला जाएगा। 2 जुलाई से बर्मिंघम में दूसरा टेस्ट, 10 जुलाई से लॉर्ड्स में तीसरा टेस्ट, 23 जुलाई से मैनचेस्टर में चौथा टेस्ट और 31 जुलाई से 4 अगस्त तक लंदन के द ओवल मैदान पर पांचवां और आखिरी टेस्ट होगा।

बृजभूषण के खिलाफ यौन शोषण केस खत्म

गोंडा, 26 मई। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने बृजभूषण शरण सिंह को नाबालिग पहलवान से यौन शोषण मामले में बरी कर, केस क्लोज कर दिया। पिछली सुनवाई में नाबालिग अपने बयान से पलट गई थी। जिसके बाद कोर्ट ने ये निर्णय लिया। यौन शोषण का मामला क्लोज होने के बाद गोंडा में जश्न का माहौल है। नाबालिग ने 1 अगस्त, 2023 को बंद कमरे में हुई सुनवाई के दौरान कहा था कि उसने किसी राजनीतिक या भावनात्मक दबाव में आकर ये आरोप लगाए थे। ऐसी कोई घटना नहीं घटी थी। जिसमें वह खुद को पीड़िता मानती हो। इस बयान के बाद कोर्ट ने इसे गंभीर परिवर्तनीय साक्ष्य माना था। बृजभूषण बोले- मामले में सच्चाई नहीं कोर्ट के निर्णय पर दैनिक भास्कर ने पूर्व सांसद बृजभूषण से फोन पर बातचीत की। उन्होंने कहा- यह बजरंगबली और प्रभु श्रीराम का आशीर्वाद है कि मुझे इस मामले में पहली बड़ी जीत मिली है। कथित पहलवानों के भड़कने से नाबालिग पहलवान ने मेरे ऊपर आरोप लगाया था। लेकिन जब उसको सच्चाई पता चली, तो उसने सही बयान दिया था। जिसके आधार पर कोर्ट ने उस मुकदमे को खत्म कर दिया है। कल मैं सबसे पहले अयोध्या पहुंच कर बजरंगबली का आशीर्वाद लूंगा। उसके बाद अपने नंदिनी नगर माता मंदिर पहुचूंगा, जहां आशीर्वाद लेकर अपने घर जाऊंगा। जल्द ही जो अन्य महिला पहलवानों के मामले चल रहे हैं, उसको लेकर हम हाईकोर्ट गए हुए हैं, वह मुकदमा भी जल्द खत्म होगा। उनमें कोई सच्चाई नहीं है।

आरसीबी, लखनऊ के खिलाफ जीत के साथ शीर्ष-2 में जगह बनाने उतरेगी

लखनऊ, 26 मई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु मंगलवार को भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी एकाना स्टेडियम में खेले जाने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के अंतिम लीग मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स पर जीत हासिल करने के लिए शीर्ष दो में जगह बनाने मैदान में उतरेगी। वहीं लखनऊ सम्मानजक विदाई के लिए पुरजोर कोशिश करेगी। रजत पाटीदार की अगुआई वाली आरसीबी ने सीजन के आखिरी चरण में अपने पिछले पांच मैचों में से चार में जीत दर्ज करके शीर्ष पर है, जबकि लखनऊ प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है। आरसीबी यहां जीत हासिल कर वह दूसरे स्थान पर पहुंच सकती है और प्लेऑफ में उसे अतिरिक्त जीवनदान मिल सकता है। एलएसजी टूर्नामेंट में सम्मान के साथ विदाई के लिए अच्छा प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल करनी होगी।

ताइक्वांडो चैम्पियनशिप में कालानी ने गोल्ड मैडल जीता

मदनगंज-किशनगढ़, 26 मई। बिटल स्कूल जयपुर में आयोजित नेशनल ताईक्वानडो चैंपियनशिप में किशनगढ़ के खिलाड़ियो ने जीत का परचम फहराया। प्रतियोगिता में सीए साकेत कालानी की होनहार बिटिया शिवी कालानी ने बेहतरीन प्रदर्शन कर किशनगढ़ सहित अजमेर जिले का नाम रोशन किया। शिवी द्वारा लीग मैच में झांसी की ध्रुवी राठौड़ को एवं फाइनल मैच में ग्वालियर की आर्ची जैन को हराकर गोल्ड मेडल जीता। शिवी ने अपनी ऐतिहासिक जीत का श्रेय कोच कृष्णकांत शर्मा सहित माता-पिता व चाचा-चाची को दिया है। अकैडमी डायरेक्टर कृष्णकांत शर्मा ने बताया कि शिवी आने वाले समय में किशनगढ़ का नाम नेशनल व इंटरनेशनल लेवल पर भी रोशन करेगी।

रेबेका श्रामकोवा को हराकर इगा स्वियाटेक फ्रेंच ओपन के अगले दौर में

पेरिस, 26 मई। पोलैंड की स्टार टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियाटेक ने सोमवार को स्लोवाकिया की रेबेका श्रामकोवा को हराकर फ्रेंच ओपन के अगले दौर में जगह बना ली हैं। आज यहां कोर्ट फिलिप-चैटियर पर खेले गये मुकाबले में पोलैंड की स्वियाटेक ने आत्मविश्वास के साथ शानदार प्रदर्शन करते हुए स्लोवाकिया की रेबेका ख्रामकोवा को सीधे सेटों में 6-3, 6-3 से हराकर फ्रेंच ओपन दूसरे दौर में प्रवेश किया। शीर्ष वरीयता प्राप्त पोलिश खिलाड़ी स्वियाटेक ने पहले सेट में जल्दी ही ब्रेक लिया। मैच के दौरान उन्होंने सटीक ग्राउंडस्ट्रोक और मजबूत सर्विस के साथ गेम में अपना दबदबा बनाए रखा। हालांकि इस दौरान श्रामकोवा ने आक्रामक प्रदर्शन किया लेकिन वह मिले अवसरों को भुनाने में विफल रही। दूसरे सेट में भी यही कहानी रही, स्विएटेक ने दो बार और ब्रेक लिया। उन्होंने एक घंटे और 31 मिनट में तक चले मुकाबले में स्लोवाकिया खिलाड़ी पर जीत दर्ज की। स्विएटेक की फ्रेंच ओपन में यह लगातार 22वीं जीत है। फ्रेंच ओपन के दूसरे दौर में स्विएटेक का मुकाबला ब्रिटेन की एम्मा राडुकानू से होगा। जिन्होंने दिन की शुरुआत में तीन सेटों के संघर्षपूर्ण मुकाबले में चीन की वांग जिन्यू को हराया।

फ्रिट्ज हुये उलटफेर का शिकार, सितसिपास, बडोसा अगले दौर में

पेरिस, 26 मई। फ्रेंच ओपन 2025 के दूसरे दिन सोमवार को जर्मनी के डेनियल अल्टमायर ने उलटफेर करते हुए चौथी वरीयता प्राप्त अमेरिका के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज को हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। वही स्टेफानोस सितसिपास और पाउला बडोसा ने अगले दौर में जगह बना ली हैं।

आज यहां रोलांड गैरोस के क्ले कोर्ट पर खेले गये मुकाबले में जर्मनी के डेनियल अल्टमायर चौथी वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज को 7-5, 3-6, 6-3, 6-1 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। डेनियल अल्टमायर ने आक्रामक और रणनीतिक खेल का प्रदर्शन करते हुए फ्रिट्ज की लय को बाधित कर निर्णायक जीत दर्ज की। अब अल्टमायर का अगले दौर में चेक गणराज्य के विट कोप्रिवा से मुकाबला होगा।

एक अन्य मैच में पांचवीं वरीयता प्राप्त स्टेफानोस सितसिपास ने अर्जेंटीना के टॉमस मार्टिन एचेवेरी को 7-5, 6-3, 6-4 से हराकर क्ले-कोर्ट में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

वहीं महिलाओं के ड्रॉ में, पाउला बडोसा ने चुनौतीपूर्ण शुरुआत से उबरते हुए पूर्व विश्व नंबर वन नाओमी ओसाका को 6-7(1), 6-1, 6-4 से हराया। दिन के सबसे प्रभावशाली प्रदर्शनों में से एक गैर-वरीयता प्राप्त स्पेन की जेसिका बूजास मानेरो का था, जिन्होंने नौवीं वरीयता प्राप्त अमेरिका की एम्मा नवारो को एक घंटे से भी कम समय में 6-0, 6-1 से हराया।

एक अन्य मुकाबले में पोलैंड की स्टार टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियाटेक ने स्लोवाकिया की रेबेका श्रामकोवा को हराकर फ्रेंच ओपन के अगले दौर में जगह बना ली हैं। कोर्ट फिलिप-चैटियर पर खेले गये मुकाबले में पोलैंड की स्वियाटेक ने आत्मविश्वास के साथ शानदार प्रदर्शन करते हुए स्लोवाकिया की रेबेका ख्रामकोवा को सीधे सेटों में 6-3, 6-3 से हराकर फ्रेंच ओपन दूसरे दौर में प्रवेश किया।

शीर्ष वरीयता प्राप्त पोलिश खिलाड़ी स्वियाटेक ने पहले सेट में जल्दी ही ब्रेक लिया। मैच के दौरान उन्होंने सटीक ग्राउंडस्ट्रोक और मजबूत सर्विस के साथ गेम में अपना दबदबा बनाए रखा। हालांकि इस दौरान श्रामकोवा ने आक्रामक प्रदर्शन किया लेकिन वह मिले अवसरों को भुनाने में विफल रही। दूसरे सेट में भी यही कहानी रही, स्विएटेक ने दो बार और ब्रेक लिया। उन्होंने एक घंटे और 31 मिनट में तक चले मुकाबले में स्लोवाकिया खिलाड़ी पर जीत दर्ज की। स्विएटेक की फ्रेंच ओपन में यह लगातार 22वीं जीत है। फ्रेंच ओपन के दूसरे दौर में स्विएटेक का मुकाबला ब्रिटेन की एम्मा राडुकानू से होगा। जिन्होंने दिन की शुरुआत में तीन सेटों के संघर्षपूर्ण मुकाबले में चीन की वांग जिन्यू को हराया।

क्रिकेट प्रतियोगिता में रोमांचक मुकाबले

उदयपुर 26 मई। चैंबर ऑफ कॉमर्स उदयपुर डिवीजन द्वारा आयोजित रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता के तीसरे दिन रोमांचक मुकाबले हुए। तीसरे दिन आठ मुकाबले खेले गए, जिनमें व्यापारिक संगठनों की टीमें आपस में भिड़ी। प्रतियोगिता के संयोजक संजय भंडारी और कैलाश सोनी ने बताया कि ोमवार को आयोजन स्थल पर व्यापारिक वर्ग से जुड़े लोग मौजूद रहे। चेंबर ऑफ उदयपुर डिवीजन अध्यक्ष पारस सिंघवी ने बताया कि रविवार को हुए मुकाबलों के दौरान अतिथि के रूप में उदयपुर के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) राजेश मीणा, कांग्रेस नेता खूबी लाल मेनारिया, समाजसेवी राजकुमार फत्तावत, उद्योगपति धीरेंद्र सच्चान, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष तख्त सिंह शक्तावत, राजेश मूंदड़ा,पार्षद देवेंद्र साहू, रविंद्र सुराणा,अनिल गुप्ता, गुप्ता, एस के खेतान, चैंबर संरक्षक शब्बीर के. मुस्तफा आदि उपस्थित रहे। तीसरे दिन कुल आठ मुकाबले खेले गए, जिनमें भाग लेने वाली टीमों में मालदास स्ट्रीट व्यापार संघ, श्री बर्तन एसोसिएशन, व्यापार मंडल सेक्टर 5,6 (टाइगर), देवाली नीमच माता व्यापार मंडल, श्री उदयपुर किराना एंड ड्राई फ्रूट संगठन, यूनिवर्सिटी रोड व्यापार परिषद, शक्ति नगर व्यापार संघ, सर्राफा एसोसिएशन (हीरोज), उदयपुर डिस्ट्रिक्ट रिटेल केमिस्ट समिति, ऑयल एंड सीड्स मर्चेंट एसोसिएशन, टिंबर एंड प्लाईवुड मर्चेंट वेलफेयर सोसाइटी, खुदरा खाद्य पदार्थ व्यापार संघ, उदयपुर कंप्यूटर ट्रेडर्स एसोसिएशन बी टीम आदि प्रमुख रहीं।

पर्पल कैप की दौड़ में प्रसिद्ध को पछाड़ नूर हुये आगे

नई दिल्ली, 26 मई। चेन्नई सुपर किंग्स के नूर अहमद कल खेले गये अंतिम लीग मैच में 21 रन देकर तीन विकेट झटकर गुजरात टाइटंस के प्रसिद्ध कृष्णा को पछाड़ते हुए पर्पल कैप तालिका में शीर्ष पर पहुंच गए है। टूर्नामेंट में नूर के पास अब और मौका नहीं जबकि प्लेऑफ में पहुंची गुजरात टाइटंस के प्रसिद्ध के पास आगे मैचों में फिर से बेहतर प्रदर्शन कर आगे निकलने का अवसर है।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने राजस्थान हाउस पुनर्निर्माण का निरीक्षण किया

नई दिल्ली में पृथ्वीराज रोड़ स्थित भवन में ऊपर के स्ट्रक्चर का 70 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है

नई दिल्ली/जयपुर, 26 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को नई दिल्ली के पृथ्वीराज रोड स्थित राजस्थान हाउस के पुनर्निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। शर्मा ने कहा कि सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करते हुए समय सीमा में पुनर्निर्माण कार्य पूरा किया जाए।

निरीक्षण के दौरान, अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को जानकारी दी कि लोअर बेसमेंट में अंडर ग्राउंड वॉटर टैंक एवं सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के सिविल कार्य

- मुख्यमंत्री ने जनपथ लेन में देवस्थान विभाग द्वारा संचालित श्री बटुक भैरव मंदिर में दर्शन व पूजा की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नई दिल्ली स्थित राजस्थान हाउस के पुनर्निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया।

पूर्ण होने के साथ ही, हाउस के ऊपरी भाग के निर्माण का करीब 70 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है।

उल्लेखनीय है कि नई दिल्ली स्थित राजस्थान हाउस के पुनर्निर्माण में राजस्थान की कलात्मक स्थापत्य शैली का खूबसूरत तरीके से समन्वय किया जाएगा। भवन की बाहरी दीवार पर धौलपुर सैण्ड स्टोन का कार्य किया जाएगा। नए राजस्थान हाउस में दो बेसमेंट, भूतल और 6 फ्लोर का प्रावधान रखा गया है। भवन के बेसमेंट में पार्किंग तथा मुख्य भवन में लॉबी, कैफेटेरिया, वेटिंग एरिया, डाईनिंग एरिया, फव्वारा, हैंगिंग झूमर, एट्रियम आदि बनाए जाएंगे। वहीं, प्रथम तल पर कॉन्फ्रेंस हॉल, पुस्तकालय व जिम तथा छत पर टैरेस गार्डन, पार्टी हॉल, योग कक्ष आदि की सुविधाएं मिलेंगी।

इससे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जनपथ लेन स्थित देवस्थान विभाग द्वारा संचालित श्री बटुक भैरव मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने पूजा-अर्चना की।

पहलगाम हमले का हमारी सेना ने मुँहतोड़ जवाब दिया: पायलट

बाड़मेर की जयहिंद सभा में जिले से लेकर राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारी, नेता, कार्यकर्ता शामिल हुए

बाड़मेर, 26 मई (नि.सं.)। पश्चिमी राजस्थान के सरहदी जिले बाड़मेर में सोमवार को कांग्रेस ने बालाजी फार्म पर भारतीय सेना के शौर्य एवं पराक्रम के सम्मान में जय हिंद सभा का आयोजन किया। सभा में जिला स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक के संगठन - पदाधिकारी, नेता, विधायक, सांसद, कार्यकर्ता आदि मौजूद थे। इस दौरान वीरांगनाओं का सम्मान किया गया।

सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि पहलगाम हमला देश की अस्मिता पर आक्रमण था, भारत पर आक्रमण था, जिसका मुंहतोड़ जवाब हमारी सेना ने दिया। जब-जब देश को ललकारा गया, सेना ने दुश्मन के दांत खट्टे किए हैं। सचिन पायलट ने कहा कि देश में सामूहिक आस्था किसी एक चीज में है तो सेना में है। यह सभा सैनिकों को सलाम करने के लिए है। पायलट ने कहा कि हमने नहीं पूछा कि आतंकी कैसे पहलगाम में घुसे, कहां चूक हुई। हमने कोई सवाल नहीं पूछा और सब पूरी एकजुटता के साथ सरकार के साथ रहे। अचानक अमेरिकी राष्ट्रपति ने घोषणा की कि मैंने युद्ध विराम करा दिया। यह कैसे और किस शर्त पर हुआ, इसके बारे में सरकार को बताना चाहिए।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने बाड़मेर में भारतीय सेना के शौर्य एवं पराक्रम के सम्मान में आयोजित जय हिंद सभा को संबोधित किया।

पायलट ने कहा कि कर्नल सोफिया कुरैशी की तीसरी पीढ़ी फौज में है। मध्य प्रदेश के मंत्री ने क्या शब्द कहे उनके लिए, उनका इस्तीफा नहीं लिया गया। पायलट ने तंज कसते हुए कहा कि सरकार यहां के लोगों से क्यों दुश्मनी निकाल रही है। बिजली पानी के क्या हाल हैं, आप देख रहे हो। उन्हें पता था कि कांग्रेस के नेता आ रहे हैं तो बिजली गुल कर दी। यहां के लोगों से सरकार क्यों दुश्मनी निकाल रही है।

सचिन पायलट ने कहा, आज वो समय आ गया कि 200 देशों को पता चले कि पूरा देश एक है। काफी डेलिगेशन दुनिया के देशों में गए। अच्छा होता कि अधिवेशन बुलाया जाता और सब कहते कि हम एक हैं। सत्र बुलाया जाना चाहिए था और फिर डेलिगेशन भेजे जाते। पायलट ने कहा कि सरहद के लोगों ने निडर होकर छाती सामने की है। सेना के पीछे बाड़मेर-जैसलमेर के लोग चट्टान की तरह खड़े हैं। जो हमें तोड़ना चाहते हैं, हम उन्हें कभी कामयाब नहीं होने देंगे। पायलट ने कहा, हमें गर्व है कि हम बाड़मेर में खड़े हैं। यहां से पाकिस्तान दूर नहीं है। यहां सेना खड़ी है। जान की परवाह किए बिना सेना ने हमारे निर्दोष लोगों की हत्या का बदला लिया, मुंहतोड़ जवाब दिया। सेना के साथ उनके परिवारों को धन्यवाद, जिन्होंने अपनों को बॉर्डर पर भेजा है।

- पायलट ने कहा कि अच्छा होता, पहले संसद का अधिवेशन बुलाया जाता फिर डेलिगेशन भेजे जाते।
- जयहिंद सभा में रणदीप सुरजेवाला, सुखविंदर सिंह रंधावा, गोविन्द डोटासरा, टीकाराम जूली, हरीश चौधरी, अशोक गहलोत भी मौजूद थे।

सभा में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, सांसद रणदीप सुरजेवाला, राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, मध्य प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी सहित, कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय, प्रदेश व स्थानीय स्तर के पदाधिकारी, नेता व कार्यकर्ता मौजूद थे।

'सुख चैन से रोटी खाओ वरना मेरी गोली तो है ही.....'

भुज, 26 मई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार से दो दिवसीय गुजरात दौरे पर हैं। अपने इस दौरे के क्रम में उन्होंने कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। पीएम मोदी ने गुजरात के भुज में एक जनसभा को भी संबोधित किया और आतंकवाद को लेकर भारत की नीति को एक बार फिर स्पष्ट किया। उन्होंने पाकिस्तान को भी सख्त संदेश देते हुए कहा कि सुख चैन से जियो, रोटी खाओ, वरना मेरी गोली तो है ही।

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए आतंकवाद के खिलाफ ज़ीरो टॉलरैंस की नीति को फिर से स्पष्ट किया

पीएम ने अपने संबोधन में पाकिस्तान को घेरते हुए कहा कि भारत पर्यटन में विश्वास करता है, यह एक ऐसी शक्ति है, जो लोगों को एक साथ लाती है। लेकिन, पाकिस्तान जैसे देश हैं, जो आतंकवाद को अपने पर्यटन के रूप में देखते हैं, जो वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा है।

बिल्डर सत्यनारायण गुप्ता को हाईकोर्ट से बड़ी राहत

हाईकोर्ट ने अशोक नगर थाना पुलिस को आदेश दिए कि बिल्डर को ना तो गिरफ्तार किया जाए ना ही कोई दंडात्मक कार्यवाही की जाए

- यादवेन्द्र शर्मा -

जयपुर, 26 मई। राजस्थान हाई कोर्ट ने जयपुर के एक बिल्डर सत्यनारायण गुप्ता के खिलाफ दायर तीन एफ.आई.आर. में अंतरिम राहत देते हुए, अशोक नगर पुलिस थाने में एस.एच.ओ. और जांच अधिकारी को आदेश दिए हैं कि के याचिकाकर्ता, सत्यनारायण गुप्ता के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्यवाही न करे।

अदालत ने अपने आदेश में सरकार की ओर से पैरवी कर रहे "पब्लिक प्रॉसिक्यूटर" (पी.पी.) को आदेश दिए हैं कि वे अगली सुनवाई तक तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करें, क्योंकि सुनवाई के दौरान यह स्पष्ट हुआ था कि एफ.आई.आर. दर्ज कराने वाले घनश्याम सिंघल और याचिका दायरकर्ता सत्यनारायण गुप्ता के बीच कई 'सिविल' मुकदमे चल रहे हैं, जिन पर अंतिम फैसला नहीं आया है, जो एफ.आई.आर. में दर्ज विवादों से सीधा संबंध रखते हैं। अदालत ने आदेश में यह भी स्पष्ट किया कि याचिकाकर्ता सत्यनारायण गुप्ता, पुलिस जांच में सहयोग करेंगे, परंतु पुलिस उन्हें सुनवाई की अगली तारीख या तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश होने तक गिरफ्तार नहीं कर सकती।

- सुनवाई के दौरान स्पष्ट हुआ कि याचिकाकर्ता बिल्डर सत्यनारायण गुप्ता और उन पर एफ.आई.आर. करने वाले घनश्याम सिंघल के बीच कई सिविल मुकदमे चल रहे हैं, जिनका एफ.आई.आर. में दर्ज विवादों से सीधा सम्बंध है और वे मुकदमे अभी भी लंबित हैं।
- अदालत ने याचिकाकर्ता की इस दलील को भी रिकॉर्ड पर लिया कि उस पर 13 साल पुराने मामले में एफ.आई.आर. की गई है क्योंकि घनश्याम सिंघल उस पर पुलिस का दबाव बनाना चाहते हैं और इसमें पुलिस अफसरों की भूमिका भी संदिग्ध है।

न्यायाधीश प्रवीर भटनागर ने यह आदेश सत्यनारायण गुप्ता द्वारा उसके खिलाफ तीन एफ.आई.आर. को रद्द करने के लिए दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। इस मामले में याचिकाकर्ता की ओर से बताया गया कि एफ.आई.आर. में दर्ज तथ्यों के अनुसार, याचिकाकर्ता ने देवी कंस्ट्रक्शन नामक कंपनी को 23 प्लॉट बेचे और इस रकम को एफ.आई.आर. दायरकर्ता घनश्याम सिंघल के साथ बने 'एसक्रो अकाउंट' में नहीं डाला, इसके अलावा, सत्यनारायण गुप्ता ने 57 पट्टों को भी बेचा, जिसकी जानकारी उन्होंने अपने बिज़नैस पार्टनर घनश्याम सिंघल के साथ साझा नहीं की।

याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया था कि इस मामले में एफ.आई.आर. संपत्ति के बेचान के 13 साल बाद की गई, क्योंकि एफ.आई.आर. दायरकर्ता, याचिकाकर्ता पर पुलिस का दबाव बनाना चाहते हैं, ताकि वह मोटी रकम लेके मामले का निपटारा कर सके। अदालत ने अपने आदेश में याचिकाकर्ता की दलील को भी रिकॉर्ड पर लिया है कि पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी इस मामले में याचिकाकर्ता पर दबाव बनाने की साज़िश कर रहे हैं। अदालत ने इस तथ्य को भी रिकॉर्ड पर लिया कि एफ.आई.आर. दायरकर्ता और याचिका दायरकर्ता के बीच मध्यस्थता (आरबिट्रेशन) टल रही है, जिसमें हाईकोर्ट ने 'आरबिट्रेटर' भी नियुक्त किया है। इस मामले की अगली सुनवाई 10 जुलाई 2025 तय की गई है।

पत्नी की ..

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ममता के भाई आकाश ने 18 जुलाई, 2023 को शास्त्री नगर थाने में रिपोर्ट दी थी। रिपोर्ट में कहा गया कि ममता का विवाह 12 साल पहले कानाराम से हुआ था।

वह आए दिन उसके साथ मारपीट करता था। शाम को उसकी दूसरी बहन, जो ममता की जेठानी भी है ने फोन कर अभियुक्त की ओर से ममता की हत्या की जानकारी दी।

रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान, मृतका की बहन ने अदालत को बताया कि घटना के दिन ममता के चिल्लाने की आवाज सुनकर वह उसके कमरे में गई थी। वहां ममता खून में लथपथ पड़ी थी और उसके गले से खून बह रहा था।

वहीं, अभियुक्त उसके पास खड़ा था और उसके हाथ में खून से सना सुआ था। सभी पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने अभियोजन पक्ष के गवाहों के बयानों के आधार पर अभियुक्त को सजा सुनाई है।

सुप्रीम कोर्ट ने जज ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चीफ जस्टिस ऑफ इण्डिया, संजीव खन्ना ने समिति की रिपोर्ट, साथ में जस्टिस वर्मा की प्रतिक्रिया राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री को सौंपी थी। अब यह कार्यपालिका और संसद की जिम्मेवारी है कि वे इस मामले में अगला कदम क्या उठाते हैं।

न्यायपालिका की इनहाउस प्रक्रिया के अनुसार, यदि किसी न्यायाधीश को पद छोड़ने की सलाह दी जाती है और वह इस्तीफा नहीं देता, तो सी.जे.आई. राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को संभावित महाभियोग की प्रक्रिया आरंभ करने के लिए पत्र लिखता है। आठ मई को सुप्रीम कोर्ट ने एक बयान में पुष्टि की: "भारत के मुख्य न्यायाधीश ने इनहाउस प्रक्रिया के तहत, भारत के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को पत्र लिखा है तथा तीन-सदस्यीय समिति की 3 मई की रिपोर्ट की एक प्रति तथा जस्टिस यशवंत वर्मा से दिनांक 6 मई को प्राप्त पत्र/प्रतिक्रिया को संलग्न किया है।"

- कमेटी ने अपनी जाँच के आधार पर रिपोर्ट बनाकर मु.न्यायाधीश के समक्ष पेश की थी जिसे मु. न्यायाधीश ने राष्ट्रपति व प्र.मंत्री से साझा किया था।
- इस रिपोर्ट की कॉपी सूचना के अधिकार के अंतर्गत मांगी गई थी। न्यायालय ने यह रिपोर्ट साझा करने में असमर्थता जताई थी।

'मैं भारतीय हूँ, ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने एक के बाद एक ट्वीट में लोगों का गुस्सा साझा किया और संबंधित महिला अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एसबीआई के अधिकारियों को टैग भी किया। कई कांग्रेस नेताओं और मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने भी कहा कि बैंकों में इस प्रकार की कन्नड़ विरोधी मानसिकता अब बहुत आम होती जा रही है और इसकी निंदा की जानी चाहिए। बढ़ते जनदबाव के बीच शनिवार को एसबीआई ने संबंधित महिला अधिकारी का तबादला कर दिया। इस कार्यवाही का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने कहा, "सूर्य नगर, अनेकल तालुक की एसबीआई शाखा की मैनेजर द्वारा कन्नड़ और अंग्रेजी में बात न करना और नागरिकों के प्रति अनादर दिखाना अत्यंत निंदनीय है। हम अधिकारी के त्वरित तबादले के लिए एसबीआई की सराहना करते हैं। अब इस मामले को बंद समझा जा सकता है।" उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि ऐसे घटनाएं फिर से नहीं होनी चाहिए। सिद्दारमैया ने कहा, "सभी बैंक कर्मचारियो को ग्राहकों के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करना चाहिए और स्थानीय भाषा में बात करने का हर संभव प्रयास करना चाहिए। मैं वित्त मंत्रालय और वित्तीय सेवा विभाग से आग्रह करता हूं कि वे पूरे भारत में बैंक स्टाफ के लिए सांस्कृतिक और भाषाई संवेदनशीलता प्रशिक्षण अनिवार्य करें। स्थानीय भाषा का सम्मान करना, लोगों को सम्मान करना आवश्यक है।"

हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को एसआई भर्ती में एक माह का समय दिया

जयपुर, 26 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में राज्य सरकार को आखिरी एक माह का समय देते हुए कहा है कि एक जुलाई को राज्य सरकार भर्ती के संबंध में अंतिम निर्णय लेकर अदालत में जवाब पेश करे। वहीं, अदालत ने अन्य पक्षों को अपनी लिखित बहस पेश करने को कहा है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने ये आदेश कैलाश चन्द्र शर्मा व अन्य की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान, राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने प्रार्थना पत्र पेश कर कहा गया कि कैबिनेट सब कमेटी की 21 मई को प्रस्तावित बैठक को 20 मई को बुलाकर एसआई भर्ती के विभिन्न आयामों पर चर्चा की गई थी। वहीं, 22 मई को बीकानेर में कार्यक्रम होने और 24 मई को नीति आयोग की बैठक की तैयारियों के चलते आगे की कार्रवाई नहीं हो सकी। इसके अलावा, 25 मई को सीएम कॉन्क्लेव के चलते भर्ती को लेकर निर्णय नहीं हो सका। इसलिए भर्ती पर निर्णय के लिए समय दिया जाए।

जस्टिस जैन- हम खंडपीठ के आदेश से बंधे हुए हैं। आप भर्ती को लेकर निर्णय क्यों नहीं कर रहे हैं।

महाधिवक्ता - भर्ती को लेकर बैठक की गई थी, बाद में उक्त आयोजनों के कारण निर्णय नहीं हो सका। इस संबंध में प्रार्थना पत्र पेश किया गया है। निर्णय लेने की प्रक्रिया चल रही है।

- महाधिवक्ता ने विश्वास दिलाया कि अगली सुनवाई में सरकार खाली हाथ नहीं आयेगी

जस्टिस जैन- आपको कितना समय चाहिए। हम मामले की सुनवाई परसों रख देते हैं।

महाधिवक्ता- तीन दिन बाद समर वेकेशन शुरू हो रहे हैं। ऐसे में मामले की सुनवाई जुलाई में रखी जाए। भर्ती को लेकर विभिन्न आयामों को देखना है।

याचिकाकर्ता के वकील हरेन्द्र नील- सरकार पहले की लंबा समय ले चुकी है। अब समय नहीं दिया जाए।

जस्टिस जैन - चलिए फिर, आपके प्रार्थना पत्र को अलग रखते हैं और केस को मेरिट के आधार पर तय कर देते हैं। आप राय दे चुके हैं। अब क्या कहना है। आप चाहें तो हम अपनी छुट्टियां स्थगित कर मामला सुन सकते हैं।

महाधिवक्ता- राय देते समय रिपोर्ट थी कि आधे से ज्यादा अभ्यर्थी अनुचित साधनों से पास हुए हैं। जांच के बाद, अभी तक करीब 50 अभ्यर्थियों की मिलीभगत सामने आई है।

याचिकाकर्ता के वकील पूर्व एएजी आरपी सिंह- जब सरकार के एजी, कैबिनेट सब कमेटी और एसओजी की एसआईटी परीक्षा रद्द करने की सिफारिश कर चुकी हैं। फिर अब सब कमेटी को बैठक कर क्या तय करना है। ऐसी मॉकरी कब तक चलेगी।

जस्टिस जैन- मॉकरी, आपके समय क्या होता था।

महाधिवक्ता- इस बार अंतिम मौका दे दें। अब तक जो हुआ, सो हुआ। आगामी सुनवाई को सरकार खाली हाथ नहीं आएगी। भर्ती को लेकर लिया गया निर्णय ठोस आधारों के साथ अदालत में पेश किया जाएगा।

जस्टिस जैन- हम आखिरी मौका दे रहे हैं। यदि अभी भी निर्णय नहीं हुआ तो प्रक्रिया में शामिल लोगों को परिणाम भुगतने होंगे।

देश के कई हिस्सों में मानसून सक्रिय

नयी दिल्ली, 26 मई। दक्षिण-पश्चिम मानसून मुंबई, बेंगलुरु और पूर्वोत्तर राज्यों सहित देश के कई हिस्सों में सक्रिय हो गया है। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सोमवार को बताया कि मानसून मध्य अरब सागर, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ गया है। इसके अलावा, त्रिपुरा, मणिपुर, नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम में भी मानसून पहुंच गया है। असम और मेघालय के कुछ हिस्सों में भी सोमवार को मानसून की बारिश हुई। दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए स्थितियां अनुकूल बनी हुयी हैं और यह जल्द ही अरब सागर के मध्य भाग, महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के अन्य क्षेत्रों में सक्रिय हो जायेगा।

कोटपूतली में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नोटिस दिये जाने के बाद किये गये थे। जुलाई 2022 में सभी याचिकाकर्ताओं को जो नोटिस दिये गये, वे दो गवाहों इद्रजीत और राम कुमार सैनी द्वारा हस्ताक्षरित थे और सभी नोटिस में केवल यही दो या तीन लोग गवाह बनाये गये। पूरी प्रक्रिया की निष्पक्षता और विश्वसनीयता पर गंभीर संदेह उत्पन्न करता है। अदालत ने कहा कि राज्य सरकार 15 दिन में एक कमेटी का गठन करे और याचिकाकताओं से आपत्तियां मंगाई जाये। कमेटी सभी याचिकाकर्ताओं को सुनवाई का अवसर प्रदान करेगी और प्रत्येक व्यक्तिगत मामले में तर्कसंगत और स्पष्ट आदेश पारित कर आपत्तियों पर कानून के अनुसार निर्णय करेगी। यदि समिति इस निष्कर्ष पर पहुंचती है कि कोई याचिकाकर्ता अपने वैध दस्तावेजों से परिसर पर कब्जा रखता है, और सड़क के विस्तार के लिये उसकी आवश्यकता है, तो उसे मौजूदा दरों के अनुसार उचित दर पर पर्याप्त मुआवजा दिया जाये ओर उसे किसी भी क्रियान्वित सरकारी योजना के तहत उसकी पात्रता के अनुसार भूमि आवंटित की जा सकती है। यदि कोई आपत्ति प्राप्त नही होती है तो कानून के अनुसार आगे कार्यवही करने की स्वतंत्रता होगी।

बाँग्लादेश की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बढ़ी है, जिसमें सिविल सेवकों, शिक्षकों, राजनीतिक दलों और सेना जैसे समूहों ने अंतरिम सरकार पर शीघ्र लोकतांत्रिक चुनाव कराने का दबाव डाला है। पिछले रविवार सरकार ने एक अध्यादेश जारी कर लोक प्रशासन मंत्रालय को अनुशासनहीनता के मामलों में, बिना लंबी प्रक्रिया के, सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त करने की अनुमति दी, लेकिन भारी विरोध के चलते सरकार को यह आदेश वापस लेना पड़ा।

यूनुस सरकार एक ओर तो शीघ्र चुनाव कराने और दूसरी ओर सुधारों की जोर पकड़ती माँग के बीच फंसी हुई है। यूनुस ने कहा है कि आम चुनाव जून 2026 में कराए जा सकते हैं, जबकि पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के नेतृत्व वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी इस साल दिसंबर तक चुनाव कराने की मांग कर रही है। हाल ही में, बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल वकार उज़ ज़मान ने भी सरकार पर दबाव बनाते हुये, वर्तमान राजनीतिक स्थिति पर असंतोष जताया और दिसंबर में चुनाव कराने की आवश्यकता बताई।

अपने राजनीतिक अस्तित्व को बचाने की कोशिश में, यूनुस भारत को एक हौआ के रुप में पेश करते आ रहे हैं और उनके सलाहकारों ने बांग्लादेश की स्थिति को "युद्ध जैसी परिस्थिति" कहा है। कुछ दिन पहले, उन्होंने इस्तीफा देने की धमकी भी दी थी, लेकिन उनकी सरकार ने तुरंत ही इसका खंडन जारी कर दिया था।

इस सप्ताह मोदी बिहार में पार्टी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पुष्टि की है कि नैशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) के घटक दलों में सीट आवंटन को लेकर गंभीर मतभेद उभरकर सामने आये हैं।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाला जेडीयू राज्य की 243 सीटों में से कम से कम 121 सीटें माँग रहा है तथा कह रहा है कि उसका क्षेत्रीय आधार और शासन का रिकॉर्ड उसे महत्वपूर्ण हिस्सेदारी का पात्र बनाते हैं। पार्टी ने जोर देते हुये कहा है कि बाकी 122 सीटें भाजपा और उसके छोटे -मोटे मित्र दलों, जैसे चिराग पासवान की "लोक जनशक्ति पार्टी" (राम बिलास), उपेन्द्र कुशवाहा के "राष्ट्रीय लोक जनता दल" तथा जीतनराम माँझा के "हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा" में बाँट दी जायें।

लेकिन भाजपा नेतृत्व के नजदीकी सूत्रों का कहना है कि पार्टी जेडीयू को 100 से अधिक सीटें देने के लिये तैयार नहीं है। राज्य में अपने पैर पसारने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुये, भाजपा बड़े हिस्से के लिये जोर देती बताई जा रही है, खासतौर से उन चुनाव क्षेत्रों में, जहाँ 2019 के लोकसभा चुनावों में उसका प्रदर्शन दमदार रहा था।

भाजपा के रणनीतिकार इस बात को लेकर चिंतित हैं कि अगर वह अकेली चुनाव लड़ती है तो उसे 60 सीटों का आँकड़ा पार करने के लिए भी बहुत मशक्कत करनी पड़ेगी। एनडीए के टूटने का सीधा लाभ राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) तथा कांग्रेस के विपक्षी गठबंधन को मिलेगा, जिसका मुस्लिम तथा ओबीसी मतदाताओं का आधार मजबूत होता दिखाई दे रहा है।

राजनैतिक विश्लेषकों को इन समुदायों में आरजेडी, कांग्रेस गठबंधन की ओर उल्लेखनीय शिफ्टिंग दिखाई दे रही है तथा बहुत से मतदाता तो अगले मुख्यमंत्री के रूप में आरजेडी नेता तेजस्वी यादव को खुले तौर पर स्वीकार करते बताये जाते हैं। विपक्षी गठबंधन को इस बात का भी लाभ मिल रहा है कि एनडीए में साफ दिखाई दे रहे मनमुटाव और अनबन की तुलना में विपक्षी गठबंधन के अंदरूनी समीकरण काफी सहज, मधुर एवं निर्विघ्न दिखाई दे रहे हैं।

जहाँ भाजपा पहले नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ने पर सहमत हो गई थी, वहीं, अब पार्टी में जेडीयू नेता के स्वास्थ्य एवं राजनैतिक विश्वसनीयता को लेकर सुगबुगाहट तेज हो गई है। भाजपा नेताओं के एक वर्ग का मानना है कि अगर एनडीए की सत्ता में वापसी होती है, तो चुनाव बाद के जोड़तोड़ में पार्टी अपना मुख्यमंत्री लाने का प्रयास कर सकती है।

ऐसा माना जा रहा है कि सप्ताहांत में हुई नीतीश कुमार की दिल्ली यात्रा का उद्देश्य मतभेदों को समाप्त करना ही था, लेकिन अंदरूनी लोगों का कहना है कि बातचीत किसी नतीजे पर नहीं पहुँची है। चूँकि चुनाव की तारीखें नज़दीक आ रही हैं, इसलिए दोनों पार्टियों को अपने विवादों को सुलझाने की बहुत बड़ी चुनौती का सामना करना होगा, ताकि तेजी से ताकतवर हो रहे विपक्ष के सम्मुख एक संगठित मोर्चा प्रस्तुत किया जा सके।

उदयपुर में करोना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जांच कराई थी। शनिवार को उसे अपने पॉजीटिव होने की खबर मिली और वह भी अपने घर पर उपचाररत है। उदयपुर में कोविड की एंट्री को लेकर आरएनटी मेडिकल कॉलेज के एमबी अस्पताल में विशेष कोविड वार्ड शुरू कर दिया गया है, जिसमें कोविड मरीजों के लिए फिलहाल दस बैड आरक्षित रखे हैं। स्वाइन फ्लू विंग में शुरू किए गए इस वार्ड में स्वाइन फ्लू के पच्चीस बैड अलग से हैं। आवश्यकता पड़ने पर बैड बढ़ाए जा सकेंगे।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908